



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-एम.एच.-अ.-06112020-222978
CG-MH-E-06112020-222978

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 469]
No. 469]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 5, 2020/कार्तिक 14, 1942
NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 5, 2020/KARTIKA 14, 1942

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुंबई, 20 अक्टूबर, 2020

सं. टीएमपी/17/2020-वीसीटीपीएल.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 के तहत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस प्राधिकरण द्वारा 08 सितंबर 2020 को आयोजित बैठक में, इसके दरमानों में सामान्य संशोधन के लिए विशाखा टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीटीपीएल) से प्राप्त प्रस्ताव का, प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के अनुसार निस्तारण किया गया था। तथापि, इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित दरमानों सहित, स्पीकिंग आर्डर की अधिसूचना में लगने वाले समय को देखते हुए, इस प्राधिकरण ने केवल संशोधित दरमानों को तुरंत अधिसूचित करने का निर्णय लिया था। तदनुसार, इस प्राधिकरण द्वारा 08 सितंबर 2020 को अनुमोदित संशोधित दरमानों को दिनांक 6 अक्टूबर 2020 को भारत के राजपत्र में राजपत्र सं.415 पर अधिसूचित किया गया था। उक्त अधिसूचना में उल्लेखित है कि यह प्राधिकरण नियत समय में स्पीकिंग आदेश को अधिसूचित करेगा। तदनुसार, यह प्राधिकरण, एतद द्वारा वीसीटीपीएल के दरमानों में सामान्य संशोधन के प्राप्त प्रस्ताव के निपटान से संबद्ध स्पीकिंग आदेश को संलग्न आदेशानुसार अधिसूचित करता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं. टीएमपी/17/2020-वीसीटीपीएल

विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड

—

आवेदक

कोरम:

- (i). श्री टी. एस. बालसुब्रमनियन, सदस्य (वित्त)
- (ii). श्री रजत सच्चर, सदस्य (आर्थिक)

आदेश

(सितंबर 2020 के 8वें दिन पारित)

विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीटीपीएल) ने अपने 02 अप्रैल 2020 के अपने दरमानों में सामान्य संशोधन के लिए एक प्रस्ताव दिनांक 01 अप्रैल 2020, ई-मेल के माध्यम से अग्रेषित किया है।

2. वीसीटीपीएल के मौजूदा एसओआर को पिछली बार इस प्राधिकरण द्वारा आदेश सं.टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 14 नवंबर 2017 को अनुमोदित किया गया था, जिसे भारत के राजपत्र में 21 दिसंबर 2017 को राजपत्र संख्या 480 पर अधिसूचित किया गया था। उक्त आदेश में, आयात और निर्यात कंटेनरों के लिए समग्र प्रहस्तन दर में वीसीटीपीएल द्वारा मांगी गई 23.30% की वृद्धि को देखते हुए यथास्थिति बनाए रखी गई थी। इसके बाद, इस प्राधिकरण ने वीसीटीपीएल द्वारा दायर समीक्षा आवेदन का निस्तारण करते हुए 31 जुलाई 2018 को एक आदेश संख्या टीएएमपी/7/2018-वीसीटीपीएल पारित किया है, जिसे 29 अगस्त 2018 को राजपत्र सं.331 पर अधिसूचित किया गया था। वीसीटीपीएल द्वारा दायर समीक्षा आवेदन के आधार पर इस प्राधिकरण ने 31 जुलाई 2018 के आदेश में, वीसीटीपीएल द्वारा दायर समीक्षा आवेदन को संसाधित करने की लागत की स्थिति के आधार पर आयात और निर्यात कंटेनर के लिए समग्र प्रहस्तन दर में 10.44% की वृद्धि की है। दोनों आदेशों में एसओआर की वैधता 31 मार्च 2020 तक निर्धारित की गई।

3. पोत परिवहन मंत्रालय (एमओएस) ने अपने पत्र सं. पीआर-14149/20/2009-पीजी (पार्ट.IV) दिनांक 05 मार्च 2019 के माध्यम से, सभी प्रमुख पत्तन न्यासों में कार्यरत और पहले प्रशुल्क दिशानिर्देश 2005 के तहत अभिशासित वीओटी संचालकों के लिए एक प्रशुल्क(दिशानिर्देश जारी किए हैं और तदनुसार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 111 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत इस प्राधिकरण को तत्काल प्रभाव से कार्य करने का निर्देश दिया। महापत्तन न्यास में संचालित वीओटी संचालकों के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश और पूर्ववर्ती प्रशुल्क दिशानिर्देश 2005 द्वारा अभिशासित वीओटी संचालकों के लिए 07 मार्च 2019 को भारत के राजपत्र, असाधारण, (भाग III, खंड 4) में राजपत्र सं. 92 पर अधिसूचित किये गये हैं और हमारे पत्र सं.टीएएमपी/61/2018-विविध दिनांक 08 मार्च 2019 को सभी संबंधित प्रचालकों को भेज दिये गये हैं। इसके बाद, प्रशुल्क नीति, 2019 के खंड 1.7 के अनुसार, महापत्तन न्यासों और तत्कालीन 2005 के प्रशुल्क निर्देशों के तहत अभिशासित वीओटी संचालकों से परामर्श के बाद 11 जुलाई 2019 को भारत के राजपत्र में राजपत्र सं.244 में अधिसूचित किए गए हैं। प्रशुल्क नीति क्रियान्वित करने के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश टीएएमपी की वेबसाइट पर भी होस्ट किए गए हैं और वीसीटीपीएल सहित सभी संबंधित वीओटी संचालकों को सूचित किए गए हैं।

4. वीसीटीपीएल ने 20 मार्च 2020 और 31 मार्च 2020 के अपने ई-मेलों के माध्यम से उल्लेख किया है कि जिसमें कहा गया है कि देश में प्रचलित कोविड-19 की लॉक डाउन स्थिति के कारण, वीसीटीपीएल प्रस्ताव को पिछले रूप देने में असमर्थ था। तथापि, वीसीटीपीएल आवश्यक जानकारी जल्द से जल्द भेजने के लिए तैयार हो गया। इस बीच, वीसीटीपीएल द्वारा वीसीटीपीएल के मौजूदा एसओआर की वैधता को बढ़ाने का अनुरोध किया जो संशोधित एसओआर लागू होने तक 31 मार्च 2020 तक वैध थे। इसके बाद 06 मई 2020 तक ई-मेल अनुस्मारक भेजा गया। वीसीटीपीएल द्वारा किए गए अनुरोध पर, वीसीटीपीएल के मौजूदा एसओआर की वैधता को इसकी समाप्ति की तारीख से छह महीने की अवधि के लिए 30 सितंबर 2020 तक या उसके बाद संशोधित एसओआर प्रभावी होने तक बढ़ा दिया गया और हमारे पत्र संख्या टीएएमपी/7/2018-वीसीटीपीएल दिनांक 13 मई 2020 को वीसीटीपीएल को सूचित कर दिया गया है।

5.1. इस पृष्ठभूमि में, वीसीटीपीएल ने तीन साल की अवधि के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश का पालन करते अपने एसओआर के सामान्य संशोधन के लिए दिनांक 01 अप्रैल 2020 को हुए प्रशुल्क निर्धारण हेतु अपना प्रस्ताव दायर किया है। वीसीटीपीएल द्वारा किए गए उल्लेख इस प्रकार हैं:

- (i). प्रशुल्क प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक की सूचना के आधार पर निर्धारित प्रारूपों में तैयार किया गया है। प्रस्ताव में 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए लेखा परीक्षित वास्तविक वित्तीय व्यय के अनुसार दर्शाए गए हैं।
- (ii). वीसीटीपीएल के लेखा परीक्षित वार्षिक वित्तीय लेखा भारतीय लेखा सेवा के अनुसार तैयार किए जाते हैं। इसलिए, फॉर्म 6क और 6ख को, लेखा परीक्षित खातों और लागत विवरण के बीच विस्तृत मिलान सहित पेश किया गया है।
- (iii). वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए नियोजित पूंजी की गणना प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.5 के अनुसार की गई है।
- (iv). एआरआर को फॉर्म 1 में आकलित किया गया है।
- (v). प्रस्तावित एसओआर में राजस्व का प्राक्कालन एआरआर की अधिकतम सूचकांकित सीमा के दायरे में, फॉर्म 4 में किया गया है। एसओआर में निम्नलिखित वृद्धि/कमी करने का प्रस्ताव है:
- (क). वीसीटीपीएल एक निर्यात संचालित गेटवे-टर्मिनल है। निर्यात की मात्रा को पूरा करने के लिए शिपिंग लाइनों को खाली कंटेनरों का स्थान-परिवर्तन करना पड़ता है। चूंकि इन खाली कंटेनरों के स्थान-परिवर्तन के लिए शिपिंग लाइनों को अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है, इसलिए वीसीटीपीएल ग्राहकों को कम लागत के साथ खाली कंटेनरों का स्थान-परिवर्तन करके मांग अंतर को पूरा करने के लिए अपनी सहायता प्रदान करता है और निर्यात के लिए भाड़े की बेहतर दर प्रस्तुत की गई है। खाली कंटेनर प्रहस्तन प्रभार की संयोजी दर के मौजूदा एसओआर में खंड

1.1 (ख) के तहत 9% की कटौती प्रस्तावित है। वीसीटीपीएल के इस छोटे से कदम से निर्यात में वृद्धि और निर्यातकों, शिपिंग लाइनों और वीपीटी को लाभ होगा।

(ख). मौजूदा एसओआर के खंड 1.10 के तहत कंटेनरों के भंडारण प्रभार में **42%** की वृद्धि हुई है और खंड 1.10 (च) के तहत निशुल्क अवधि में कमी आई है। वीसीटीपीएल ने आने वाले वर्षों में ट्रांसशिपमेंट और आइसीडी बाध्य कंटेनरों की हिस्सेदारी में वृद्धि की आशंका जताई है। वर्तमान में, वीसीटीपीएल के अंदर रेक द्वारा नियंत्रित आईसीडी बाउंड कंटेनर के लिए **15** दिनों की निःशुल्क अवधि अनुमत है जिसे वीसीटीपीएल जारी रखना चाहेगा। इसलिए, टर्मिनल को भीड़ मुक्त करने और यार्ड क का ईष्टतम लाभ उठाने के लिए वीसीटीपीएल ने निर्धारित निशुल्क अवधि के बाद वीसीटीपीएल में पड़े हुए कंटेनरों को रखने के लिए भंडारण प्रभार को **42%** तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। आयात-निर्यात कंटेनर या तो कारखाने या सीएफएस से बंधे होते हैं। इसके अलावा, चूँकि विजाग में पहले से ही **8** सीएफएस मौजूद हैं, इसलिए कंटेनरों को तेजी से खाली किया जा सकता है। ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों के लिए **30** दिनों की निशुल्क-अवधि होती है। वीसीटीपीएल यार्ड के प्रभावी उपयोग और क्षमता में वृद्धि के लिए ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों की निशुल्क अवधि को **30** दिनों से घटाकर **15** दिन करने का भी प्रस्ताव करता है।

(ग). अन्य प्रशुल्क मदों में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं किया गया है: प्रशुल्क प्रस्ताव के खंड सं.1.1 (क), 1.1 (ग), 1.2, 1.3, 1.4, 1.5, 1.6, 1.7, 1.8, 1.9, 1.11 से 1.12 और अन्य सेवाओं के लिए खंड 2 के तहत, कोई बदलाव नहीं किया गया है।

(घ). 2019-20 के मूल प्रशुल्क पर डब्ल्यूपीआई लागू करने के लिए पूर्वोल्लेखित पैरा (क) और (ख) के तहत प्रस्ताव को शामिल करने के बाद कार्य दिशानिर्देश के अनुसार **2019-20** के लिए आधारभूत प्रशुल्क का परिकलन किया गया है। वीसीटीपीएल ने इस प्राधिकरण से अगले प्रशुल्क चक्र के प्रथम वर्ष **2020-21** के लिए बेस-प्रशुल्क, फॉर्म-1 और फॉर्म-4 के अनुसार **2019-20** के लिए लागू होने वाले थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) को लागू करने का अनुरोध किया है। वित्त वर्ष 2020-21, 2021-22 और 2022-23 के लिए **2.56% (4.26% का 60%)** के मौजूदा डब्ल्यूपीआई को शामिल करने के बाद प्रस्तावित प्रशुल्क को फॉर्म-5 में दर्शाया गया है। [दरमानों के सूचकांकन के लिए इस प्राधिकरण द्वारा घोषित डब्ल्यूपीआई सूचकांकन **1.88%** है और वर्ष **2020-21** के लिए **01 मई 2020** से प्रभावी प्रशुल्क के सूचकांकन के लिए **1.13%** अर्थात् **60%** है।]

(ङ). खंड 1.4, 1.5, 1.7, 1.8 और 1.10 के तहत प्रशुल्क. मदों के लिए अमेरिकी डालर में बदलने का प्रस्ताव: वर्तमान में, वीसीटीपीएल, टीओएस सॉफ्टवेयर, तकनीकी शुल्क, महत्वपूर्ण पुर्जों के आयात और क्रेन के आयात, विदेशी मुद्रा के व्याज भुगतान के लिए विदेशी मुद्रा ऋण के पुनर्भुगतान के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध शुल्क के लिए किए गए व्यय के कारण विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के संपर्क में है। अगले प्रशुल्क चक्र में औसत विदेशी मुद्रा का बहिर्वाह 33,92,346 अमेरिकी डालर होगा। इसका बहिर्वाह समतुल्य भारतीय मुद्रा रु.24 करोड़ वार्षिक के बराबर होगा। फॉर्म -1 के अनुसार एआरआर रु.174.03 करोड़ वार्षिक है। इसलिए, विदेशी मुद्रा व्यय औसत राजस्व का 14% बनता है। हमारे देश के मूल्यवान विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव और बचत के प्रभाव पर काबू पाने के लिए वीसीटीपीएल ने अपने भारतीय रूपयेपर आधारित प्रशुल्क के **8%** को यूएस डॉलर आधारित प्रशुल्क में बदलने का प्रस्ताव रखा है।

(i). वीसीटीपीएल के एसओआर में प्रासंगिक प्रशुल्क मद को यूएस डॉलर आधारित प्रशुल्क में बदलने का प्रस्ताव है:

दरमानों में खंड	प्रशुल्क विवरण	फार्म 4 के अनुसार राजस्व भारतीय मुद्रा (रूपये)
1.4	क्वे लैंडिंग हैच कवर के साथ – विदेशगामी	1.55
1.5	पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोस):	
	लदे हुए या खाली कंटेनर का स्थानांतरण – उतारना और बाद में पुनः लदान (री-शिपिंग के लिए)	0.29
1.7	विद्युत आपूर्ति के लिए शुल्क (रीफर यार्ड पर कनेक्टिंग और डिस्कनेक्टिंग, निगरानी सहित) 4 घंटे या उसके किसी भाग के लिए	6.23
1.8	शट-आउट कंटेनरों के लिए शुल्क	0.57
1.10	भंडारण प्रभार	5.18

	औसत आमदनी	₹.13.82 करोड़
	फॉर्म -1 के अनुसार कुल एआरआर	₹.174.03 करोड़
	अमेरिकी डॉलर आधारित प्रशुल्क में बदलने के लिए राजस्व का %	8%

(ii). अगले प्रशुल्क चक्र में व्यय का विवरण, विदेशी मुद्रा में:

अगले 3 वर्षों में अमेरिकी डॉलर का बहिर्वाह:	वित्त वर्ष 20	वित्त वर्ष 21	वित्त वर्ष 22	वित्त वर्ष 23
प्रबंधन शुल्क	1,75,000	1,75,000	1,75,000	1,75,000
एएमसी	66,792	92,000	92,000	92,000
पुर्जों का आयात	25,600	25,600	25,600	25,600
एफसीएनआर पर व्याज	7,12,292	13,69,014	11,97,887	10,26,761
एफसीएनआर ऋण की वापसी	9,50,704	19,01,408	19,01,408	19,01,408
सदस्यता शुल्क	429	450	450	450
कुल अमेरिकी \$ बहिर्वाह	19,30,817	35,63,473	33,92,346	32,21,219
अगले प्रशुल्क चक्र में औसत यूएसडी बहिर्वाह	33,92,346			
भारतीय मुद्रा(₹.) का बहिर्वाह	₹.24.09 करोड़			
फॉर्म -1 के अनुसार कुल एआरआर	₹.174.03 करोड़			
एआरआर के विदेश विनिमय व्यय %	14%			

इसलिए, 14% विदेशी-मुद्रा व्यय में से, वीसीटीपीएल ने अमेरिकी डॉलर के रूप में प्रशुल्क के 8% राजस्व की वसूली का प्रस्ताव किया है।

इस संबंध में, प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के तहत, एनएसआईसीटीपीएल के दिनांक 03 मार्च 2020 के दरमानों के लिए धारा 5 (पोतों के लिए हैच कवर), धारा 6 कंटेनरों की री-स्टोईंग, धारा 7- कंटेनरों का शटआउट, धारा 8 - रीफर मॉनिटरिंग सर्विसेज़, और सेक्शन 9 (डवेल टाइम प्रभार) का संदर्भ लिया जा सकता है जिनके लिए मुद्रा अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित की गई है।

- (च). प्रशुल्क दिशानिर्देश में डेटा की गोपनीयता संबंधी खंड 4.3 :
- प्रशुल्क दिशानिर्देश के खंड 4.3 के अनुसार, वीसीटीपीएल इस प्राधिकरण से अनुरोध करता है कि वह फॉर्म 1, 2, 3 और 4 और अन्य सहायक परिकलनों में दी गई सूचनाओं को प्रचालित न किया जाए जो व्यावसायिक रूप से संवेदनशील और गोपनीय प्रकृति की हैं।
- (छ). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 खंड 1.9 के तहत वीपीटी के साथ पृथक करार:
- प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 1.9 के अनुसार, "बीओटी संचालक संबंधित महापत्तन न्यास के साथ किए गए मौजूदा रियायत करार में निहित प्रावधानों का अनुपालन जारी रखेगा। इसके साथ ही, बीओटी संचालक संबंधित महापत्तन न्यास के साथ एक पृथक करार के द्वारा इन दिशानिर्देशों का अनुपालन करने के लिए सहमत होगा।" उपर्युक्त के अनुपालन के लिए वीसीटीपीएल वीपीटी से अलग से संपर्क कर रहा है।
- (ज). अभिलेखों का प्रस्तुतिकरण :
- वीसीटीपीएल ने प्रशुल्क-दिशानिर्देश, 2019 के अनुसार, प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 को संचालित करने के लिए टीएएमपी द्वारा जारी किए गए कार्यात्मक दिशानिर्देश के अनुसार प्रस्ताव के साथ निम्नलिखित दस्तावेजों/सूचनाओं को प्रस्तुत किया है:
- वित्त वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक की प्रत्येक लेखा-परीक्षित वार्षिक खाते की प्रतियां।
 - कार्यात्मक दिशानिर्देश, 2019 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र-फॉर्म-1, फॉर्म-2, फॉर्म-3, फॉर्म-4, फॉर्म-5, फॉर्म-6 क, फॉर्म-6 ख और फॉर्म-7 प्रस्तुत किए गए हैं।
 - प्रस्तुत प्रस्ताव की ई-मेल की गई सॉफ्ट प्रतियां और सीडी (पीडीएफ दस्तावेज़ रूप में)।
- (झ). विस्तार परियोजना और रचना आयतन में परिवर्तन:
- पिछले 3 वर्षों का औसत वॉल्यूम 4,01,800 टीईयू है जैसा कि फॉर्म -4 में कहा गया है। विजाग की मात्रा विशुद्ध रूप से अपने हिटरलैंड की मात्रा पर निर्भर है जो अगले प्रशुल्क चक्र में मात्रा में वृद्धि कोविड 19 के कारण और इसके अर्थव्यवस्था पर प्रभाव के तथ्य पर विचार करते हुए बहुत कम होने की उम्मीद है। प्रभाव की गंभीरता का आकलन उन तथ्यों से किया जा सकता है जो:

- (i). अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने संकेत दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही एक गंभीर मंदी के दौर में प्रवेश कर चुकी है।
- (ii). वर्ष 2020-2021 के लिए जीडीपी पूर्वानुमान में भारी कमी के बारे में भारतीय रिजर्व बैंक और साथ ही अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी का 2% से 2.5% तक कम वित्त आकलन।
- उपरोक्त पर विचार करते हुए अगले प्रशुल्क चक्र में, 4,01,800 प्रति वर्ष की औसत मात्रा प्राप्त करना एक बहुत ही मुश्किल काम होगा।
- (ज). उपरोक्त के अलावा, वीपीटी और वीसीटीपीएल के बीच रियायत करार के अनुसार, 17 हेक्टेयर के बैक-अप क्षेत्र के साथ 395 मीटर लंबी क्रे वाली विस्तार परियोजना वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही तक कार्यशील हो जाएगी। चूंकि, इस सुविधा में उन्नत बुनियादी ढांचे और आधुनिक उपकरण होंगे, इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि मौजूदा वॉल्यूम स्तर 50% से 60% तक किया जा सकता है, क्योंकि बड़े पोटों के साथ अधिकांश शिपिंग लाइनें वीसीटीपीएल-II में अपने जहाजों को बर्थ करने लगेगी।
- (ट). कोविड 19 का प्रभाव और वीसीटीपीएल-II के विस्तार के परिणामस्वरूप 4,01,800 टीईयू की मात्रा के स्तर को प्राप्त करना वीसीटीपीएल के लिए बेहद मुश्किल होगा। हालाँकि, वीसीटीपीएल तटीय कंटेनरों और ट्रांसशिपमेंट के माध्यम से यह लक्षित संख्या प्राप्त करने की पूरी कोशिश करेगा। वीसीटीपीएल, उम्मीद कर रहा है कि वॉल्यूम अगली प्रशुल्कल चक्र अवधि में मात्रा का विभाजन निम्नानुसार होगा:
- (i). आयुध डिपो (मूल गंतव्य) - 70%
- (ii). ट्रांसशिपमेंट - 25%
- (iii). तटीय - 5%

उपरोक्त धारणा के आधार पर, वीसीटीपीएल ने इस प्रस्ताव के साथ स्व-प्रमाणित फॉर्म -1 और फॉर्म -4 टीएमपी के अवलोकन के लिए प्रस्तुत किया है।

5.2. वीसीटीपीएल ने फॉर्म -1 के तहत एआरआर की विस्तृत गणना और फॉर्म -4 में प्रस्तावित दर पर राजस्व प्राकलन प्रस्तुत किया है।

- (i). वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत अभिकलन की सारांश स्थिति नीचे दी गई है:

(रु. लाखों)

क्रम सं.	विवरण	वर्ष - 1	वर्ष - 2	वर्ष - 3
		2016-17	2017-18	2018-19
(1).	कुल व्यय (लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के अनुसार)			
(i).	परिचालन व्यय (मूल्यहास सहित) [सीएफएस शामिल नहीं है]	9,601.22	10,508	14,897
(ii).	वित्त और विविध व्यय (एफएमई) [सीएफएस को शामिल करता है]	1,558.21	1,391	1,959
	कुल व्यय 1=(i)+(ii)	11,159.43	11,899	16,856
(2).	उन मदों के संबंध में समायोजन जहाँ आइएनडीएस के अनुसार रिपोर्ट किए गए आंकड़ों में भिन्नता है (लेखा परीक्षित खातों के अनुसार) और आइजीएपी			
(i).	मूल्यहास	(260.81)	(252)	(298)
(ii).	अन्य व्यय मद, यदि कोई हो, सूचीबद्ध होनी चाहिए			
	कर्मचारी लाभ व्यय	22.70	(4)	18
	सुरक्षा जमा पर अनवाइंडिंग लागत	(0.72)	(1)	0
	रॉयल्टी पर अनवाइंडिंग लागत	(561.99)	(624)	(242)
	कुल समायोजन - 2=(i)+(ii)+ —	(801)	(880)	(523)
(3).	समायोजन घटाएं:			
(i).	पत्तन को अदा की गई वास्तविक रॉयल्टी / राजस्व का हिस्सा	(1,833)	(1,941)	(3,119)
(ii).	ऋण पर व्याज	(416)	(338)	(832)
(iii).	अशोध्य और संदिग्ध ऋणों का प्रावधान	-	(7)	-
(iv).	धूम्र गति से चलती इन्वेंट्री के लिए प्रावधान	-	-	-
(v).	अन्य प्रावधान, यदि कोई हो	-	-	-
	कुल 3 = [3 (i) + 3 (ii) + 3 (iii) + 3 (iv) + 3 (v)]	(2,249)	(2,286)	(3,952)
(4).	जोड़ें: प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.2 के अनुसार स्वीकार्य	898	951	1,528

	रॉयल्टी / राजस्व का अंश।			
(5).	समस्त समायोजन के बाद कुल व्यय (5 = 1 + 2 + 3 + 4)	9,008	9,684	13,911
(6).	क्रम सं.5 का औसत व्यय = [वर्ष-1 + वर्ष-2 + वर्ष-3] / 3	10,867		
(7).	नियोजित पूंजी			
	(i) बीओटी ऑपरेटर के अनुसार (आइजीएपी के अनुसार) सकल अचल संपत्ति (संपत्ति, संयंत्र और उपकरण) 31 मार्च को वर्ष-3 या वर्ष-3 के 31 दिसंबर को	38,338		
	(ii) जोड़ें: बीओटी ऑपरेटर द्वारा 31 मार्च को वर्ष-3 या 31 दिसंबर को प्रगति के रूप में प्रगति में पूंजीगत कार्य (लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के अनुसार)	28		
	(iii) जोड़ें: प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.6 में निर्धारित मानदंडों के अनुसार कार्यशील पूंजी			
	(क) इन्वेंटरी	132		
	(ख) विविध देनदार	1,354		
	(ग) नकद	993		
	(घ) जोड़ (क) + (ख) + (ग)	2,479		
	(v) कुल पूंजी नियोजित [(i) + (ii) - (iii)]	40,845		
(8).	क्रम सं.7 (iv) पर नियोजित पूंजी पर 16% पर प्रत्यागम	6,535		
(9).	वार्षिक राजस्व मांग (एआरआर) 31 मार्च 2019 को [(6) + (8)]	17,403		
(10).	एआरआर में वर्ष 4 अर्थात् 2019-20 के लिए @ 100% अनुसूचित लागू [वर्ष-4 वर्ष अनुक्रमणित एआरआर होगा (9) x 1.0426]	4.26%		
(11).	ऊपर सूचीबद्ध क्रमांक 10 में अधिकतम सूचकांकित एआरआर में यथा उल्लेखित।	18,144		
(12).	ऊपर क्रम सं.11 में आकलित अधिकतम एआरआर के भीतर प्रस्तावित सूचकांकित एसओआर में राजस्व प्राक्कलन।	18,144		

- (ii). बीसीटीपीएल ने मौजूदा प्रशुल्क के साथ-साथ फॉर्म 4 में प्रस्तावित प्रशुल्क के लिए बीओटी ऑपरेटर द्वारा व1, व2 और व3 के दौरान वास्तविक ट्रेफिक के औसत के लिए राजस्व प्राक्कलन प्रस्तुत किया है। उक्त प्रपत्र के अनुसार, प्रशुल्क के प्रस्तावित स्तर पर आकलित कुल राजस्व रु.18,143.89/- लाख है।

5.3. बीसीटीपीएल ने कार्यरत चार्टर्ड लेखाकारों द्वारा प्रमाणित फॉर्म 1, 4, 6 क और 7 भी प्रस्तुत किए हैं।

5.4. बीसीटीपीएल ने आकलित एआरआर को पूरा करने के लिए वृद्धि/घटोत्तरी का निम्नानुसार प्रस्ताव किया है:

विवरण	% वृद्धि/घटोत्तरी	
	विदेशी	तटीय
कंटेनर संचालन		
आयात और निर्यात कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए संयोजी दर	-9% से 0%	-9% से 0%
खतरनाक / ओओजी कंटेनर	0%	0%
ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों का प्रहस्तन.	0%	0%
लिफ्ट चालू/बंद	0%	0%
एक ऑपरेशन (खुलने और बंद होने, दोनों) के लिए हैच कवर प्रहस्तन. (हैच कवर के साथ / बिना द्वार लैडिंग)	0%	0%
पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण	0%	0%
आंतरिक परिवहन	0%	0%
संबंधित और अन्य सामान्य सेवाओं का संदर्भ ले	0%	0%
शट आउट कंटेनर शुल्क	0%	0%
अतिरिक्त कंटेनर शुल्क	0%	0%
कंटेनरों के भंडारण के लिए शुल्क	42%	42%
कचरा हटाने का शुल्क	0%	0%
मीठे पानी की आपूर्ति के लिए शुल्क	0%	0%
अन्य सेवाएं	0%	0%

6. जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, वीसीटीपीएल ने फार्म नंबर 1, 2, 3 और 4 और अन्य सहायक परिकलन को व्यावसायिक रूप से संवेदनशील और गोपनीय प्रकृति के होने की सूचना प्रचालित नहीं करने का अनुरोध किया है, यह वीसीटीपीएल के ध्यान में लाया गया कि हमारे पत्र दिनांक 15 मई 2020 के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए कि चूंकि फॉर्म-1 लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के आधार पर एक बुनियादी एआरआर गणना है, यह परिचालित किया जाता है। प्रपत्र-2 मानदंडों के अनुसार पास के रूप में रॉयल्टी/राजस्व हिस्सेदारी पारगमन की अनुमति के संबंध में है और इसलिए इसे परिचालित किया जाता है। चूंकि फॉर्म-3 मानदंडों के अनुसार केवल कार्यशील पूंजी की गणना से संबंधित है, इसलिए इसे परिचालित किया जाता है। मौजूदा और प्रस्तावित दरों के बीच तुलनात्मक स्थिति को दर्शाते हुए दरों और प्रपत्र-5 के मसौदे को भी परिचालित किया जाता है। राजस्व प्राक्कलन से संबंधित प्रपत्र-4 केवल वीपीटी को भेजा जाता है न कि उपभोक्ताओं को। यह न्हासवा शेवा इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (एनएसआईसीटीपीएल) के एसओआर के सामान्य संशोधन के मामले में इस प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिन्होंने वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील होने के कारण प्रपत्रों और विभिन्न दस्तावेजों को प्रसारित नहीं करने का भी अनुरोध किया था।

7.1. निर्धारित परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार, 1 अप्रैल, 2020 के वीसीटीपीएल का प्रस्ताव, उनकी टिप्पणियां मांगते हुए हमारे पत्र दिनांक 15 मई 2020 के माध्यम से वीपीटी और संबंधित प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता संगठनों को भेजा गया था [फॉर्म 4 और लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा को छोड़कर]। वीपीटी और उपयोगकर्ता संगठनों से प्राप्त टिप्पणियों को फीडबैक जानकारी के लिए वीसीटीपीएल को भेजा गया था। वीसीटीपीएल ने 6 जुलाई 2020 के अपने ई-मेल के माध्यम से अपना उत्तर प्रस्तुत किया है।

7.2. टिप्पणियां प्रस्तुत करते समय, वीपीटी ने कहा है कि वीसीटीपीएल ने आज तक कोई वार्षिक लेखा परीक्षा लेखा नहीं भेजा है और इसलिए पूरे प्रस्ताव पर टिप्पणी नहीं कर सकता है। वीपीटी द्वारा किए गए उक्त बिंदु को ध्यान में रखते हुए और चूंकि वीपीटी लाइसेंसधारक पत्तन है, इसलिए वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए वीसीटीपीएल के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों की सॉफ्ट प्रति हमारे ई-मेल दिनांक 11 जून 2020 के तहत वीपीटी को भेज दी गई थी। वीपीटी से अनुरोध किया गया था कि वह 22 जून 2020 से पूर्व, अपनी अतिरिक्त टिप्पणियां, यदि कोई हो, प्रस्तुत कर दे।

7.3. इसके अलावा, वीपीटी की टिप्पणियों पर उत्तर प्रस्तुत करते हुए, वीसीटीपीएल ने कहा है कि वे मौखिक बातचीत के आधार पर वीपीटी अधिकारियों की आवश्यकतानुसार समय-समय पर हर साल लेखा परीक्षित खाते प्रस्तुत करते रहे हैं। वीसीटीपीएल इसकी प्रतियां दोबारा वीपीटी को भेज देगा।

8. प्रारंभिक जांच के आधार पर, वीसीटीपीएल को हमारे 15 जुलाई 2020 के पत्र के माध्यम से कुछ बिंदुओं पर अतिरिक्त जानकारी / स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए का अनुरोध किया गया था। वीसीटीपीएल ने अपने ई-मेल दिनांक 27 जुलाई 2020, 07 अगस्त 2020, 17 अगस्त 2020 और 20 अगस्त 2020 को अपना उत्तर दिया है। हमारे द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी / स्पष्टीकरण का सारांश और वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत उत्तर नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	प्राधिकरण द्वारा अपेक्षित जानकारी/स्पष्टीकरण	वीसीटीपीएल द्वारा दिए गए उत्तर
1.	सामान्य: प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 1.9 के अनुसार, वीओटी ऑपरेटर संबंधित मेजर पत्तन न्यास के साथ दर्ज किए गए मौजूदा रियायत करार में निहित प्रावधानों का पालन करना जारी रखेगा। इसके साथ ही, वीओटी ऑपरेटर, संबंधित मेजर पत्तन न्यास के साथ एक अलग करार के माध्यम से इस दिशानिर्देश का पालन करने पर सहमत होगा। वीसीटीपीएल की टिप्पणियों के जवाब में वीसीटीपीएल ने अपने ईमेल दिनांक 06 जुलाई 2020 में कहा है कि वीसीटीपीएल ने पहले ही अपने पत्र क्रमांक वीसीटी/ वीपीटी/डीवाईसीओओ 378 / 2020 दिनांक 17 जून 2020 को वीपीटी को करार का ड्राफ्ट प्रस्तुत कर दिया है। वीसीटीपीएल को एमओएस के पत्र क्रमांक पीआर-14019/20/ 2009-पीजी (पार्ट/5) दिनांक 08 मार्च, 2019 से सभी प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों को भेजे गए निर्धारित प्रारूप के अनुसार वीपीटी सहित करार की एक अलग-अलग प्रति प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है। जिस पर वीपीटी ने वीसीटीपीएल और वीपीटी द्वारा विधिवत हस्ताक्षर किए गए हों।	वीसीटीपीएल ने निष्पादन के लिए संशोधित मसौदा वीपीटी को भेज दिया है। संदर्भ के लिए ड्राफ्ट करार की एक प्रति संलग्न है।
2.	वार्षिक राजस्व मांग(एआरआर) (फॉर्म -1):	
(i).	प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.3.2 के अनुसार, यदि आईएनडीएस और आईजीएपी के तहत रिपोर्ट किए गए खर्च में भिन्नता है, तो आईएनडीएस को छोड़कर और आईजीएपी के अनुरूप में आंकड़ों पर विचार करके एआरआर गणना में आवश्यक समायोजन किए जाने की आवश्यकता है। इस संबंध में, वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक क्रमशः एआरआर गणना से बहिष्करण के रूप में वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र 6 क, "मूल्यह्रास और परिशोधन" और "अन्य व्यय" (कर्मचारी लाभ व्यय के लिए, सुरक्षा जमा पर अनवाइडिंग लागत और रॉयल्टी के लिए बाध्यकारी लागत) आईएनडीएस से आईजीएपी के लिए शीर्ष के तहत समायोजन दिखाता है। इस संबंध में, वीसीटीपीएल से अनुरोध है	

	<p>कि निम्नलिखित को स्पष्ट करें:</p> <p>(क). लेखा परीक्षा वार्षिक रिपोर्ट में व्यय की प्रकृति सुरक्षा-जमा पर अनवाइंडिंग लागत और रॉयल्टी पर अनवाइंडिंग लागत और आईएनडीएस के तहत इन दो मदों के लिए दिए गए उपचार के लिए दिए गए हैं, आईजीएपी के तहत विवरणिका तैयार करते समय अपवर्जन के लिए विचारणीय है.</p>	<p>(क). सुरक्षा जमा पर अनवाइंडिंग लागत:</p> <p>वीसीटीपीएल ने वीपीटी को भूमि आवंटन पत्र के अनुसार 2003 में अपनी टर्मिनल भूमि के लिए लीज़ रेंट का और 2015 में सीएफटी के लिए सुरक्षा जमा का भुगतान किया था। भारतीय जीएएपी के तहत, दी गई सुरक्षा राशि जमा के मूल्य पर लंबी अवधि के लिए होता है क्योंकि यह राशि 12 महीने के बाद वापस कर दी जाती है। हालाँकि, आईएनडीएस 109 की आवश्यकता के अनुसार, दी गई सुरक्षा जमा (सिक्क्योरिटी डिपॉजिट) राशि पर आईएनडीएस में ट्रांसीशन की तिथि को लागू दर पर वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है और इसकी उचित राशि पर अधिक राशि का सुरक्षा जमा के संदर्भ में अधिशेष पर स्ट्रेट लाइन पद्धति से बहिर्गमन व्यय करना होगा।</p> <p>तदनुसार, वित्त वर्ष 2016-17 के अनुसार, टर्मिनल किराए की सुरक्षा जमा राशि के लिए ₹.71,556 से युक्त ₹.19,01,146 की राशि और सीएफएस किराए की सुरक्षा जमा राशि के लिए ₹.8,29,590/- ₹. की अनवाइंडिंग लागत वित्त लागत के लिए डेबिट की गई और प्रीपेड एजसपेंस-नॉनकरंट अकाउंट के खाते में क्रेडिट की गयी।</p> <p>चूंकि ये वित्त लागत की प्रकृति की हैं, इसलिए इन्हें लागत विवरणी में शामिल नहीं किया गया है।</p> <p>(ख) रॉयल्टी पर अनवाइंडिंग लागत:</p> <p>आईएनडीएस 11 के तहत, वीसीटीपीएल को आईएनडीएस को ट्रांसीशन की तारीख को प्रचलित बाजार छूट दर का उपयोग करते हुए वर्तमान मूल्य पर छूट(एमजीटी पर रॉयल्टी) प्राप्त पोर्ट के लिए भावी वर्षों के वार्षिक निर्धारित रॉयल्टी भुगतान को मान्यता देने की आवश्यकता है। कुल रियायती रॉयल्टी लागत को अमूर्त संपत्ति में डेबिट किया जाता है और वित्तीय देयता में क्रेडिट किया जाता है।</p> <p>प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, शेष परिसंपत्ति मूल्य को वर्तमान मूल्य पर और एमजीटी टीईयू पर भुगतान की गई वास्तविक रॉयल्टी के ऊपर छूट दी जाती है, जिसे रॉयल्टी की अनवाइंडिंग लागत पर डेबिट किया जाता है और वित्तीय देयता में क्रेडिट कर दिया जाता है।</p> <p>वित्तीय वर्ष के लिए प्रहस्तित टीईयू पर लागू पोर्ट को भुगतान की गई वास्तविक रॉयल्टी हमेशा ईवीआईटीडीए लाइन से ऊपर रॉयल्टी लागत में डेबिट की जाती है। यह केवल भावी एमजीटी रॉयल्टी लागत है जिसके वर्तमान मूल्य को वित्त लागत में डेबिट किया जाता है।</p> <p>तुलन-पत्रक और पी एंड एल में शेष परियोजना अवधि के समग्र प्रभाव स्पष्ट रूप से अनुलग्नक-1 के रूप में प्रस्तुत हैं।</p> <p>चूंकि, आईजीएपी के अनुसार, पत्तन की वास्तविक रॉयल्टी भुगतान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, जिसे लागत के रूप में माना जाना चाहिए और रॉयल्टी की अनवाइंडिंग लागत को केवल प्रकृति में वित्त लागत है, इस लागत विवरणी में शामिल नहीं किया गया है।</p>
	<p>(ख). इसके अलावा, फॉर्म 6-क के रूप में आईएनडीएस के अनुसार सुरक्षा जमा (सिक्क्योरिटी डिपॉजिट) का आंकड़ा "वित्तीय लागत" शीर्ष के तहत इस मद के लिए 2016-17 से 2018-19 के लेखा परीक्षा एनुअल अकाउंट्स में बताए गए आंकड़ों के साथ मेल नहीं खाता है। इसलिए, वीसीटीपीएल आईजीएपी, आईएनडीएस के अनुसार आंकड़े प्रस्तुत करे। ये आंकड़े विधिवत लेखा परीक्षित खातों और अंतर के अनुसार निर्धारित प्रारूप के अनुसार मेल खाते</p>	<p>जैसा कि ऊपर बताया गया है, लेखा परीक्षा किए गए खातों में सुरक्षा जमा की अनवाइंडिंग लागत टर्मिनल और सीएफएस भूमि पट्टे पर जमा दोनों के लिए होती है और वार्षिक खातों में वित्त लागत के भाग, फॉर्म 6 ख में वार्षिक खातों के अनुसार, वित्त वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 में, कुल खर्चों से (सीएफएस वित्त लागत में सुरक्षा</p>

	<p>हुए होने चाहिए। अंतर को फॉर्म 1 में समायोजन के रूप में उल्लेखित करने की आवश्यकता है।</p>	<p>जमा (सिक्योरिटी डिपॉजिट) की अनवाईडिंग लागत में वृद्धि) से सीएफएस खातों के पहले संपूर्ण खर्चों को (क) के तहत, शामिल नहीं किया गया है तब सुरक्षा जमा (सिक्योरिटी डिपॉजिट) की अनवाईडिंग लागत और टर्मिनल की रॉयल्टी की अनवाईडिंग लागत को टर्मिनल के लिए एआरआर उद्देश्य के लिए वास्तविक व्यय की सूचित करने के लिए (3) के तहत बाहर रखा गया है।</p> <p>एसडी विवरणी की अनवाईडिंग लागत</p> <table><tr><td></td><td>वि.व.17</td><td>वि.व.18</td><td>वि.व.19</td></tr><tr><td>एसडी की अनवाईडिंग लागत</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>टर्मिनल</td><td>71556</td><td>59266</td><td>45625</td></tr><tr><td>सीएफएस</td><td>829590</td><td>763463</td><td>687902</td></tr><tr><td>कुल</td><td>901146</td><td>822730</td><td>733526</td></tr></table>		वि.व.17	वि.व.18	वि.व.19	एसडी की अनवाईडिंग लागत				टर्मिनल	71556	59266	45625	सीएफएस	829590	763463	687902	कुल	901146	822730	733526																											
	वि.व.17	वि.व.18	वि.व.19																																														
एसडी की अनवाईडिंग लागत																																																	
टर्मिनल	71556	59266	45625																																														
सीएफएस	829590	763463	687902																																														
कुल	901146	822730	733526																																														
(ii).	<p>वीसीटीपीएल के वार्षिक खाते में वर्ष 2016-17 के लिए ₹.0.42 लाख और वर्ष 2017-18 के लिए ₹.0.50 लाख के शुद्ध विदेशी मुद्रा नुकसान सूचित है। वीसीटीपीएल यह पुष्टि करे कि क्या यह शुद्ध हानि विदेशी मुद्रा के वास्तविक भुगतान के कारण है या लेखांकन मानकों को पूरा करने के लिए परिसंपत्तियों की के पुर्नलेखांकन के कारण उत्पन्न होता है। वीसीटीपीएल से , विदेशी मुद्रा के वास्तविक पुनर्भुगतान के संबंध में केवल शुद्ध विदेशी मुद्रा हानि (विदेशी मुद्रा लाभ को समायोजित करने के बाद) उल्लेख करने का अनुरोध किया जाता है। प्रशुल्क का निर्धारण करते समय ऋण / परिसंपत्तियों/खर्चों की पुनर्स्थापना के कारण उत्पन्न विदेशी मुद्रा लाभ या हानि पर विचार नहीं किया जाता है। प्रशुल्क दिशानिर्देशों के तहत शासित सभी वीओटी संचालकों और आईजीटीपीएल जैसे अन्य वीओटी ऑपरेटरों के लिए तत्कालीन, प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के तहत इसी एक ही दृष्टिकोण को समान रूप से अपनाया गया था।</p>	<p>विदेश विनिमय हानि के विस्तृत विवरण का सारांश इसके दिनांक 07 अगस्त 2020 के ई-मेल के तहत नीचे प्रस्तुत किया गया है :</p> <p style="text-align: right;">(₹. लाखों में)</p> <table><tr><td></td><td>2016-17</td><td>2017-18</td></tr><tr><td>विनिमय लाभ</td><td>0.33</td><td>0.47</td></tr><tr><td>विनिमय हानि</td><td>0.93</td><td>0.89</td></tr><tr><td>शुद्ध घाटा</td><td>0.60</td><td>0.42</td></tr></table>		2016-17	2017-18	विनिमय लाभ	0.33	0.47	विनिमय हानि	0.93	0.89	शुद्ध घाटा	0.60	0.42																																			
	2016-17	2017-18																																															
विनिमय लाभ	0.33	0.47																																															
विनिमय हानि	0.93	0.89																																															
शुद्ध घाटा	0.60	0.42																																															
(iii).	<p>वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए फॉर्म -1 में शीर्ष "ऋण पर व्याज" के तहत बहिष्करण के लिए वीसीटीपीएल द्वारा विचारित आंकड़ों 2016-17 से 2018-19 तक के लेखा परीक्षा वार्षिक खातों में दर्ज आंकड़ों से मेल नहीं खाते हैं। बहिष्करण के इस मद को सही किया जा सकता है और लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में दर्ज आंकड़ों के अनुसार इन पर विचार किया जा सकता है।</p>	<p>(क). लेखा परीक्षा किए गए वार्षिक खातों के अनुसार ऋण पर व्याज में सीएफएस के ऋण की व्याज लागत भी शामिल है, जिसे फॉर्म 1 में वीसीटीपीएल द्वारा शामिल नहीं किया गया है।</p> <p>(ख). इसके बाद, वीसीटीपीएल ने अपने ई-मेल दिनांक 07 अगस्त 2020 के माध्यम से प्रशुल्क परिकलन के लिए विचारित मिलान और एफएमई प्रस्तुत किया है, जो नीचे सारणीबद्ध है:</p> <table><tr><td rowspan="2">प्रशुल्क के लिए विचारित एमफएमई विवरण (ब्रेक अप)</td><td>व.1</td><td>व.2</td><td>व.3</td></tr><tr><td>2016-17</td><td>2017-18</td><td>2018-19</td></tr><tr><td>क) लेखा परीक्षित वित्तीय आंकड़ों के अनुसार वित्त लागत</td><td>1,951.63</td><td>2,000.93</td><td>2,545.15</td></tr><tr><td>घटाएं: सीएफएस के लिए वित्त लागत</td><td>393.42</td><td>609.49</td><td>585.79</td></tr><tr><td>कंटेनर टर्मिनल के लिए वित्त लागत</td><td>1,558.21</td><td>1,391.43</td><td>1,959.36</td></tr><tr><td>घटाएं: आईएनडीएएस समायोजन के रूप में</td><td>562.70</td><td>624.40</td><td>242.88</td></tr><tr><td>घटाएं: ऋण में व्याज</td><td>415.88</td><td>338.22</td><td>832.48</td></tr><tr><td>ख) प्रशुल्क प्रयोजन के लिए वीसीटीपीएल द्वारा विचारित एफएमई</td><td>579.63</td><td>428.81</td><td>884.00</td></tr><tr><td>हेजिंग लागत</td><td>570.49</td><td>419.23</td><td>875.51</td></tr><tr><td>ओडी पर व्याज</td><td>0.30</td><td>0.08</td><td>1.18</td></tr><tr><td>बीजी कमीशन</td><td>8.84</td><td>9.51</td><td>7.31</td></tr><tr><td>प्रशुल्क के प्रयोजन के लिए एफ.एम.ई.</td><td>579.63</td><td>428.81</td><td>884.00</td></tr></table> <p>नोट: हेज लागत का भुगतान मार्च 2018 में आरएमफसी (2 नग) और आरटीजीसी (4 नग) की खरीद के वास्ते, लिए गए विदेशी मुद्रा ऋण पर किया गया है।</p> <p>चूंकि ये वास्तविक व्यय हैं, जिन पर प्रशुल्क निर्धारण के लिए विचार किया जाना है।</p>	प्रशुल्क के लिए विचारित एमफएमई विवरण (ब्रेक अप)	व.1	व.2	व.3	2016-17	2017-18	2018-19	क) लेखा परीक्षित वित्तीय आंकड़ों के अनुसार वित्त लागत	1,951.63	2,000.93	2,545.15	घटाएं: सीएफएस के लिए वित्त लागत	393.42	609.49	585.79	कंटेनर टर्मिनल के लिए वित्त लागत	1,558.21	1,391.43	1,959.36	घटाएं: आईएनडीएएस समायोजन के रूप में	562.70	624.40	242.88	घटाएं: ऋण में व्याज	415.88	338.22	832.48	ख) प्रशुल्क प्रयोजन के लिए वीसीटीपीएल द्वारा विचारित एफएमई	579.63	428.81	884.00	हेजिंग लागत	570.49	419.23	875.51	ओडी पर व्याज	0.30	0.08	1.18	बीजी कमीशन	8.84	9.51	7.31	प्रशुल्क के प्रयोजन के लिए एफ.एम.ई.	579.63	428.81	884.00
प्रशुल्क के लिए विचारित एमफएमई विवरण (ब्रेक अप)	व.1	व.2		व.3																																													
	2016-17	2017-18	2018-19																																														
क) लेखा परीक्षित वित्तीय आंकड़ों के अनुसार वित्त लागत	1,951.63	2,000.93	2,545.15																																														
घटाएं: सीएफएस के लिए वित्त लागत	393.42	609.49	585.79																																														
कंटेनर टर्मिनल के लिए वित्त लागत	1,558.21	1,391.43	1,959.36																																														
घटाएं: आईएनडीएएस समायोजन के रूप में	562.70	624.40	242.88																																														
घटाएं: ऋण में व्याज	415.88	338.22	832.48																																														
ख) प्रशुल्क प्रयोजन के लिए वीसीटीपीएल द्वारा विचारित एफएमई	579.63	428.81	884.00																																														
हेजिंग लागत	570.49	419.23	875.51																																														
ओडी पर व्याज	0.30	0.08	1.18																																														
बीजी कमीशन	8.84	9.51	7.31																																														
प्रशुल्क के प्रयोजन के लिए एफ.एम.ई.	579.63	428.81	884.00																																														

(ग). इसके अलावा, वीसीटीपीएल ने अपने ई-मेल दिनांक 17 अगस्त 2020 को बाढ़ लागत के संबंध में इस प्रकार उल्लेख किया है:

		<p>(i). वीसीटीपीएल ने केन की खरीद के लिए विदेशी मुद्रा ऋण लिया गया था। 2016-17 के दौरान 31-3-17 तक यूएसडी 12,533,514 का विदेशी मुद्रा ऋण बकाया था जिसका विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए पूरी तरह से व्यवस्थापन किया जा रहा था। इस ऋण की किस्तों को सहमत दर के अनुसार भुगतान किया जा रहा था और 31-3-2018 को कुल बकाया ऋण 11,059,239 अमरीकी डॉलर था।</p> <p>(ii). इसके अलावा 2018-19 में यूएसडी 17,684,000 (आईसीआईसीआई के साथ 2 व्युत्पन्न अनुबंध के साथ - यूएसडी 15915600 + यूएसडी 1768400) के लिए खरीदार से संबद्ध अतिरिक्त ऋण/एफसीएनआर ऋण था, जो पूरी तरह से विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए पूरी तरह से संरक्षण के लिए है।</p> <p>(iii). ऋण की हेजिंग उच्चतम स्थिति की और से की जाती है ताकि भुगतान के समय, जब यूएसडी दर आईएनआर से अधिक हो, तो निपटान की तिथि पर विदेशी मुद्रा की एक बड़ी हानि के बजाय, कंपनी हेज अनुबंध में सहमत दर के अनुसार ऋण राशि का निपटान करती है। हेज कॉस्ट विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव में जोखिम तत्व को अवशोषित करने के लिए बैंक को भुगतान की गई राशि होती है। उदाहरण के लिए 2018-19 के नवीनतम अनुबंध में, अगर हम 15915600 अमरीकी डॉलर के अनुबंध का उल्लेख करते हैं, तो अनुबंध करते समय स्पॉट रेट ₹.67.36 और स्ट्राइक रेट (सहमत दर) 68.36 था। विदेशी मुद्रा ऋण चुकौती की नियत तारीख 10 दिसंबर 2020 है। परिपक्वता की तारीख पर अगर यूएसडी से आईएनआर दर ₹.68.36 से अधिक है (मान लें कि यह @ ₹.76 है), वीसीटीपीएल केवल @ ₹.68.36 का भुगतान करेगा। और यदि यह ₹.67.36 से कम है, तो यह उस तिथि पर प्रचलित परिवर्तित दर का भुगतान करेगा। भुगतान की गई हेज लागत विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव के जोखिम को ₹.68.36 से ऊपर कवर करने के लिए प्रीमियम है। अगर इसने हेजिंग नहीं ली होती, और 10 दिसंबर 2020 को यूएसडी दू आईएनआर दर ₹.76 हो जाती है, यह लोन को ₹.76 में (की दर से) अदा करना होता और ₹.8.64 की प्रति यूएसडी अतिरिक्त विदेशी मुद्रा हानि(₹.76-₹.67.36) अर्थात 15.91 मिलियन अमरीकी डॉलर की कुल ऋण राशि ₹.13.75 करोड़ की हानि होती।</p> <p>(iv). वीसीटीपीएल ने लेखा परीक्षित वित्तीय खातों के अनुसार 2016-17 में वास्तविक हेज लागत ₹.5.70 करोड़, 2017-18 में ₹.4.19 करोड़ और 2018-19 में ₹.8.76 करोड़ का वहन किया है। वीसीटीपीएल ने टीएएमपी से अनुरोध किया है कि वह उस पर हमारे आवेदन पर एफएमई के तहत उसी के अनुसार विचार करे।</p>
(iv).	(क). वीसीटीपीएल ने प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.3 (ii) के अनुसार कुल खर्चों से वर्ष 2017-18 में ₹.7 लाख के अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के प्रावधान को शामिल नहीं किया है। यह आंकड़ा लेखा परीक्षित वार्षिक खाते जो वर्ष 2017-18 में ₹.12.96 लाख प्रदर्शित हैं के साथ मिलान नहीं किया जा सका। वीसीटीपीएल, लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में बताए गए आंकड़ों से मेल न खाने के कारणों को स्पष्ट करें। इस मद के बहिष्करण को सही किया जा सकता है और वार्षिक लेखा परीक्षित खातों में दर्ज किया जा सकता है।	वार्षिक रिपोर्ट में ₹.12.96 लाख के कुल अशोध्य ऋणों में सीएफएस से संबंधित ₹.6.28 लाख के अशोध्य ऋण शामिल हैं जिन्हें पहले से ही फॉर्म 6 ख [मिलान विवरणी] में संचालन व्यय में शामिल नहीं किया गया है।
	(ख). वीसीटीपीएल ने वर्ष 2017-18 में एआरआर संगणना के लिए ₹.12.96 लाख की राशि को "अशोध्य ऋणों" के रूप में लिखा है। वीसीटीपीएल यह बताए कि क्यों देनदार से वसूले या वसूले जा सकने वाले कर्ज को केवल वीसीटीपीएल द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए उपयोगकर्ता द्वारा देय प्रशुल्क में शामिल न कर लिया जाए।	"अशोध्य ऋण" सामान्य संचालन व्ययका ही एक भाग है जिन्हें व्यापारियों से वसूल नहीं किया जा सकता। इस व्यय को वहन करना ही होगा जो कंपनी अधिनियम और आयकर अधिनियम के तहत अनुमत्त व्यय है।
(v).	प्रपत्र 3 - कार्यशील पूंजी की संगणना: प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 2.6 के अनुसार, स्टोर में कार्यशील पूंजी की संगणना का मानदंड, ईंधन को छोड़कर पूंजीगत पुर्जों के लिए एक वर्ष की और अन्य मदों की छह महीने की इन्वेंट्री तक सीमित है। नकद अधिशेष संबंधी सीमा एक महीने के नकद खर्च की होगी। रेवेन्यू शेयर/ रॉयल्टी का अग्रिम भुगतान और संविदात्मक दायित्वों से उत्पन्न लीज किराया/लाइसेंस शुल्क का नियंत्रक पत्तन	

	को अग्रिम भुगतान करना होगा। वीसीटीपीएल, टीजी 2019 में उपरोक्त प्रावधान और नीचे दिए गए निष्कर्ष के आलोक में, फॉर्म 3 में आवश्यक संशोधन/सुधार करे:	
	(क) पूंजीगत पुर्जों की सूची के ₹0.36 लाख के प्राक्कलन के लिए फॉर्म 3 में दिए गए लिंकेज में यह देखा गया है कि वे उपभोग्य सामग्रियों, तेल और स्नेहक, टायर्स, स्टोर्स और पुर्जों की बंद इन्वेंट्री से संबंधित हैं और यह पूंजी, पुर्जों के लिए नहीं, वीसीटीपीएल द्वारा ऐसी मदों के छह महीने की खपत फॉर्म 3 में क्रम सं.(i)(ख), अन्य इन्वेंट्री शीर्ष के तहत उल्लेखित की गई है जिसमें स्नेहक और कस्टोमाइज्ड कलपुर्जे शामिल नहीं हैं। इसलिए, उपरोक्त निष्कर्ष के आलोक में वीसीटीपीएल इस फॉर्म में आवश्यक सुधार करे।	₹0.36 लाख पूंजीगत पुर्जों का इन्वेंट्री अधिशेष अलग से वर्गीकृत किया गया है और एक वर्ष की डब्ल्यूसी आवश्यकता के रूप में दिखायी गयी है। पुर्जों की औसत खपत पूंजी को वित्तीय रूप से अलग से उल्लेखित नहीं किया जाता है। चूंकि राशि नगण्य है, इसलिए कृपया इसे डब्ल्यूसी के प्रयोजन के लिए माना जा सकता है। हालाँकि, अन्य इन्वेंट्री मदें अर्थात् उपभोग्य सामग्रियों, तेल और स्नेहक, टायर्स, स्टोर्स और पुर्जों की गणना फॉर्म 6ख में दिखाए गए उपभोग व्यय के आधार पर की जाती है, जिनका मिलान डब्ल्यू सी संगणना पत्रक में तदनुसार ₹132.03 लाख है अर्थात् डब्ल्यूसी गणना के लिए विचार किया गया है।
	(ख). कार्यशील पूंजी की गणना (मानदंडों के अनुसार) से संबंधित फॉर्म 3 में, वीसीटीपीएल ने व्यापार से संबद्ध प्रतियों के संबंध में क्रम सं. 11 (क) में ₹889.85 लाख की राशि पर विचार किया है। 2018-19 के 'ट्रायल बैलेंस' में उक्त वस्तु के लिए प्रदान किया गया लिंकेज दर्शाता है कि यह प्राप्य खातों - बाहरी, आंतरिक कंपनियों और अन्य से संबंधित है। कार्यशील पूंजी की गणना के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 2.6 के तहत निर्धारित मानकों के अनुसार इस मद का उल्लेख नहीं किया गया है और इसलिए इसे हटाया जाए।	खंड 2.6 के अनुसार कार्यशील पूंजी में इन्वेंट्री, विविध ऋणदाता और नकद अधिशेष शामिल होंगे। संविदात्मक दायित्वों से उत्पन्न नियंत्रक पत्तन को राजस्व हिस्सेदारी / रॉयल्टी के अग्रिम भुगतान को विविध ऋणियों के रूप में मान्यता दी जाएगी। संविदात्मक दायित्वों से बहने वाले उत्पन्न नियंत्रक पत्तन को लीज किराया/ लाइसेंस शुल्क का अग्रिम भुगतान, ऋणी देनदार के रूप में मान्यता दी जाएगी। ₹889.85 लाख कार्य-व्यापार प्राप्य और किसी भी विवेकपूर्ण व्यवसाय में कार्यशील पूंजी (डब्ल्यूसी) की आवश्यकता का एक अनिवार्य हिस्सा है। इसलिए, इसे फॉर्म 3 में माना गया है। टीजी-2019 में, प्राप्य कार्य-व्यापार को डब्ल्यूसी गणना में शामिल नहीं किया गया है।
	(ग). प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के दिशा-निर्देश के खंड 2.2 के साथ पठित, खंड 2.6 के अनुसार और फॉर्म -3 के तहत निर्धारित नोट के अनुसार, प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के संचालन के लिए राजस्व शेयर/रॉयल्टी का अग्रिम भुगतान और पट्टा-किराया संविदात्मक दायित्व से उत्पन्न नियंत्रक पत्तन को ऋणियों के रूप में मान्यता दी जाएगी। जैसा कि 14 नवंबर 2017 के पिछले प्रशुल्क संशोधन आदेश के पैरा 15 (viii) (ख) में देखा गया है, वीसीटीपीएल द्वारा वीपीटी के साथ किया गया लाइसेंस करार में, लीज किराया के किसी भी अग्रिम भुगतान को निर्धारित नहीं किया गया है। वीसीटीपीएल और वीपीटी के बीच किये गए एलए के अनुच्छेद 5.1 के अनुसार, महीने के 7 वें दिन के तुरंत बाद रॉयल्टी देय है। इस प्रकार, एलए के अनुसार, वीसीटीपीएल द्वारा वीपीटी को कोई अग्रिम भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए फॉर्म 3 में कार्यशील पूंजी के परिकलन के संदर्भ में पट्टा-किराया और रॉयल्टी के अग्रिम भुगतान की दिशा में वीसीटीपीएल द्वारा विचारित ₹464.27 लाख का संगणन, दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं है। दिशा-निर्देश स्थिति के अनुपालनार्थ इस मद में कार्यपूंजी के संगणन में आवश्यक संशोधन किया जाए।	वीपीटी को पट्टा-किराया, हमेशा अग्रिम रूप में भुगतान किया जाता है और यह 10 मार्च 2016 के लीज करार (खंड "रेंट" के तहत लीज करार का पेज नंबर 4) और साथ ही 2003 के अलॉटमेंट लेटर के अनुसार मुजित किया जाता है। लीज करार और आबंटन पत्र 2003 संलग्नक किए गए हैं।
	(घ) वीसीटीपीएल ने कार्यशील पूंजी की गणना में ₹992.62 लाख की नकद शेष राशि का विचार किया है, जबकि सामग्री की लागत पर ₹1,115.71 लाख का खर्च की गई। कर्मचारी लाभ व्यय पर ₹2,099.64 लाख और अन्य व्यय पर ₹8,696.16 लाख के नकद व्यय पर विचार किया गया है जो निर्धारित मानक के अनुसार नहीं है। कार्यशील पूंजी गणना को सही किया जाए और जिसे प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.6 के अनुसार वर्ष 2018-19 के एक महीने के नकद व्यय के रूप में माना जाए। व्याख्या के लिए, दिनांक 02 अप्रैल, 2020 के मूल प्रस्ताव में वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत लागत विवरण के अनुसार, नकद व्यय ₹935.26 लाख (अर्थात् स्वीकार्य व्यय ₹13,911 लाख वर्ष 2018-19 के लिए ₹2,687.84 लाख ₹मुल्यह्रास में बनता है। आईजीएपी/12 = ₹935.23 लाख के अनुसार मूल्यह्रास) वीसीटीपीएल को प्रशुल्क दिशानिर्देश का पालनार्थ आवश्यक संशोधन करने हैं।	वीसीटीपीएल ने कार्यशील पूंजी की गणना में ₹992.62 लाख पर नकद शेष राशि का विचार किया है, जिसमें ₹1,115.71 लाख पर खर्च की गई सामग्री की लागत पर नकद व्यय पर कर्मचारी लाभ पर व्यय ₹2,099.64 लाख और वार्षिक रिपोर्ट से सीएफएस संबंधित व्यय रहित अन्य व्यय पर ₹8,696.16 लाख पर विचार किया गया है- कृपया फॉर्म 6 ख देखें।
(vi).	<u>एआरआर (फॉर्म-7) में स्वीकार किया गया आईजीएपी के अनुसार स्थायी परिसंपत्ति विवरणी :</u> 31 मार्च 2019 को प्रगति के अनुसार आईजीएपी और पूंजीगत कार्य के अनुसार सकल स्थायी संपदा/ परिसंपत्तियों के आंकड़े फॉर्म नंबर 1 के रूप में देखे	

	<p>गए हैं, जो वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत फॉर्म नंबर 7 पर आधारित है, वीसीटीपीएल को फॉर्म नंबर 7 के संबंध में निम्नलिखित के समर्थन में परिकलन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया जाता है:</p>	
	<p>(क) वर्ष 2016-17 के लिए वित्तीय वक्तव्यों के भाग के रूप में उल्लेखित नोट 2 के अनुसार, नोट 2.2 के तहत "अनुपालन के वक्तव्य" में कहा गया है कि वर्ष 2016-17 पहले वर्ष में कंपनी ने आईएनडीएस के तहत वित्तीय विवरण तैयार किया है। आगे नोट 3.17 कहा गया है कि वीसीटीपीएल ने आईजीएपी के तहत 01 अप्रैल 2015 तक पिछली सभी मूर्त और अमूर्त संपत्ति के मूल्य को जारी रखने का विकल्प चुना है और मूल्य का उपयोग, संक्रमण तिथि पर अचल संपत्तियों के मूल्य के रूप में किया है। लेखा परीक्षित वार्षिक खाता 2016-17 के नोट 5 के अनुसार वहन राशि 1 अप्रैल 2015, 31 मार्च 2016 और 31 मार्च 2017 के अनुसार उल्लेखित है।</p> <p>2014-15 में समाप्त होने वाली वर्ष के लिए संपदा का निवल मूल्य अर्थात् निवल अचल संपदा, जैसा कि 31 मार्च 2015 को वर्ष 2014-15 के लिए आईजीएपी के तहत लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में वर्ष 2015-16 के लिए क्रमशः ₹.10,616.01 लाख और ₹.9,283.84 लाख बताया गया है।</p> <p>जैसा कि इसके विपरीत, वर्ष 2016-17 में माना जाने वाला सकल निश्चित संपदा का प्रारंभिक अधिशेष का फॉर्म नंबर 7 के अनुसार ₹.19,721 लाख है, जिसे लिंक नहीं किया जा सका। वीसीटीपीएल से अनुरोध है कि वीसीटीपीएल द्वारा विचार किए गए आईजीएपी के तहत सकल स्थाई परिसंपदा का मिलान करें और यह सुनिश्चित करें कि यह 2014-15 / 2015-16 के सकल ब्लॉक के साथ मेल खाता है, जिसे आईजीएपी से आईएनडीएस में ट्रांज़िशन के लिए आधार वर्ष के रूप में लिया जाता है।</p>	<p>यह उल्लेख किया जा सकता है कि आईएन डीएस से संक्रमण की तारीख के अनुसार, संपत्ति जो परियोजना अवधि के अंत में रियायत प्रदान करने वाले प्राधिकरण को सौंपी जानी है, को अमूर्त संपत्ति के तहत वर्गीकृत किया गया है। संक्रमण की तारीख को निवल ब्लॉक मूल्य, आईएनडीएस के लिए शुरुआती संपत्ति मूल्य के रूप में माना जाता है।</p> <p>हमारे परिकलन में, फॉर्म 6 ख. हमने मूल्यहास पर पहले आईएनडीएस के अनुसार वार्षिक खातों पर विचार किया है अर्थात्, हम वहां से सीएफएस परिसंपत्तियों के मूल्यहास में कटौती कर चुके हैं और टर्मिनल संपत्ति पर आईएनडीएस के अनुसार मूल्यहास निकाला है। एआरआर अभिकलन के लिए, आईजीएपी के अनुसार मूल्यहास प्रपत्र 6ख की पंक्ति संख्या 4 के तहत उल्लेखित किया गया है।</p> <p>संपत्तियों के प्रत्येक ब्लॉक की सकल संपत्ति का मूल्य, मूल्यहास और निवल बुक वैल्यू का एक विस्तृत मिलान आईएनडीएस और आईजीएपी दोनों के अनुसार वित्त वर्ष 2015-16 (शुद्ध आईजीएपी), 2016-17 (आईएनडीएस और आईजीएपी दोनों) से संबंधित अनुलग्नक 3 के तहत प्रस्तुत है। 2017-18 (आईएनडीएस और आईजीएपी दोनों) और 2018-19 (आईएनडीएस और आईजीएपी दोनों) इन विवरणों में इकाई वार - वीसीटीपीएल और सीएफएस की अलग-अलग गणना शामिल है।</p> <p>इसके बाद, वीसीटीपीएल ने अपने 17 अगस्त 2020 के ई-मेल के तहत जिसमें गणना के संबंध में अतिरिक्त प्रस्तुतियाँ भी दी गई हैं जैसे :2015-16 के समापन शेष के रूप में दिए गए अनुबंध 3 के अनुसार 2016-17 के प्रारंभिक आंकड़ों के साथ मेल नहीं खा रहा है:</p> <p>उत्तर :</p> <p>लेखा परीक्षित वित्तीय स्थिति के अनुसार:</p> <p>क) 31-3-2016 (वि.व.2015-16) के अनुसार गणन का अंत-अधिशेष : ₹.2,46,16,343</p> <p>ख) 31-3-2016 (वि.व.2015-16) के अनुसार कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का समापन अधिशेष: ₹.5,89,66,902</p> <p>अनुबंध -3 के अनुसार</p> <p>क) 01-4-2016 (वि.व.2016-17) के अनुसार कंप्यूटर का अथ(ओपनिंग) शेष: ₹.2,38,17,343</p> <p>ख) 01-4-2016 (वि.व.2016-17) के अनुसार कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का अंत शेष: ₹.5,97,65,902</p> <p>व्यक्तिगत परिसंपत्ति ब्लॉक में ₹.7,99,000 का अंतर अनुलग्नक 3 में परस्पर बदले गए हैं। हालांकि, कुल संपत्ति मूल्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं है।</p> <p>इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुलग्नक -3 के संबंध में विलोपन 2016-17 के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के साथ मेल नहीं खाता है, वीसीटीपीएल ने 17 अगस्त 2020 के अपने ईमेल में स्पष्ट किया है कि वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान प्लान्ट और मशीनरी का ₹.1,19,79,725 का विलोपन है। वित्तीय स्थिति के अनुसार यह</p>

		2016-17 में सकल ब्लॉक में निपटान के तहत दिखाया गया है। 2016-17 के दौरान सकल ब्लॉक में अनुलग्नक 3 में हटाए गए कॉलम में वही राशि दिखाई गई है।
	(ख). नोट 7 के अनुसार, परिसंपत्ति श्रेणी, संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर और जुड़नार, कार्यालयी उपकरण, कंप्यूटर-सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर-हार्डवेयर, वाहन, जेटी के साथ भवन और अन्य स्थायी परिसंपत्तियों, प्रत्येक के लिए सकल निश्चित परिसंपत्तियों के अथ-शेष के बीच आईजीएपी और आईएनडीएस के अनुसार वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 की एक मिलान विवरणी संलग्न की जाए।	अनुलग्नक 3 में विस्तृत विवरण दिया गया है।
	(ग). संपत्ति श्रेणी, संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर और जुड़नार, कार्यालयी उपकरण, कंप्यूटर-सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर-हार्डवेयर, वाहन, जेटी के साथ भवन और अन्य स्थायी परिसंपत्तियों, प्रत्येक के मूल्यहास के समर्थन में वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक के लिए परिकलन।	अनुलग्नक 3 में विस्तृत विवरण दिया गया है।
	(घ). वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए फॉर्म नंबर 7 में सकल अचल संपत्ति की अनुसूची के तहत दिखाए गए परिवर्धन और निपटान के आंकड़े संबंधित वर्षों के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में दर्ज किए गए शुद्ध जोड़ के साथ मेल नहीं खाते हैं। वीसीटीपीएल से अनुरोध किया गया है कि 2016-17 से 2018-19 के लिए प्रत्येक वर्ष के लेखा परीक्षित खातों में दर्ज आंकड़ों के अनुसार निवल परिवर्धन पर विचार किया जाए। ऐसा करते समय, सीएफएस से संबंधित किसी भी अतिरिक्त / निपटान को बाहर रखा जाए।	अनुलग्नक 3 में विस्तृत विवरण दिया गया है।
	(ङ). वर्ष 2018-19 के लिए वार्षिक खातों में बताई गई प्रगतिशील कार्यपूजी का परिकलन अनुसूची 5 के तहत ₹.672.43 लाख है। वीसीटीपीएल ने इसके विरुद्ध ₹.28.00 लाख पर विचार किया है, जो वार्षिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में दर्ज आंकड़ों से मेल नहीं खाता है। कम प्रगतिशील कार्यपूजी पर विचार करने का कारण दिया जाए।	विस्तृत विवरण अनुलग्नक 3 में दिया गया है।
3.	राजस्व प्राक्कलन (फॉर्म -4):	
(i).	<p>वीसीटीपीएल ने वर्ष 2019-20 के लिए एआरआर को 4.26% पर सूचकांकित किया है। वीसीटीपीएल ने कहा है कि वर्ष 2020-21 के लिए प्रस्तावित एसओआर को 2.56% अर्थात् 4.26% के डब्ल्यूपीआई के 60% पर सूचकांकित किया गया है। यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि टीजी 2019 के तहत वीओटी ऑपरेटर्स के लिए प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2020-21 के लिए घोषित डब्ल्यूपीआई के 60% पर एसओआर में वार्षिक सूचकांकन 1.13% है (अर्थात् $1.88\% \times 60\%$).</p> <p>अब वीसीटीपीएल द्वारा फॉर्म 4 में प्रस्तुत राजस्व प्राक्कलन 60% डब्ल्यूपीआई सूचकांकन के बाद एसओआर में प्रस्तावित दर के साथ मेल नहीं खाता है। चूंकि वर्ष 2020-21 की शुरुआत हो चुकी है और वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित एसओआर वार्षिक सूचकांकन लागू करने के बाद का है, वीसीटीपीएल एसओआर में प्रस्तावित दरों को 60% डब्ल्यूपीआई भिन्नता अर्थात् 2.56% के बजाय 1.13% पर सही सूचकांकन घटक लागू करके सही कर सकता है। नतीजतन, फॉर्म 4 में राजस्व प्राक्कलन को एसओआर में प्रस्तावित दरों को सूचकांकन (1.13% का सही सूचकांकन फैक्टर लागू करने के बाद) का उल्लेख करने के लिए संशोधित किया जा सकता है। वीसीटीपीएल यह सुनिश्चित करे कि प्रस्तावित एसओआर पर आकलित राजस्व अधिकतम अनुगामी एआरआर सीमा के काफी भीतर है।</p> <p>इसके अतिरिक्त क्योंकि वीसीटीपीएल द्वारा एआरआर वर्ष 2019-20 के लिए सूचकांकन घटक लागू करने के बाद आकलित है और यह मानते हुए कि वर्ष 2020-21 आरंभ हो चुका है और प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित की जाने वाली दरें वित्त वर्ष 2020-21 के वर्तमान में होंगी इसलिए एआरआर का प्राक्कलन वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकन किया जा सकता है।</p>	फॉर्म नं. 5 में 2.56 प्रतिशत की अपेक्षा 1.13% सूचकांकन कर दिया गया है।
(ii).	वीसीटीपीएल ने विदेशी मुद्रा के लिए 8% व्यय को पूरा करने के लिए निर्धारित निम्नलिखित मौजूदा प्रशुल्क मद को विदेशी मुद्रा के लिए अमेरिकी डॉलर में रुपए के रूप में परिवर्तित करने का प्रस्ताव किया है ताकि विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव के प्रभाव और राष्ट्र के मूल्यवान विदेशी मुद्रा भंडार में बचत को नियंत्रित किया जा सके और 03 मार्च 2020 को दिनांकित एनएसआईसीटीपीएल के एसओआर	कोविड-19 महामारी परिदृश्य के बाद कमजोर मांग के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता के कारण हाल ही में भारतीय रुपये का तेजी से अवमूल्यन हो रहा है। इसलिए, अमेरिकी डॉलर के भारतीय रुपये की रूपांतरण दर पर विचार करने के लिए वर्तमान परिदृश्य,

	<p>का हवाला दिया है जहाँ पोतों के हैच कवर के लिए हैच में सेक्शन 5, सेक्शन 6-कंटेनर की री-स्टोईंग, सेक्शन 7 – शट-आऊट कंटेनर, सेक्शन 8 – रीफर मॉनिटरिंग सेवाएं और सेक्शन 9 के तहत – पड़ाव समय प्रभार को यूएस डॉलर में दर्शाया जाए।</p> <table><tr><th>दरमानों में खंड संख्या</th><th>प्रशुल्क विवरण</th></tr><tr><td>1.4</td><td>क्वे पर हैच कवर के साथ लैंडिंग- विदेशगामी</td></tr><tr><td>1.5</td><td>पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोईंग) भरे हुए या खाली कंटेनर की लैंडिंग और रीशिपिंग हेतु स्थानांतरण</td></tr><tr><td>1.7</td><td>विजली की आपूर्ति के लिए शुल्क (कनेक्शन करने और कनेक्शन हटाने, रेफर यार्ड पर निगरानी) 4 घंटे या उसके बाद का भाग।</td></tr><tr><td>1.8</td><td>शट-आऊट कंटेनरों के लिए शुल्क</td></tr><tr><td>1.10</td><td>भंडारण प्रभार</td></tr></table> <p>प्रस्तावित एसओआर का अवलोकन करने पर, यह पाया गया है कि वीसीटीपीएल ने 1 यूएस \$ = ₹.66.42 (उदाहरण के लिए वीसीटीपीएल द्वारा लागू स्थानांतरण प्रभार= मौजूदा दर ₹.3,325 * 1.0256 सूचकांकन/प्रस्तावित यूएस \$ 51.34) की सीमा में विनिमय की दर पर विचार किया है। जबकि वर्तमान विदेशी विनिमय दर लगभग 1 अमेरिकी \$ = ₹.74.67 है। वीसीटीपीएल प्रचलित विनिमय दर अमेरिकी \$ में प्रस्तावित दर को अद्यतित करे और प्रस्तावित ड्राफ्ट के रूप में प्रस्तावित डॉलर डिनोमिनेटेड दर के समर्थन में परिकलन प्रस्तुत करे जिसे प्रस्तावित मसौदा एसओआर में माना गया है। वीसीटीपीएल यह भी पुष्टि करे कि राजस्व प्राक्कलन को भी तदनुसार आशोधित किया गया है और समग्र राजस्व प्राक्कलन अधिकतम सूचकांकित एआरआर सीमा के भीतर है।</p>	दरमानों में खंड संख्या	प्रशुल्क विवरण	1.4	क्वे पर हैच कवर के साथ लैंडिंग- विदेशगामी	1.5	पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोईंग) भरे हुए या खाली कंटेनर की लैंडिंग और रीशिपिंग हेतु स्थानांतरण	1.7	विजली की आपूर्ति के लिए शुल्क (कनेक्शन करने और कनेक्शन हटाने, रेफर यार्ड पर निगरानी) 4 घंटे या उसके बाद का भाग।	1.8	शट-आऊट कंटेनरों के लिए शुल्क	1.10	भंडारण प्रभार	<p>सामान्य नहीं है। विदेशी मुद्रा खर्चों के बहिर्वाह को बचाने के लिए, वीसीटी ने अपने प्रशुल्क मद का एक छोटा सा हिस्से को यूएसडी में बदलने का प्रस्ताव रखा है परंतु किसी भी अतिरिक्त फॉरेक्स कमाने के इरादे से नहीं। इसलिए, स्तर के कार्य के लिए, इसने अमेरिकी कार्य की तुलना भारतीय रुपये की अधिक स्थिर अवधि की प्रवृत्ति के लिए तुलना की है, अर्थात् वित्त वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए तुलनीय व्यय पर विचार किया और इसलिए रूपांतरण दर के रूप में ₹.66.42 लिया। वैसे भी, यदि कोई अधिशेष उत्पन्न होता है, तो प्राधिकरण हमेशा इसे अगले प्रशुल्क चक्र में समायोजित कर सकता है। इसलिए, हमने अपने मौजूदा प्रस्ताव में कोई बदलाव नहीं किया है और विनम्रतापूर्वक, अधिकारियों से विचार करने का अनुरोध करते हैं।</p>
दरमानों में खंड संख्या	प्रशुल्क विवरण													
1.4	क्वे पर हैच कवर के साथ लैंडिंग- विदेशगामी													
1.5	पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोईंग) भरे हुए या खाली कंटेनर की लैंडिंग और रीशिपिंग हेतु स्थानांतरण													
1.7	विजली की आपूर्ति के लिए शुल्क (कनेक्शन करने और कनेक्शन हटाने, रेफर यार्ड पर निगरानी) 4 घंटे या उसके बाद का भाग।													
1.8	शट-आऊट कंटेनरों के लिए शुल्क													
1.10	भंडारण प्रभार													
4.	दरमान :													
(i).	<p>सामान्य नियम और शर्तें: प्राधिकरण ने समय-समय पर वीसीटीपीएल सहित सभी प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों और वहां पर कार्यरत वीओटी संचालकों के लिए सामान्य रूप से अनुकरणीय आदेश पारित किए हैं और वीसीटीपीएल सहित सभी प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों और वीओटी ऑपरेटर्स का संचालन कर रहे हैं, जो एसओआर में उपयुक्त नोटों को शामिल करने का अनुरोध किया गया था। हालाँकि, वीसीटीपीएल ने प्रस्तावित एसओआर में सामान्य अनुकरणीय आदेश के अनुरूप उपयुक्त नोटों को शामिल नहीं किया है: अधिसूचना संख्या 38 /2018- सीमा शुल्क (एनटी) दिनांक 11 मई 2018 को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा जारी की गयी अधिसूचना के संदर्भ के अनुसार श्रीलंका या बांग्लादेश के क्षेत्रीय जल के माध्यम से एक अन्य भारतीय पत्तन को जाने वाले पोतों और कार्गो के लिए रियायती तटीय शुल्क के लिए निर्धारित प्रावधान से संबंधित संशोधन आदेश संख्या टीएएमपी/53/2015-वीओसीपीटी दिनांक 25 सितंबर 2018 को सामान्य अनुकरणीय आदेश संख्या क्रम संख्या टीएएमपी/53/2015/- वीओसीपीटी दिनांक 26 नवंबर 2015। वीसीटीपीएल से अनुरोध है कि इन सामान्य आदेशों में निर्धारित एसओआर में प्रावधानों को शामिल किया जाए।</p>	<p>नोट किया और शामिल कर लिया जाएगा।</p>												
(ii).	<p>विलंबित भुगतानों पर व्याज दर से संबंधित प्रस्तावित एसओआर के खंड 1.2 के तहत सामान्य नोट नं.(V) (वी) प्रस्तावित 16.75% के विरुद्ध 15% पर संशोधित किया जा सकता है, जो कि प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 5.4.1 के अनुरूप है।</p>	<p>नोट किया और शामिल कर लिया जाएगा।</p>												
(iii).	<p>वीसीटीपीएल ने प्रस्तावित एसओआर में ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों की मौजूदा निशुल्क अवधि को 30 दिन से घटाकर 15 दिन करने का प्रस्ताव दिया है। हालाँकि, संशोधित कम किए गए स्लैब फॉर्म 4 में दिए गए राजस्व प्राक्कलन में परिलक्षित नहीं होते हैं। इसे फॉर्म 4 में सही किया जा सकता है। वीसीटीपीएल यह पुष्टि करे कि ट्रांसशिपमेंट कंटेनर के लिए निशुल्क अवधि कम होने के कारण अतिरिक्त राजस्व की संभावित राजस्व प्राक्कलन में उल्लेखित किया गया है।</p>	<p>वर्तमान ट्रांसशिपमेंट भंडारण से कोई राजस्व नहीं है। यदि निशुल्क अवधि कम हो जाती है तो भी इससे कोई राजस्व प्राप्त नहीं होगा और इसलिए किसी भी राजस्व का प्राक्कलन नहीं किया जा सकता है।</p>												
(iv).	<p>यह देखा गया है कि हालांकि वीसीटीपीएल ने प्रशुल्क का प्रस्ताव किया है, लेकिन उसने नीचे सूचीबद्ध किए गए कुछ प्रशुल्क मदों के लिए फॉर्म 4 में राजस्व</p>													

	का प्राक्कलन नहीं किया गया है:	
	(i). ट्रांसशिपमेंट कंटेनर का प्रहस्तन (तटीय)	(i). इस श्रेणी से कोई राजस्व अर्जित नहीं होता है। वीसीटीपीएल द्वारा कोई तटीय ट्रांसशिपमेंट का प्रहस्तन नहीं है। ग्राहकों को अनुगृहीत करने के लिए, प्रशुल्क मद को भावी आवश्यकता यदि कोई हो, के मद्देनजर जारी रखा गया है।
	(ii). उठाना और रखना (खाली)	(ii). इस श्रेणी से कोई राजस्व अर्जित नहीं होता है। यह एक वैकल्पिक सेवा है। आम तौर पर सर्वेक्षण के किसी भी पारंपरिक जांच के उद्देश्य से उठाने और रखने से होने वाली आय, सामान्यता लदे हुए कंटेनरों से अर्जित होती है। खाली कंटेनरों को उठाने और रखने से कोई आय अर्जित नहीं होती है। तथापि, कार्य-व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए इस प्रशुल्क मद को जारी रखा जा रहा है।
	(iii). एक ऑपरेशन के लिए हैच कवर प्रहस्तन (हैच कवर के बिना के पर लैंडिंग)	(iii), (iv) और (v) इस श्रेणी से कोई राजस्व अर्जित नहीं होता है। हालांकि, कार्य-व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए इस प्रशुल्क मद को जारी रखा जा रहा है।
	(iv). पोत के भीतर कंटेनर-स्थानांतरण [पुनः-स्थान-परिवर्तन] (तटीय)	
	(v). आंतरिक परिवहन	
	(vi). रीफर संबंधित और अन्य सामान्य सेवा (विजली के शुल्क को छोड़कर, यात्रा-पूर्व निरीक्षण)	(vi). इस श्रेणी से कोई राजस्व अर्जित नहीं होता है। हालांकि, तथापि, कार्य-व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए इस प्रशुल्क मद को जारी रखा जा रहा है। आम तौर पर रन टेस्ट किया जाता है और रन टेस्ट श्रेणी में सभी राजस्व पर कब्जा कर लिया जाता है।
	(vii). अतिरिक्त प्रभार: (क) कंटेनर सफाई शुल्क - उच्च दबाव पानी से सफाई (ख) दस्तावेज रद्द करना - प्रति ईआईआर (ग) एक दरवाजा खुला शुल्क (प्रति कंटेनर) (घ) खतरनाक स्टीकर को लगाना / हटाना (ङ) रीफर कंटेनर का प्लगिंग / अनप्लगिंग (च) दस्तावेजों का बीमा (छ) वीआईए रद्दीकरण (ज) निर्धारित समय के बाद दस्तावेज जमा करने में देरी। (झ) ओओजी कंटेनर की घोषणा न होना / गलत घोषणा (ञ) पोत को प्रवेश प्रदान करने पर शुल्क, प्रति कैलेंडर दिवस	(vii). इन श्रेणियों से कोई राजस्व अर्जित नहीं होता है। हालांकि, कार्य-व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए इस प्रशुल्क मद को जारी रखा जा रहा है।
	(viii). भंडारण शुल्क (खतरनाक कंटेनर)	(viii). खतरनाक कंटेनरों के लिए कोई अतिरिक्त भंडारण करने का उल्लेख नहीं किया गया है। वर्तमान में खतरनाक श्रेणियों से भंडारण राजस्व या तो आयात या निर्यात कंटेनरों के सामान्य भंडारण में उल्लेखित किया गया है। सुरक्षा कारणों से, अधिकांश खतरनाक कंटेनर निशुल्क अवधि में बाहर चले जाते हैं और नगण्य भंडारण आय सामान्य भंडारण आय के अंतर्गत शामिल कर ली गई है।
	(ix). मीठे पानी की आपूर्ति के लिए शुल्क	(ix). इन श्रेणियों से कोई राजस्व अर्जित नहीं होता है। हालांकि, कार्य-व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए इस प्रशुल्क मद को जारी रखा जा रहा है।
	(x). अन्य सेवाएं: (क) वाहन प्रवेश पर्ची (ख) फोटोग्राफी (ग) पोतों द्वारा टर्मिनल सुविधा के उपयोग के लिए शुल्क। वीसीटीपीएल यह पुष्टि करे कि इनमें से प्रत्येक प्रशुल्क मद के संबंध में पिछले तीन वर्षों के दौरान कोई प्रहस्तन कार्य नहीं किया गया है। वीसीटीपीएल प्राक्कलन के आधार पर इन मदों से उत्पन्न संभावित राजस्व को शामिल करने पर विचार करें।	(x). इसका प्राक्कलन नहीं किया जा सकता है और राजस्व का उल्लेख किया जा सकता है और इसका प्रशुल्क पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। कार्य-व्यापार की सुविधा के लिए इस प्रशुल्क मद को जारी रखा जा रहा है। वैसे भी, यदि कोई अधिशेष उत्पन्न होता है, तो प्राधिकरण इसे अगले प्रशुल्क चक्र में सदा समायोजित कर सकता है। इसलिए, हमने अपने मौजूदा प्रस्ताव में कोई बदलाव नहीं किया है और अधिकारियों से अनुरोध करते हैं कि कृपया हमारे प्रस्तावित राजस्व प्राक्कलन पर विचार करें।
5.	पिछली अवधि का अधिशेष :	
(i).	प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 3.1.2, में उल्लेखित है कि ऐसे ऑपरेटरों के मामले में जिन्होंने न्यायालयों से संपर्क नहीं किया है, इस दिशानिर्देश के तहत प्रशुल्क निर्धारण की अवधि तक का अधिशेष / घाटे के पहले प्रशुल्क का दिशानिर्देश 2005 के खंड 2.13 के अनुसार निपटान किया जाएगा। नीचे पुनः उद्धृत है: "प्रचलित प्रशुल्क वैधता अवधि निर्धारित करते समय विश्वस्तनीय तथ्यों के संदर्भ में निर्धारित प्रशुल्क वैधता अवधि के अंत में वास्तविक और वित्तीय निष्पादन की समीक्षा की जाएगी। यदि उल्लेखों की तुलना में 20% से + या - (अधिक / कम)	जीएल 2005 के अनुसार वास्तविक निष्पादन और पिछले प्रशुल्क आदेश में किए गए आकलनों की तुलना प्रशुल्क फाइलिंग फॉर्म में अलग पत्रक के रूप में प्रस्तुत की गई है। जैसा कि देखा जा सकता है क्योंकि भौतिक मानक +/- 20% से अधिक ऊपर-नीचे नहीं होते हैं, टीजी, 2005 की धारा 2.13 की व्याख्या पर एजी की राय के अनुसार पिछले प्रशुल्क आदेश के अनुसार समायोजन के लिए आवश्यक कोई अधिशेष नहीं है।

	<p>निष्पादन भिन्नता देखी जाती है तो आकलित प्रशुल्क का उस परिप्रेक्ष्य में समायोजन कर लिया जाएगा। जबकि प्रशुल्क में संशोधन करते समय पहले से अर्जित लाभ/हानि का 50% सेट-ऑफ कर दिया जाएगा।"</p> <p>इसलिए, वीसीटीपीएल को वास्तविक भौतिक और वित्तीय निष्पादन को प्रस्तुत, जो पिछले प्रशुल्क चक्र में विश्वस्त आकलनों के आधार पर है, जैसा कि पूर्ववर्ती प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2005 के तहत पहले प्रशुल्क संशोधन कार्यवाहियों में किया गया था और यदि +/- 20% वास्तविक और वित्तीय दोनों मापदंडों में भिन्नता हो आकलित एआरआर आवश्यक समायोजन करने का अनुरोध किया गया है।</p>	
(iii).	<p>पिछले प्रशुल्क संशोधन आदेश सं.टीएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल 14 नवंबर 2017 के पैरा 16 (xxii) के तहत, प्राधिकरण ने आदेशों में बताए गए कारणों के लिए, तकनीकी सेवा शुल्क (टीएसएफ) को परिचालन लागत के रूप में अनुमत किया था। इस शर्त पर कि वीसीटीपीएल अगले प्रशुल्क रिब्यू के समय आईटी असेसमेंट आदेश की प्रतियां प्रस्तुत करेगा, यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि वीसीटीपीएल द्वारा उपर्युक्त अनुबंध अपने प्रवर्तकों में से एक संगठन के साथ किया गया है। यदि 'निकटवर्ती' मानदंड स्थापित हो जाते हैं जैसा कि आयकर अधिनियम, 1961 के तहत परिभाषित किया गया है तो मार्च 2005 के प्रशुल्क दिशा-निर्देशों के खंड 2.8.1 के अनुसार, निजी टर्मिनलों द्वारा अपने प्रमोटरों या अपनी सहयोगी संस्था को देय टीएसएफ, प्रशुल्क निर्धारण उद्देश्यों के लिए लागत के मद के रूप में अनुमत किया जा सकता है। 21 मार्च 2015 के आदेश के पैरा (xxii) के तहत अगले प्रशुल्क संशोधन के समय वीसीटीपीएल द्वारा प्रासंगिक आयकर मूल्यांकन प्रस्तुत करना आवश्यक है।</p> <p>इसलिए, वीसीटीपीएल को प्रासंगिक आयकर आदेश प्रस्तुत करना चाहिए, जिसमें टीएसएफ को आयकर उद्देश्य के लिए लागत मद के रूप में अनुमत किया गया है और टीएसएफ के दूसरे और तीसरे अनुबंध से उत्पन्न वास्तविक भुगतान की पुष्टि में दस्तावेजी साध्य प्रस्तुत करना चाहिए है। 2014-15 से 2016-17 तक या अन्यथा संबंधित कार्यवाही में व्यय के रूप में अनुमत संदर्भ में टीएसएफ व्यय को समायोजित अर्थात् वर्तमान प्रशुल्क संशोधन में शून्य कर दिया जाना चाहिए।</p>	<p>वीसीटीपीएल द्वारा भुगतान किया गया टीएसएफ आयकर अधिनियम '1961 की धारा 92 ई के अनुरूप है। वीसीटीपीएल, स्थानांतरण मूल्य निर्धारण प्रावधान का अनुपालन करता रहा है और संबंधित लेखा परीक्षकों के प्रमाण पत्र को फॉर्म 3 सीईबी में प्रस्तुत कर रहा है।</p> <p>इसके अलावा, वित्त वर्ष 2014-15 से 2016-17 के लिए आयकर निर्धारण आदेश अनुलग्नक -4 के रूप में संलग्न है, जिसमें यह देखा जा सकता है कि टीएसएफ व्यय की कोई अस्वीकृति नहीं है और मूल्यांकन के अनुसार अन-अनुमत नहीं किया गया है। [वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए कोई औपचारिक मूल्यांकन आदेश प्राप्त नहीं हुआ और सीधे हमें सीधे भुगतान वापसी राशि मिली (संदर्भ के लिए धन वापसी का चैक और आईटीआर संलग्न) है।</p> <p>अनुबंध के आधार पर वित्त वर्ष 2014-15 से 2016-17 के लिए किए गए वास्तविक भुगतान का विवरण अनुबंध 5 के रूप में संलग्न है।</p>

9. हमारे 15 जुलाई 2020 के पत्र के माध्यम से लाइसेंसर पोर्ट, वीपीटी को कुछ बिंदुओं पर अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध भी किया गया था। जवाब में, वीपीटी ने 20 जुलाई 2020 के अपने पत्र के माध्यम से अपना जवाब प्रस्तुत किया है। हमारे द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी का सारांश और वीपीटी द्वारा प्रस्तुत संबंधित उत्तरों को नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

क्रम सं.	प्राधिकरण द्वारा मांगी गई जानकारी	वीपीटी के उत्तर
(i).	<p>वीपीटी ने वीसीटीपीएल के अपने ई-मेल दिनांक 03 जून 2020 के प्रस्ताव पर अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की है। टिप्पणियों को प्रस्तुत करते हुए, वीपीटी द्वारा प्रस्तुत किए गए बिंदुओं में से एक यह था कि वीसीटीपीएल ने किसी भी लेखा परीक्षित गए वार्षिक खातों को अंग्रेषित नहीं किया और इसलिए पोर्ट पूरे प्रस्ताव पर टिप्पणी नहीं कर सका। इस संबंध में, टीएमपी ने पहले ही दिनांक 11 जून 2020 को वीसीटीपीएल के वर्ष 2016-17 से 2018-19 के वीपीटीपीएल के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों की सॉफ्ट प्रति को वीपीटी को अपनी आगे की टिप्पणियों, यदि कोई हो, 22 जून 2020 तक प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। हमें वीपीटी से और कोई टिप्पणी नहीं मिली है। वीपीटी से अनुरोध है कि वह वीसीटीपीएल के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के आधार पर आगे की टिप्पणियों, यदि कोई हो, तुरंत प्रस्तुत करे।</p>	<p>[वीपीटी ने पोर्ट के लिए भेजे गए वीसीटीपीएल के लेखा परीक्षित खातों के आधार पर कोई अतिरिक्त टिप्पणी नहीं दी है।]</p>
(ii).	<p>वीसीटीपीएल के लेखा परीक्षित खातों में वर्ष 2016-17 से 2018-19 के उल्लेखित किए गए संचालन खर्च (मूल्यहास सहित) के साथ-साथ वित्त और विविध खर्च क्रमशः 12,710.84 लाख, ₹.15,132.28 लाख और ₹.20,527.38 लाख हैं। जबकि इसके विपरीत, वीसीटीपीएल ने फार्म 1 में क्रमांक 1 पर कुल व्यय के अनुसार कुल ₹.11,159.43 लाख, ₹.11,899 लाख और इसी वर्ष के लिए ₹.16,856.37 लाख रु के खर्चों पर विचार किया है। वर्ष 2016-17 से 2018-19 के प्रत्येक वर्ष के लिए कुल खर्चों के प्रतिपूर्ति फॉर्म 6 ख, का अवलोकन करने पर जो कि कुल व्ययों और कुल खर्चों की लागत विवरणी में विचारित लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में दर्शाए गए कुल खर्चों की मिलान विवरणी है, पाया गया है कि वीसीटीपीएल ने एआरआर की गणना करते समय</p>	<p>परिशिष्ट -12 के साथ पठित लाइसेंस करार के पृष्ठ 18 पर उल्लेखित सीएफएस संचालन, लाइसेंस करार के अंतर्गत आते हैं। तदनुसार, वीओटी ऑपरेटर के अनुरोध पर, वीपीटी ने वीसीटीपीएल को वीपीटी के पत्र वीपीटी के पत्र क्रमांक एस्टेड/ वीसीटीपीएल/वीओटी / एसए /1449 ए दिनांक 12-12-2014 के तहत भूमि आवंटित की गई थी और कंटेनर फ्रेट स्टेशन की स्थापना के लिए 13-05-2015 को कब्जे में ले ली गई थी। सीएफएस के लिए भूमि का आवंटन लाइसेंस करार के अनुरूप लगता है। ऊपर उल्लेखित संदर्भ में, टीएमपी वीएसटीपीएल द्वारा सीएफएस में दी गई सेवाओं के लिए सीएफएस पर खर्च और प्रशुल्क की स्वीकार्यता तय कर सकता है। भूमि आवंटन आदेश और लाइसेंस करार के पृष्ठ 18 और परिशिष्ट 12 की प्रतियां संलग्न हैं।</p>

	<p>खर्चों में शामिल नहीं किया है कुल खर्चों से सीएफएस से संबंधित खर्चों को बाहर रखा है। यह प्राधिकरण के आदेश सं.टीएएमपी /28/2017-वीसीटीपीएल द्वारा दिनांक 14 नवंबर 2017 को अनुमोदित पिछले प्रशुल्क संशोधन में वीसीटीपीएल द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस संबंध में उक्त आदेश के पैरा 16 (iii) के संदर्भ में उल्लेख किया जाता है कि जहां प्राधिकरण ने यह माना है कि मौजूदा टर्मिनल पर वीसीटीपीएल द्वारा किए गए सीएफएस संचालन दिनांक 11 सितंबर 2002 को वीसीटीपीएल द्वारा वीपीटी के साथ किए किये गये लाइसेंस करार से प्रवाहित नहीं है, जो वीपीटी की बाहरीगोदी पर स्ववतंत्र कंटेनर टर्मिनल के पूर्णरूपेण विकास, संचालन और रखरखाव के लिए है। नियंत्रक पत्तलन न्यारस के लिए इस सवाल पर खुद को संतुष्ट करना है कि क्या वीसीटीपीएल द्वारा प्रदान की गई सीएफएस सेवाएं लाइसेंस करार द्वारा शामिल की गई हैं। यह बिंदु दोहराया गया है।</p>													
(iii).	<p>वीसीटीपीएल द्वारा फॉर्म -4 में प्रस्तुत प्रशुल्क के प्रस्तावित स्तर पर राजस्व के प्राक्कलन पर टिप्पणियां भेजे।</p>	<p>एसओआर में कंटेनर के लिए 40 फीट से अधिक और 45 फीट तक की लंबाई में आयात वाले लदे हुए कंटेनर के लिए दर, आयात वाले खाली, निर्यात वाले खाली, 4 से 15 दिन और शटआउट कंटेनरों – लदे हुए और खाली 01 से 15 दिनों के लिए रु.392/- प्रति कंटेनर प्रति दिन या उसका भाग, मौजूदा प्रशुल्क के तहत फॉर्म 4 में रु. 393/- विचारित थी।</p>												
(iv).	<p>वीसीटीपीएल ने विदेशी मुद्रा में व्ययित 8 प्रतिशत व्यय को विदेशगामी कंटेनर के लिए रुपये की मुद्रा में निर्धारित निम्नलिखित मौजूदा प्रशुल्क मद को अमेरिकी डॉलर में परिवर्तित करने का प्रस्ताव किया है ताकि विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव और राष्ट्र के मूल्यवान विदेशी मुद्रा भंडार में वचत को नियंत्रित किया जा सके और एनएसआईसीटीपीएल के दिनांक 03 मार्च 2020 के एसओआर का हवाला दिया है, जहां पोतों के हैचकवर के लिए धारा 5, धारा 6 - कंटेनरों के री-स्टोईंग, धारा 7 -शट आउट कंटेनर, धारा 8 - रीफर मॉनिटरिंग सेवाएं और धारा 9 - पड़ाव समय शुल्क अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में मूल्यवर्गित किया गया है।</p> <table><tr><th>दरमानों में खंड संख्या</th><th>प्रशुल्क विवरण</th></tr><tr><td>1.4</td><td>क्वे पर हैच कवर के साथ लैडिंग- विदेशगामी</td></tr><tr><td>1.5</td><td>पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोईंग) भरे हुए या खाली कंटेनर की लैडिंग और रीशिपिंग हेतु स्थानांतरण</td></tr><tr><td>1.7</td><td>बिजली की आपूर्ति के लिए शुल्क (कनेक्टिंग और डिस्कनेक्टिंग सहित, रेफर यार्ड पर निगरानी) 4 घंटे या उसके बाद का भाग।</td></tr><tr><td>1.8</td><td>शट-आउट कंटेनरों के लिए शुल्क</td></tr><tr><td>1.10</td><td>भंडारण प्रभार</td></tr></table> <p>वीपीटी का अनुरोध है कि विदेशी कंटेनरों के लिए प्रशुल्क, की मुद्रा के रुपये से यूएस \$ में प्रस्तावित परिवर्तन पर, यदि कोई विशिष्ट टिप्पणी हो, तो प्रस्तुत करें।</p>	दरमानों में खंड संख्या	प्रशुल्क विवरण	1.4	क्वे पर हैच कवर के साथ लैडिंग- विदेशगामी	1.5	पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोईंग) भरे हुए या खाली कंटेनर की लैडिंग और रीशिपिंग हेतु स्थानांतरण	1.7	बिजली की आपूर्ति के लिए शुल्क (कनेक्टिंग और डिस्कनेक्टिंग सहित, रेफर यार्ड पर निगरानी) 4 घंटे या उसके बाद का भाग।	1.8	शट-आउट कंटेनरों के लिए शुल्क	1.10	भंडारण प्रभार	<p>वीसीटीपीएल द्वारा विदेशी कंटेनरों के लिए प्रशुल्क के रुपये से यूएस में प्रस्तावित बदलाव पर, टीएएमपी, पूर्ववर्ती वर्षों के यूएस \$ राजस्व और खर्चों के आधार पर निर्णय ले सकता है।</p>
दरमानों में खंड संख्या	प्रशुल्क विवरण													
1.4	क्वे पर हैच कवर के साथ लैडिंग- विदेशगामी													
1.5	पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोईंग) भरे हुए या खाली कंटेनर की लैडिंग और रीशिपिंग हेतु स्थानांतरण													
1.7	बिजली की आपूर्ति के लिए शुल्क (कनेक्टिंग और डिस्कनेक्टिंग सहित, रेफर यार्ड पर निगरानी) 4 घंटे या उसके बाद का भाग।													
1.8	शट-आउट कंटेनरों के लिए शुल्क													
1.10	भंडारण प्रभार													
(v).	<p>प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 1.9 के अनुसार, बीओटी ऑपरेटर संबंधित महापत्तन न्यासों (मेजर पोर्ट ट्रस्ट्स) के साथ किए गए मौजूदा रियायत करार में निहित प्रावधानों का अनुपालन करना जारी रखेगा। इसके साथ ही, बीओटी ऑपरेटर संबंधित महापत्तन न्यास (मेजर पोर्ट ट्रस्ट) के साथ एक अलग करार के माध्यम से इस दिशानिर्देश का अनुपालन करने के लिए सहमत होगा। वीपीटी ने 03 जून 2020 की अपनी टिप्पणियों में कहा था कि वीसीटीपीएल ने प्रशुल्क दिशा-निर्देशों 2019 के तहत आज तक अलग-अलग करार नहीं किया है। प्रतिक्रिया में वीसीटीपीएल ने दिनांक 06 जुलाई 2020 के ई-मेल के तहत कहा है कि वीसीटीपीएल ने पहले ही करार का मसौदा को प्रस्तुत कर दिया है वीपीटी अधिकारियों ने इसके पत्र क्रमांक वीसीटी / वीपीटी/डीवाईसीओओ 378/2020 दिनांक 17 जून 2020 को प्रस्तुत कर दिया। इसलिए, वीपीटी, एसओएस के पत्र सं.14019/20/2009-पीजी (भाग-4) दिनांक 08 मार्च 2019 द्वारा वीपीटी सहित सभी प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों को अग्रेषित निर्धारित प्रारूप के अनुसार करार की अलग-अलग एक प्रति प्रस्तुत करे, जो वीसीटीपीएल और वीपीटी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित होना चाहिए।</p>	<p>वीसीटीपीएल ने करार के ड्राफ्ट की प्रति पहले ही वीसीटीपीएल को भेज दी है और मुद्रा निर्णयाधीन है।</p>												

10. इस मामले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 7 जुलाई 2020 को एक संयुक्त सुनवाई आयोजित की गई थी। वीसीटीपीएल ने अपने प्रस्ताव के संबंध में पावर पॉइंट प्रस्तुति दी। संयुक्त सुनवाई में, वीसीटीपीएल और संबंधित उपयोगकर्ताओं/संगठन निकायों ने अपना अपना पक्ष रखा।

11. इस मामले में परामर्श से संबंधित कार्यवाही इस प्राधिकरण के कार्यालय में रिकॉर्ड पर उपलब्ध हैं। संबंधित पक्षों द्वारा प्राप्त टिप्पणियों और तर्कों का एक अंश संबंधित पक्षों को अलग से भेजा जाएगा। ये विवरण हमारी वेबसाइट <http://tariffauthority.gov.in> पर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

12. इस मामले के प्रसंस्करण के दौरान एकत्र की गई जानकारी की समग्रता के संदर्भ में, निम्न स्थिति उभरती है:

- (i) 2005 के प्रशुल्क दिशानिर्देश का पालन करते हुए, विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीटीपीएल) के दरमान (एसओआर) पिछली बार इस प्राधिकरण द्वारा आदेश सं.टीएएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 14 नवंबर 2017 को अनुमोदित किये गये थे, जिसमें लागत और मूल्य निर्धारण मॉडल शामिल थे और संशोधित एसओआर भारत के राजपत्र में राजपत्र संख्या 480 पर 21 दिसंबर 2017 को अधिसूचित किये गये थे। इसके बाद, इस प्राधिकरण ने वीसीटीपीएल द्वारा दायर समीक्षा आवेदन का निस्तारण करते हुए एक आदेश सं.टीएएमपी/7/2018-वीसीटीपीएल दिनांक 31 जुलाई 2018 को जारी किया, जिसे राजपत्र नं. 331 पर दिनांक 29 अगस्त 2018 को अधिसूचित किया गया था। दोनों आदेशों के तहत दरमानों की वैधता 31 मार्च 2020 तक निर्धारित की गई थी।
- (ii) पोत परिवहन मंत्रालय (एमओएस) ने पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 की धारा 111 के तहत एक नीति निर्देश के रूप में वीओटी ऑपरेटरों के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 जारी किया है, जो पहले 2005 प्रशुल्क दिशानिर्देश द्वारा अभिशासित थे। एमओएस द्वारा, प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 जारी होने के परिणामस्वरूप, वीसीटीपीएल के संबंध में प्रशुल्क निर्धारण कार्रवाई को प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 में निहित शर्तों और प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 को संचालित करने के लिए जारी किए गए कार्यात्मक दिशानिर्देश द्वारा अभिशासित किया जाना है। वीसीटीपीएल ने अपना संपूर्ण प्रस्ताव दिनांक 01 अप्रैल 2020 को अपने एसओआर के सामान्य संशोधन के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 और कार्यात्मक दिशानिर्देश 2019 के तहत दायर किया है। वीसीटीपीएल ने हमारे द्वारा आशोधित परिकलनों सहित मांगी गई अपेक्षित जानकारी/स्पष्टीकरण 27 जुलाई 2020, 07 अगस्त 2020, 17 अगस्त 2020 और 20 अगस्त 2020 के ई-मेल के अंतर्गत दे दी है। पत्तन और उपयोगकर्ताओं द्वारा मामले के प्रसंस्करण के दौरान किए गए उल्लेखों के अनुसार ही इस विश्लेषण में विचार किया गया है। वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत लागत विवरण और राजस्व प्राकलन चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित हैं।
- (iii). (क). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.1 में प्रत्येक वीओटी ऑपरेटर को एआरआर का प्राकलन करने की आवश्यकता होती है, जो कि प्रस्ताव प्रस्तुत करने के समय पूर्ववर्ती तीन वर्षों (वार्ड 1), (वार्ड 2) और (वार्ड 3) के पिछले लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के अनुसार वास्तविक व्यय के योग का औसत होता है जो प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.2, 2.3.1 और 2.3.2 और इस प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 और कार्यात्मक दिशानिर्देशों के अनुसार कुछ बहिष्करणों के अध्याधीन और नियोजित पूंजी पर 16% प्रत्यागम सहित, वर्ष 3 के 31 मार्च को चार्टर्ड एकाउंटेंट / लागत लेखाकार द्वारा विधिवत प्रमाणित होने चाहिए।
- (ख). वीसीटीपीएल ने कहा है कि वर्ष 2019-20 के खातों का लेखा परीक्षण नहीं किया गया है तो, वीसीटीपीएल ने एआरआर अभिकलन के लिए 2016-17 से 2018-19 के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों पर विचार किया। वीसीटीपीएल का तीन साल अर्थात् 2016-17 (व 1), 2017-18 (व 2) और 2018-19 (व 3) के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के आधार पर एआरआर का प्राकलन एक कार्यरत चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है। एआरआर का प्राकलन करते समय, वीसीटीपीएल ने वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए औसत वार्षिक खर्चों के अभिकलन के लिए एआरआर अभिकलन में स्वीकार्य नहीं होने वाले खर्चों को बहिष्कृत किया है, जैसा कि प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.2, 2.3.1 और 2.3.2 में निर्धारित है। वीसीटीपीएल द्वारा आकलित एआरआर सही पाया गया है और इसलिए मामले के प्रसंस्करण के दौरान प्रस्तुत स्पष्टीकरण के आधार पर निम्नलिखित पैराग्राफ में वर्णित कारणों से कुछ संशोधनों को छोड़कर, स्वीकार्य है।
- (i). वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए वीसीटीपीएल के लेखा परीक्षित खातों में रिपोर्ट किए गए ऑपरेटिंग खर्च (मूल्यहास सहित) के साथ-साथ वित्त और विविध व्यय क्रमशः 12,710.84 लाख, ₹.15,132.28 लाख और ₹.20,527.38 लाख है जैसा कि इसकी तुलना में, फॉर्म-1 में क्रमांक-1 में वीसीटीपीएल ने कुल लेखा परीक्षित खातों के अनुसार क्रमशः ₹.11,159.43 लाख, ₹.11,899.16 लाख और इसी वर्ष के लिए ₹.16,856.37 लाख के कुल खर्चों पर विचार किया है। फॉर्म 6ख जो कि वर्ष 2016-17 से 2018-19 के प्रत्येक वर्ष के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में दर्शाए गए लागत विवरणों और कुल खर्चों पर विचार किए गए कुल खर्चों की एक मिलान विवरणी है, यह देखा गया है कि वीसीटीपीएल ने एआरआर की गणना करते समय सीएफएस को कुल खर्चों से संबंधित खर्चों से बाहर

रखा है। यह वीसीटीपीएल द्वारा पिछले प्रशुल्क रिवीजन में अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसे प्राधिकरण के आदेश संख्या टीएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 14 नवंबर 2017 के तहत अनुमोदित किया गया था। प्रशुल्क संशोधन की पिछली परामर्शी प्रक्रिया के दौरान जब वीपीटी से भी परामर्श किया गया था, तब वीपीटी ने वीसीटीपीएल को आवंटित भूमि के संबंध में कोई आपत्ति नहीं की थी और वीसीटीपीएल लाइसेंस करार के अनुसार सीएफएस सेवाएं प्रदान करने का हकदार था। इस संबंध में, उक्त आदेश के पैरा 16 (iii) का संदर्भ दिया गया है, जहां इस प्राधिकरण का मानना है कि मौजूदा टर्मिनल पर वीसीटीपीएल द्वारा किए गए सीएफएस परिचालन वीपीटी द्वारा वीसीटीपीएल के साथ किए गए 11 सितंबर 2002 के लाइसेंस अनुबंध से प्रवाहित नहीं हैं जो वीपीटी के बाहरी पत्तन पर एक स्वतंत्र कंटेनर टर्मिनल के पूर्ण विकास विकास, संचालन और रखरखाव के लिए है। इस प्रश्न पर नियंत्रक पत्तन न्यास खुद को संतुष्ट करना होगा कि क्या वीसीटीपीएल द्वारा प्रदान की गई सीएफएस सेवाएं लाइसेंस करार के तहत कवर की जाती हैं। ऐसा होने के नाते, यह प्राधिकरण वीसीटीपीएल के टर्मिनल के वर्तमान प्रशुल्क संशोधन संबंधी कार्रवाई में वीसीटीपीएल के प्रस्ताव पर आगे कार्रवाई करता है, जिसने सीएफएस के व्ययों, राजस्व और सकल स्थायी संपत्ति संबंधी खर्च को बाहर रखा है और क्योंकि यह इस प्राधिकरण के पिछले प्रशुल्क आदेश में लिए निर्णय के अनुरूप है।

इस मामले के प्रसंस्करण के दौरान, इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित वीसीटीपीएल सीएफएस गतिविधियों और पिछले संशोधन आदेश के पैरा 16 (iii) को छोड़कर, वीसीटीपीएल के प्रस्ताव को फिर से वीपीटी के ध्यान में लाया गया था। उस संबंध में, वीपीटी ने स्पष्ट किया है कि परिशिष्ट -12 के साथ पठित लाइसेंस करार के पृष्ठ 18 पर, सीएफएस संचालन, लाइसेंस करार के अंतर्गत आते हैं। वीओटी ऑपरेटर के अनुरोध के अनुसार, वीपीटी के पत्र क्रमांक एस्टेट/ वीओटी/19/एसए/1449ए दिनांक 12 दिसंबर 2014 अनुसार वीपीटी ने वीसीटीपीएल को सीएफएस की स्थापना के उद्देश्य से जमीन आवंटित की थी और 13 मई 2015 को अधिग्रहण कर लिया था। सीएफएस के लिए भूमि का आवंटन लाइसेंस करार के अनुरूप लगता है। लागत विवरण से ज्ञात होता है कि वीसीटीपीएल ने वर्ष 2016-17 से सीएफएस पर परिचालन शुरू कर दिया है। वीपीटी ने वीसीटीपीएल द्वारा सीएफएस में दी गई सेवाओं के लिए सीएफएस और प्रशुल्क पर खर्च की स्वीकार्यता तय करने का निर्णय लेने का उत्तरदायित्व इस प्राधिकरण पर छोड़ दिया है।

वीपीटी द्वारा प्रस्तुत अब इस स्थिति के मद्देनजर कि वीसीटीपीएल द्वारा प्रदान की गई सीएफएस सेवाएं पत्तन और वीसीटीपीएल के बीच किए गए लाइसेंस करार के अनुसार हैं और पोर्ट ने सीएफएस सेवा के लिए वीसीटीपीएल को भूमि आवंटित की है और चूंकि, एआरआर की गणना में सीएफएस से संबंधित परिसंपत्तियों के सकल ब्लॉक पर खर्च और वापसी को वर्तमान प्रस्ताव से बाहर रखा गया है, वीसीटीपीएल को, भारत के राजपत्र में इस आदेश की अधिसूचना प्रकाशित होने की तारीख के तीन महीने के भीतर, वीसीटीपीएल द्वारा प्रदान की जाने वाली सीएफएस सेवाओं के लिए प्रशुल्क मांग के लिए अच्छी तरह से विश्लेषित एक अलग प्रस्ताव तैयार करने की सलाह दी जाती है।

- (ii). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019, के खंड 2.2 में साथ साथ यह भी कहा गया है कि उन मामलों में वीओटी ऑपरेटर द्वारा नियंत्रक पत्तन को देय रॉयल्टी/राजस्व का हिस्सा, जिनमें 29 जुलाई 2003 से पहले बोली प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया गया था, एआरआर अभिकलन में प्रशुल्क परिकलन की सीमा अगले उच्चतम बोलीदाता को ध्यान में रखते हुए होगी।

तदनुसार, वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक की अवधि के संबद्ध वार्षिक खातों में राजस्व के भाग के रूप परिलक्षित क्रमशः ₹.1,833.42 लाख, ₹.1,941.45 लाख ₹.3,119.09 लाख को शामिल नहीं किया गया है। चूंकि वीसीटीपीएल के संबंध में बोली प्रक्रिया को 29 जुलाई 2003 से पहले अंतिम रूप दे दिया गया था, इसलिए वर्ष 2016-17 से 2018-19 के दौरान क्रमशः अगले उच्चतम राजस्व भाग की सीमा तक के 49% बोलीदाता अर्थात् ₹.898.37 लाख, ₹.951.31 लाख और ₹.1,528.36 लाख को एआरआर की गणना में माना गया है। वास्तविक ट्रैफिक पर 49% रॉयल्टी भुगतान के स्तर के दूसरे उच्चतम बोलीदाता द्वारा उद्धृत स्तर के रूप में इसके द्वारा प्रहस्तित जैसा कि लाइन द्वारा पारित है वीसीटीपीएल के पिछले प्रशुल्क आदेश में अनुसरण किए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह 2019 के प्रशुल्क दिशानिर्देश के खंड 2.2 के अनुरूप है।

- (iii). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.3.1 (ii) के अनुसार, ऋणों पर ब्याज, अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान, धीमी गति से चल रही इन्वेंट्री के लिए प्रावधान आदि को शामिल नहीं किया जाएगा।

तदनुसार, वीसीटीपीएल ने टर्मिनल से संबंधित ऋण पर वर्ष 2016-17 से 2018-19 तक के क्रमशः रु.415.88 लाख, रु.338.22 लाख और रु.832.48 लाख के ब्याज और वर्ष 2017-18 के लिए अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान के लिए रु.6.68 लाख को शामिल नहीं किया है। वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए क्रमशः रु.0.30 लाख, रु.0.08 लाख और रु.1.18 लाख के ओवर ड्राफ्ट (ओडी) पर ब्याज, वीसीटीपीएल द्वारा शामिल नहीं किया गया है। जैसा कि पहले कहा गया है, वीसीटीपीएल ने पहले से ही वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लेखा परीक्षा किए गए वार्षिक खातों में रिपोर्ट किए गए खर्चों से एआरआर की गणना के लिए आधार के रूप में लिए गए परिचालन खर्च से सीएफएस संचालन से संबंधित खर्चों को शामिल नहीं किया है।

- (iv). खण्ड 2.3.2 में निर्धारित है कि अगर आईएनडीएस और आईजीएपी (मूल्यहास की तरह) के तहत रिपोर्ट किए गए व्यय में भिन्नता है, तो एआरआर गणना में आईएनडीएस आंकड़े को छोड़कर और आईजीएपी के अनुसार आंकड़ों पर विचार करके अपेक्षित समायोजन किया जाना चाहिए। वीसीटीपीएल के लेखा परीक्षित खाते आईएनडीएस के अनुसार हैं। वीसीटीपीएल ने, दिशानिर्देश के अनुपालन में आईजीएपी के अनुसार एआरआर अभिकलन में इन मदों के लिए "मूल्यहास और परिशोधन" और "अन्य व्यय" (कर्मचारी लाभ व्यय, सुरक्षा जमा पर अनावश्यक लागत और रॉयल्टी पर अनवॉर्डिंग लागत) को बहिष्कृत के रूप में दिखाते हुए क्रमशः वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए आईएनडीएस से आईजीएपी के रूप में आवश्यक समायोजन किये हैं। इसके अलावा, वीसीटीपीएल ने एआरआर गणना के उद्देश्य के लिए आईएनडीएस से आईजीएपी के तहत रिपोर्ट किए गए लेखा परीक्षित आंकड़ों से इसके द्वारा किए गए समायोजन की व्याख्या की है जिनका पूर्ववर्ती पैराग्राफों में उल्लेख किया गया है। वीसीटीपीएल ने फॉर्म 6क में अपेक्षित परिकलन प्रस्तुत किया है जो कार्यशील चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित है और वह विश्वस्वीय माना जाता है।
- विश्लेषण के उद्देश्य से वीसीटीपीएल द्वारा वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए प्रस्तुत ये मदें जो कि चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित हैं, विश्वस्वीय हैं और स्वीकार की जाती हैं।

- (ग). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.2, 2.3.1 और 2.3.2 और कार्यात्मक दिशानिर्देश में दिए गए प्रावधानों के अनुसार और ऊपर बताए गए समायोजन के आधार पर, वीसीटीपीएल ने 2016-17 से 2018 के लिए औसत खर्चों का परिकलन रु.108.67 करोड़ किया है जो हमारे द्वारा मान्य है।

- (iv). (क) प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 2.5 के अनुसार, नियोजित पूंजी में सकल अचल परिसंपत्ति (परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण) शामिल होंगे [जैसा कि भारतीय सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांत (आईजीएपी)] के अनुसार 31 मार्च/बुधवार को प्रगति के लिए पूंजीगत कार्य शामिल हैं। वर्ष 3 के 31 दिसंबर को लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में आईएनडीएस के तहत रिपोर्ट किए गए आंकड़ों से निर्धारित किया गया है और निर्धारित मानदंडों के अनुसार कार्यशील पूंजी है। आईएनडीएस के तहत वर्ष 2018-19 के लेखा परीक्षा किए गए वार्षिक खातों में वर्ष 2018-19 के लिए रु.579.79 करोड़ पर कुल सकल अचल परिसंपत्तियां दर्ज हैं। वीसीटीपीएल ने इसमें से टर्मिनल के लिए सीएफएस के सकल ब्लॉक को छोड़कर, आईएनडीएस के तहत निश्चित परिसंपत्तियों का सकल मूल्य रु.495.46 करोड़ सूचित किया है। एआरआर की गणना के लिए, वीसीटीपीएल ने टर्मिनल के संबंध में आईजीएपी के अनुसार प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 2.5 में निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप सीएफएस के संबंध में रु.84.33 करोड़ को छोड़ कर सकल अचल संपत्तियों के लिए रु.383.38 पर विचार किया है। वीसीटीपीएल ने की आईजीएपी के अनुसार विधिवत रूप से संपत्तियों की गणना का परिकलन कार्यरत चार्टर्ड एकाउंटेंट से प्रमाणित निर्धारित फॉर्म 7 में प्रस्तुत किया है। 2018-19 के अनुसार सकल अचल परिसंपत्तियां जो कि वीसीटीपीएल द्वारा आईजीएपी के अनुसार चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित है, भरोसेमंद और मान्य हैं।
- वर्ष 2018-19 के लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में रिपोर्ट की गई प्रगति अधीन कार्यपूंजी रु.6.72 करोड़ है। वीसीटीपीएल ने सीएफएस से संबंधित प्रगति अधीन कार्य पूंजी को छोड़कर, रु.0.28 करोड़ के प्रगति अधीन कार्य पर विचार किया है। उसी पर भरोसा किया जाता है और उसे मान लिया गया है।

- (ख). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.6 के अनुसार कार्यशील पूंजी में इन्वेंट्री, विविध देनदार और नकद-अधिशेष शामिल हैं। कार्यशील पूंजी की गणना के लिए निर्धारित मानक ईंधन को छोड़कर पूंजीगत पुर्जों के लिए इन्वेंट्री की एक वर्ष की औसत खपत और इन्वेंट्री की अन्य मदों की छह महीने की औसत खपत तक सीमित है। पूंजीगत पुर्जों का इन्वेंट्री बैलेंस यह बताते हुए कि पूंजी पुर्जों की औसत खपत को वित्तीय रूप से अलग से उल्लेखित नहीं किया जाता है वीसीटीपीएल ने पूंजीगत पुर्जों की वार्षिक खपत को रु.0.36 लाख माना है। अन्य इन्वेंट्री मदें अर्थात् उपभोग्य

सामग्रियों, तेल और स्नेहक, टायर, स्टोर और पुर्जों की खपत छह महीने के औसत उपभोग पर आधारित है। वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण और चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित आंकड़ों के मद्देनजर, इन्हें विश्वसनीय माना जाता है और मान लिया गया है।

वीसीटीपीएल ने कार्यशील पूंजी के परिकलन के लिए नकद शेप हेतु ₹.992.62 लाख का अधिशेष माना है जबकि नकद व्यय के लिए खपत की गई रशि ₹.1,115.71 लाख, कर्मचारी लाभ व्यय पर ₹.2099.64 लाख और अन्य व्यय के लिए ₹.8696.16 लाख की लागत के एक माह के जोड़ के औसत पर विचार किया गया है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि वर्ष 2018-19 के लिए वीसीटीपीएल द्वारा गणना किए गए स्वीकृत व्यय ₹.3,910.55 लाख हैं। आईजीएपी के अनुसार वर्ष 2018-19 के लिए ₹.2,688.00 लाख के मूल्यहास को छोड़कर कुल नकद व्यय वीसीटीपीएल द्वारा यथा प्रस्तुत ₹.11,222.56 लाख और मानदंडों के अनुसार उन पर एक महीने का नकद व्यय रूप में ₹.935.32 लाख बनता है जो मान्य है। यह सभी वीओटी ऑपरेटरों और महापत्तन न्यासों के मामले में अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है, जिसका प्रशुल्क क्रमशः प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 और प्रशुल्क नीति, 2018 के तहत निर्धारित किया गया है।

वीसीटीपीएल ने ₹.1354.12 लाख की राशि संड्री डेटर्स के तहत व्यापार प्राप्तियों के लिए दर्ज की है। वीसीटीपीएल का कथन है कि यह राशि व्यापार प्राप्तियों के लिए है और किसी भी सही कार्य-व्यापार के लिए यह कार्यशील पूंजी का एक आवश्यक भाग है। एमपीटी अधिनियम की धारा 58 के अनुसार, सामानों को हटाने या भेजने से पहले प्रस्तुत सेवाओं का भुगतान अग्रिम रूप में वसूला किया जाएगा। वीसीटीपीएल द्वारा प्रयोग किए गए विवेक से उत्पन्न होने वाले व्यापार को कार्यशील पूंजी गणना के लिए नहीं माना जा सकता है। प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के तहत आदेश क्रमांक टीएएमपी/36/2019-सीआईटीपीएल दिनांक 29 नवंबर, 2019 द्वारा सीआईटीपीएल के तय किये गये प्रशुल्क संशोधन के मामले में, संडरी डेटर्स के हिस्से के रूप में व्यापार प्राप्य को शामिल करने के ऑपरेटर के अनुरोध पर विचार नहीं किया गया था।

प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 को संचालित करने के लिए कार्यात्मक दिशानिर्देश के खंड 2.2 के साथ पठित प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 2.6 के अनुसार, संविदात्मक दायित्वों के तहत नियंत्रक पत्तन को पट्टा किराया/ लाइसेंस शुल्क के अग्रिम भुगतान के लिए कार्यशील पूंजी की गणना के लिए संडरी डेटर्स माना जाएगा।

वीपीटी के साथ वीसीटीपीएल द्वारा दर्ज लाइसेंस करार में लीज किराया के किसी भी अग्रिम भुगतान को निर्धारित नहीं किया गया है। पिछले प्रशुल्क संशोधन आदेश में भी, इस बिंदु को प्रकाश में लाया गया था और कार्यशील पूंजी की गणना में लीज किराया पर विचार नहीं किया गया था। वर्तमान मामले के प्रसंस्करण के दौरान, वीसीटीपीएल ने दिनांक 07.01.2003 की आबंटन-पत्र की प्रतिलिपि प्रस्तुत की है जिसमें प्रत्येक वर्ष पट्टा-किराया के अग्रिम भुगतान का प्रावधान है। इस प्रकार, वर्तमान संशोधन में, वीसीटीपीएल द्वारा यथा विचारित कार्यशील पूंजी की गणना में 50 प्रतिशत पट्टा-किराया कुल ₹.464.27 लाख को लिया गया है।

वीसीटीपीएल और वीपीटी के बीच किये गये एलए के खंड 5.1 के अनुसार, रॉयल्टी महीने के समाप्त होने के तुरंत बाद के 7 वें दिन से देय है। वीपीटी ने यह भी कहा है कि रॉयल्टी का भुगतान अग्रिम में नहीं किया जाता है। इसलिए, यह मद कार्यशील पूंजी गणना में शामिल नहीं की जा सकती है।

ऊपर बताए अनुसार संशोधनों के अध्याधीन, वीसीटीपीएल द्वारा परिकलित ₹.24.79 की कुल कार्यशील पूंजी की तुलना में कुल आशोधित कार्यशील पूंजी ₹.15.32 करोड़ बनती है।

(ग). ऊपर बताए अनुसार संशोधनों के अध्याधीन, वीसीटीपीएल द्वारा परिकलित कुल नियोजित पूंजी ₹.408.45 करोड़ की तुलना में आशोधित नियोजित कार्यपूंजी ₹.398.98 करोड़ बनती है। वीसीटीपीएल द्वारा 16% पर माना गया नियोजित पूंजी पर प्रत्यागम (आरओसीई) ₹.65.35 करोड़ है। आशोधित आरओसीई, आशोधित नियोजित पूंजी के आधार पर ₹.63.84 करोड़ बनता है।

(व). एआरआर में तीन वित्तीय वर्ष 2016-17 से 2018-19 के व्यय का औसत और 16% आरओसीई शामिल हैं। वीसीटीपीएल द्वारा परिकलित एआरआर ₹.174.02 करोड़ (₹.108.67 करोड़ + ₹.65.35 करोड़) है। हमारे द्वारा आशोधित एआरआर ₹.172.52 करोड़ (₹.108.68 करोड़ + ₹.63.84 करोड़) बनता है। इसके अलावा, प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.8 के अनुसार, उक्त एआरआर को वर्ष 2019-20 के लिए लागू डब्ल्यूपीआई के 100% पर सूचकांकित किया जाना चाहिए जो कि 4.26% है। वीसीटीपीएल द्वारा 4.26% सूचकांकन लागू करते हुए मूल्यांकित अधिकतम सूचकांकित एआरआर, ₹.181.44 करोड़ है।

वीसीटीपीएल ने वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकित एसओआर के लिए 2.56% के सूचकांकन फैक्टर को लागू करने का प्रस्ताव दिया है, लेकिन एआरआर अभिकलन में वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकन लागू नहीं किया है। वर्तमान वर्ष 2020-21 है और

वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकित एआरआर के लिए प्राधिकरण द्वारा लागू सूचकांकन घटक 1.88 प्रतिशत है और प्रशुल्क के लिए 1.13 प्रतिशत। इसलिए, वीसीटीपीएल वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकित एआरआर का हकदार है।

हमारे द्वारा वर्ष 2019-20 के लिए 4.26% और वर्ष 2020-21 के लिए 1.88% के लिए संशोधित अधिकतम सूचकांकित एआरआर कम्प्यूटेशन के अनुसार यह, वर्ष 2019-20 के लिए ₹.183.25 करोड़ बनती है। इसमें पिछली अवधि का समायोजन शामिल नहीं है। पिछली अवधि से संबंधित विश्लेषण का आगे के पैराग्राफ में उल्लेख किया गया है।

वीसीटीपीएल द्वारा एआरआर गणना का चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित पिछले विस्तृत प्रस्तुत परिकलन विश्वस्वीय है। यह मामूली संशोधन के अध्याधीन है जैसा कि ऊपर बताया गया है। वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत विस्तृत एआरआर गणना और हमारे द्वारा संशोधित एआरआर संगणन क्रमशः **अनुलग्नक - I (क) और (ख)** के रूप में संलग्न हैं।

- (vi). (क). एसओआर गणित करने के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.10 के अनुसार, मान्य प्रहस्तन व1, व2 और व3 के वर्षों के दौरान वीओटी ऑपरेटर द्वारा नियंत्रित वास्तविक प्रहस्तन का औसत होगा, जो संबंधित पोर्ट द्वारा विधिवत प्रमाणित है। 2016-17 से 2018-19 के लिए वीसीटीपीएल द्वारा माना गया औसत यातायात 4,01,800 टीईयू है। वीपीटी ने वीसीटीपीएल द्वारा प्रहस्तन 3,67,199; 3,88,624 और 4,50,460 टीईयूएस और तीन साल के प्रहस्तन का औसत 4,02,094 टीईयू प्रस्तुत किया है। वीपीटी द्वारा प्रस्तुत औसत प्रहस्तन में थोड़ी भिन्नता है। इस भिन्नता का कारण वीपीटी द्वारा अस्पष्टीकृत है। हालांकि, वीसीटीपीएल ने स्पष्ट किया है कि वीपीटी द्वारा दिखाया गया प्रहस्तन शिफ्ट कट-ऑफ पर आधारित है। हालांकि, वीसीटीपीएल द्वारा वास्तविक प्रहस्तन गणना पोतों के नौवहन पर आधारित है जिसे उसने महीने के अंत में वीपीटी को सूचित किया है। इसलिए, इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, राजस्व प्राक्कलन के लिए वीसीटीपीएल द्वारा वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए विचारित औसत वास्तविक यातायात 4,01,800 टीईयू को विश्वस्वीय माना जाता है।
- जैसा कि वीपीटी उठाए गए बिंदु के संबंध में कि 2019-20 के दौरान प्रहस्तन 5,03,630 टीईयू है और वाई 3 के रूप में 2019-20 का उल्लेखित औसत ट्रेफिक 4,47,571 टीईयू निकलता है, वीसीटीपीएल ने स्पष्ट किया है कि प्रस्ताव प्रस्तुत करने के समय उपलब्ध 2016 -17, 2017-18 और 2018-19 के लेखा परीक्षित खाता को क्रमशः वाई 1, वाई 2 और वाई 3 माना गया है। इसलिए, संबंधित तीन वर्षों के लिए औसत प्रहस्तन, 4,01,800 टीईयू माना गया है। वीसीटीपीएल द्वारा माना गया औसत प्रहस्तन, प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के अनुरूप है और अन्य वीओटी ऑपरेटरों के प्रशुल्क निर्धारण के मामले में अपनाये गये दृष्टिकोण इन कथित दिशानिर्देश के अनुसार है और इसलिए वीसीटीपीएल द्वारा यथाविचारित स्वीकार्य है।
- (ख). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.11.1, में वीओटी संचालकों को बाजारी ताकतों के प्रत्युत्तर में वाणिज्यिक निर्णय के आधार पर आकलित एआरआर के भीतर दरों को निर्धारित करने के लिए छूट दी गई है। उक्त खंड में कहा गया है कि वीओटी संचालक के पास अधिकतम एआरआर से कम राजस्व प्राप्ति के एसओआर तय करने का विकल्प होगा।
- वीसीटीपीएल ने मौजूदा एसओआर में वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकन कारकों के अध्याधीन, खाली कंटेनर के लिए समग्र प्रहस्तन शुल्क में 9% की कमी और भंडारण शुल्क में 42% की वृद्धि यथास्थिति बनाए रखने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, वीसीटीपीएल ने कंटेनर को टर्मिनल में लंबे समय तक पड़े रहने से रोकने के लिए ट्रांशिपमेंट कंटेनरों की निशुल्क अवधि को मौजूदा 30 दिनों से घटाकर 15 दिन करने का प्रस्ताव किया है।
- खाली कंटेनर प्रहस्तन प्रभार में प्रस्तावित कमी के संबंध में, वीसीटीपीएल ने कहा है कि यह एक निर्यात संचालित गेटवे टर्मिनल है। निर्यात की मात्रा को पूरा करने के लिए शिपिंग लाइनों को खाली कंटेनरों को आगे-पीछे स्थानांतरित करना पड़ता है। चूंकि कंटेनरों को लगाने के लिए अन्य खाली जगह स्थानांतरित करने के लिए शिपिंग लाइनों को अतिरिक्त लागत वहन करनी पड़ती है, इसलिए वीसीटीपीएल ने खाली कंटेनरों के प्रहस्तन प्रभार में 9% की कटौती का प्रस्ताव दिया है। वीसीटीपीएल को इस छोटे से कदम से लगता है, वीसीटीपीएल से निर्यात में वृद्धि को बल मिलेगा और निर्यातकों, शिपिंग लाइनों और वीपीटी को लाभान्वित करेगा। विशाखापत्तनम कंटेनर लाइन्स एसोसिएशन (वीसीएलए) ने पत्तन के इस प्रस्ताव की सराहना की है। खाली कंटेनर के लिए समग्र प्रहस्तन शुल्क में प्रस्तावित कमी को मंजूरी दी गई है।
- वीसीटीपीएल ने कहा है कि वर्तमान यार्ड का उपयोग लगभग 80% है। अधिकांश कंटेनर डीपीडी हैं और लगभग 30 निशुल्क दिनों के भीतर खाली नहीं किए जाते हैं। इससे यार्ड की क्षमता प्रभावित होती है और यार्ड में स्थान की तंगी हो जाती है। इसलिए, वीसीटीपीएल ने निकासी में सुधार के लिए भंडारण प्रभार में 42% वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। कंटेनर शिपिंग लाइन्स एसोसिएशन (भारत) [सीएसएलए] और विशाखापत्तनम कंटेनर लाइन्स एसोसिएशन (वीसीएलए) ने प्रस्तावित वृद्धि की प्रशंसा की है। हालांकि, चूंकि विजाग में वर्तमान में पहले से ही 8 सीएफएस है और कंटेनर को तेजी से खाली किया जा सकता है, इसलिए प्रभावी यार्ड उपयोग और क्षमता में वृद्धि के लिए

वीसीटीपीएल ने ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों की निशुल्क अवधि को 30 दिनों से घटाकर 15 दिन करने का प्रस्ताव दिया है। जिसे स्वीकार किया जाता है।

वीसीटीपीएल ने प्रस्तावित प्रशुल्क दर पर 181.44 करोड़ की राजस्व की परिकल्पना की है। यह बताना प्रासंगिक है कि वीसीटीपीएल द्वारा खाली कंटेनर के लिए कंटेनर प्रहस्तन प्रभार में प्रस्तावित 9% प्रशुल्क कमी और भंडारण शुल्क में 42% की वृद्धि को छोड़कर, आकलित राजस्व के लिए इस प्राधिकरण द्वारा सभी प्रशुल्क मदों के लिए समीक्षा आदेश दिनांक 31 जुलाई 2018 के साथ पठित 14 नवंबर 2017 के पिछले प्रशुल्क संशोधन आदेश में अनुमोदित मौजूदा दरों को ही लिया गया है।

जबकि, प्रस्तावित एसओआर में, वीसीटीपीएल ने अन्य सभी प्रशुल्क मदों के लिए वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकन लागू किया है। ऐसा होने के कारण, वीसीटीपीएल द्वारा अपने दरमानों में यथा प्रस्तावित वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकन घटक लागू करने के लिए इस शर्त के अध्याधीन राजस्व प्राक्कलन में संशोधन किया जाता है कि वीसीटीपीएल द्वारा यथा विचारित 2.56 प्रतिशत सूचकांकन घटक के स्थान पर वर्ष 2017 के पिछले प्रशुल्क संशोधन आदेश में प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित प्रशुल्क अर्थात् मौजूदा प्रशुल्क पर वर्ष 2020-21 के वर्ष के लिए सही सूचकांकन घटक 1.13 प्रतिशत लागू किया जाएगा।

वीसीटीपीएल द्वारा आकलित राजस्व 181.44 करोड़ है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, हमारे द्वारा आकलित संशोधित अधिकतम सूचकांकित एआरआर रु.183.25 करोड़ है। प्रस्तावित दरों अर्थात् खाली कंटेनर प्रहस्तन प्रभार में 9% की कमी, भंडारण प्रभार में 42% की बढ़ोतरी और अपने दरमानों में वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित अन्य सभी प्रशुल्क मदों में वर्ष 2020-21 के लिए 1.13% का सूचकांकन फैक्टर लागू करने वाली सूचकांकित दरों पर, आशोधित राजस्व रु.183.21 करोड़ रुपये बनता है। खाली कंटेनरों और भंडारण प्रभारों के लिए वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित दरों पर सूचकांकित घटक 1.13 प्रतिशत लागू करने पर राजस्व प्राक्कलन, आकलित एआरआर से रु.0.26 करोड़ अधिक होगा। टी.जी. 2019 के खंड 2.11.1 के अनुसार निर्धारित दरों पर राजस्व प्राक्कलन, आकलित एआरआर की सीमा के भीतर होना चाहिए। अतः, वीसीटीपीएल द्वारा खाली कंटेनरों के प्रहस्तन प्रभारों में 9 प्रतिशत कमी और भंडारण प्रभारों में 42 प्रतिशत वृद्धि की प्रस्तावित दर, वर्ष 2020-21 के लिए 1.13 प्रतिशत के सूचकांकन घटक में सन्निवेशन के लिए प्रकल्पित है।

आशोधित राजस्व प्राक्कलन हमारे द्वारा आकलित रु.183.25 करोड़ आशोधित एआरआर की सीमा के भीतर है। जिसमें एक मामूली अंतर रु.0.04 करोड़ (संशोधित एआरआर - रु.183.25 करोड़ - आशोधित राजस्व प्राक्कलन) को छोड़कर प्रशुल्क दिशानिर्देश के खंड 2.11 के अनुसार प्रस्तावित एसओआर पर राजस्व का प्राक्कलन, अधिकतम सूचकांकित एआरआर सीमा के भीतर होना चाहिए। वीसीटीपीएल का प्रस्ताव दिशानिर्देशों की स्थिति के अनुरूप है और इसलिए इसे अनुमोदित किया जाता है।

वीसीटीपीएल ने वर्ष 2016-17 से 2018-19 के लिए इसी औसत प्रहस्तन के लिए प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.11.1 के अनुसार, प्रस्तावित एसओआर में प्रत्येक प्रशुल्क मद का उल्लेख करते हुए राजस्व प्राक्कलन का विस्तृत परिकलन दिया है। यह देखा गया है कि मौजूदा एसओआर और साथ ही प्रस्तावित एसओआर में प्रचलित कुछ प्रशुल्क मदों के लिए, वीसीटीपीएल ने फॉर्म 4 में राजस्व का प्राक्कलन नहीं दिया है, जैसा कि पहले के पैराग्राफ में सूचीबद्ध है और इसलिए संक्षिप्तता के लिए दोहराया नहीं गया है। वीसीटीपीएल को यह पुष्टि करने की आवश्यकता थी कि इनमें से प्रत्येक प्रशुल्क मद के संबंध में पिछले तीन वर्षों के दौरान कोई प्रहस्तन नहीं किया गया है और प्राक्कलन के आधार पर इन मदों से उत्पन्न संभावित राजस्व को शामिल करने पर विचार करने का भी अनुरोध किया गया था। इस संबंध में, वीसीटीपीएल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इन श्रेणियों से कोई राजस्व अर्जित नहीं किया गया है। हालांकि, कार्य-व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए इन प्रशुल्क मदों को जारी रखने का प्रस्ताव है। वीसीटीपीएल द्वारा बताए गए कारणों से, इसका कोई राजस्व प्रभाव नहीं होगा क्योंकि इन मदों के लिए कोई प्रहस्तन पिछले तीन वर्षों 2016-17 से 2018-19 के दौरान प्रहस्तन कार्य नहीं हुआ है।

राजस्व प्राक्कलन कथन को चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है। वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत राजस्व प्राक्कलन पिछले पैराग्राफ में उल्लेखित आशोधनों के अध्याधीन है।

इसके अलावा, आगामी पैराग्राफों में बताए गए कारणों से, वीसीटीपीएल द्वारा 1 अमेरिकी \$ = रु.66.42 की विनिमय दर को लागू करके प्रस्तावित मौजूदा दरों को डॉलर में बदलकर पाँच प्रशुल्क मदों के लिए सही कर दिया गया है। इससे राजस्व पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- (vii) प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 1.9 के अनुसार, वीओटी ऑपरेटर संबंधित मेजर पत्तन न्यास के साथ दर्ज मौजूदा रियायत करार में निहित प्रावधानों का पालन करना जारी रखेगा। इसके साथ ही, संबंधित वीओटी पत्तन न्यास के साथ एक अलग करार के अनुसार वीओटी ऑपरेटर इस दिशानिर्देश का पालन करने के लिए सहमत होगा। वीसीटीपीएल ने कहा है कि उसने इस संबंध में वीपीटी से अनुरोध किया है और नियत समय में इसे प्रस्तुत करेगा। वीपीटी ने यह भी पुष्टि की है कि वीसीटीपीएल ने मसौदा करार वीपीटी को सौंप दिया है और इस मुद्दे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वीसीटीपीएल को सलाह दी जाती है कि वह

एमओएस के पत्र दिनांक 08 मार्च 2019 प्रमुख पत्तन न्यासों को भेजे गए निर्धारित प्रारूप के अनुसार अलग-अलग करार की एक प्रति वीसीटीपीएल सहित सभी को वीसीटीपीएल और वीपीटी द्वारा हस्ताक्षरित हमारे रिकॉर्ड्स के लिए प्रस्तुत करें।

- (viii). प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 3.1.2 में कहा गया है कि वीओटी ऑपरेटरों के मामले में, जो इस प्राधिकरण के पिछले आदेश के खिलाफ अदालत में नहीं गए हैं, 2019 के प्रशुल्क दिशानिर्देश के तहत प्रशुल्क के निर्धारण के दौरान पिछले प्रशुल्क निर्धारण की पिछली अवधि तक के लिए अधिशेष/ घाटा प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2005 के खंड 2.13 के अनुसार किया जाना है। वीसीटीपीएल ने लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के आधार पर 2016-17 से 2018-19 की पिछली अवधि के आकलनों की समीक्षा की है। 2016-17 की पिछली अवधि की समीक्षा पिछले प्रशुल्क संशोधन के दौरान की गई थी और पिछले प्रशुल्क आदेश में माना गया प्राक्कलन 2017-18 से 2019-20 से संबंधित है। इसलिए, आकलनों और वास्तविक की समीक्षा तीन साल अर्थात् 2017-18 से 2019-20 के लिए की जानी चाहिए। इसलिए, बाद में, हमारे अनुरोध के आधार पर, वीसीटीपीएल ने वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा के आधार पर पिछली अवधि 2017-18 और 2018-19 का लागत विवरण प्रस्तुत किया है। वीसीटीपीएल ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में रिपोर्ट किए गए खर्च का मिलान किया है और लागत विवरण में माने गया है। वीसीटीपीएल ने वर्ष 2019-20 के संबंध में, कहा है कि खातों का लेखा परीक्षण नहीं किया गया है। इसलिए, वीसीटीपीएल ने वर्ष 2019-20 के लिए, वर्ष 2019-20 के पिछले प्रशुल्क आदेश में विचार किए गए आकलनों के साथ वास्तविक के तुलनात्मक उद्देश्य के लिए पिछले आंकड़ों पर विचार किया। चूंकि वर्ष 2019-20 समाप्त हो गया है, और इस वर्ष के लिए लेखा परीक्षित खाते उपलब्ध नहीं हैं, यह प्राधिकरण, पिछली अवधि के विश्लेषण के उद्देश्य से, वीसीटीपीएल द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण के आधार पर आगे की कार्रवाई करता है जैसा कि वीएसपीएल के मामले में की गई थी। यह लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के आधार पर अगले प्रशुल्क चक्र के लिए 2019-20 के लिए, वास्तविक दरों के आधार पर प्रशुल्क के निर्धारण के दौरान समीक्षा के अध्याधीन होगी। वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत मिलान विवरणों के आधार पर, पिछली अवधि की विवरणों में वीसीटीपीएल द्वारा दिए गए आंकड़ों पर विश्लेषण में विचार किया गया है। हालांकि, वीसीटीपीएल के अगले प्रशुल्क संशोधन के दौरान वर्ष 2019-20 के लिए लेखा परीक्षा किए गए वार्षिक खातों के अनुसार वास्तविक के आधार पर वर्ष 2019-20 के लिए वास्तविक, समीक्षा की जाएगी।

- (ix). विश्लेषण इस प्रकार है :-

- (क). वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए पिछले प्रशुल्क आदेश में विचारित आय आकलनों को दिनांक 31 जुलाई 2018 की समीक्षा क्रम में दी गई प्रशुल्क वृद्धि के प्रभाव को दर्ज करने के लिए समायोजित किया गया है ताकि आदेश के क्रियान्वयन की समान तारीख से वास्तविक आय की तुलना की जा सके। भारत के लिए अटॉर्नी जनरल की राय पोत परिवहन नी मंत्रालय के 12 जून 2015 के अपने पत्र के तहत कि ऑपरेटर द्वारा अपने लेखा परीक्षित खातों के आधार पर अर्जित वास्तविक आय पर विचार किया जाना चाहिए, न कि किसी नोशनल आय पर। इसलिए, पिछली अवधि के विश्लेषण के उद्देश्य से, वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में रिपोर्ट की गई और वर्ष 2019-20 के लिए वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत / अंतिम रूप से वास्तविक / मिलान विवरणों पर विचार किया जाता है।
- (ख). 2017-18 से 2019-20 के प्रत्येक वर्ष के लेखा परीक्षा किए गए वार्षिक खातों में दर्शाए गए कुल खर्च / आय और कुल खर्चों/आय पर विचार किए जाने पर प्राप्त होने वाले विवरण में, यह देखा गया है कि वीसीटीपीएल ने एआरआर गणना के लिए किए गए पिछले अवधि के विश्लेषण के लिए कुल खर्च/आय से सीएफएस से संबंधित व्यय/आय को बाहर रखा है। यह वीसीटीपीएल द्वारा पिछले प्रशुल्क/ संशोधन में दिए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो प्राधिकरण के आदेश संख्या टीएमपी/28/2017-वीसीटीपीएल दिनांक 14 नवंबर 2017 द्वारा अनुमोदित है। यह देखा गया है कि वीसीटीपीएल ने टर्मिनल से संबंधित लाभांश की बिक्री से लेकर वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2018-20 के लिए क्रमशः रु.1110 लाख, रु.2095 लाख और रु.1614 लाख आय में को शामिल नहीं किया है। चूंकि स्क्रिप की बिक्री वीसीटीपीएल टर्मिनल से संबंधित और / या के लिए संबंधित है और वीसीटीपीएल अपने आयातों पर स्क्रिप के बल पर कस्टम ड्यूटी में छूट प्राप्त कर ली होगी इसलिए, यह मद इन तीन वर्षों के लिए आय में उल्लेखित की गई है। इससे अंतिम निर्णय लेने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (ग). पिछले संशोधन के दौरान तैयार लागत विवरण में मूल्यहास का प्राक्कलन आईजीएपी पर आधारित था। वीसीटीपीएल ने 2016-17 से, आईएनडीएस के लेखांकन पद्धति का अनुसरण किया है। वैसी ही तुलना के लिए, वीसीटीपीएल ने आईजीएपी के तहत मूल्यहास के आंकड़े पर विचार किया है और आईएनडीएस के आंकड़ों के साथ मिलान किया है। वीसीटीपीएल द्वारा विचारित मूल्यहास आंकड़े विश्वीस्वी हैं और मान्य हैं।

- (घ). वीसीटीपीएल ने 2017-18 से 2019-20 तक प्रत्येक वर्ष के लिए वीपीटी को प्रदत्त राजस्व अनुमत्त हिस्सेदारी पर, प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2005 और प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के अनुरूप विचार किया है।
- (ङ). इस प्राधिकरण के सामान्य दृष्टिकोण के अनुरूप 2017-18 से 2019-20 तक प्रत्येक वर्ष के लिए वीसीटीपीएल द्वारा ऋणों पर व्याज को शामिल नहीं किया गया है। वीसीटीपीएल ने उक्त वर्षों में से प्रत्येक के लिए ओडी पर व्याज को शामिल किया है जो कि पिछली अवधि के लिए लागत विवरण में शामिल नहीं किया गया है।
- (च). तत्कालीन लागू प्रशुल्क दिशानिर्देश 2005 के तहत पिछले प्रशुल्क संशोधन के दौरान विचारित नियोजित पूंजी निर्धारित मानदंडों के अनुसार नेट फिक्स्ड एसेट्स + कार्यशील पूंजी है। लेखा परीक्षित वार्षिक खातों में उल्लेखित नेट फिक्स्ड एसेट्स आईएनडीएस पर आधारित हैं। वीसीटीपीएल ने 2017-18 से 2019-20 के वर्षों के लिए आरओसीई की गणना के लिए क्रमशः ₹.23,203.30 लाख, ₹.22,303.74 लाख और ₹.19,677.14 लाख के लिए आईजीएपी के अनुसार, शुद्ध अचल संपत्तियों को नियोजित पूंजी माना है।
पिछली अवधि के लिए नियोजित पूंजी की गणना में वीसीटीपीएल द्वारा वर्ष 2017-18 और 2018-19 के लिए एआरआर अभिकलन के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित विचार की गई शुद्ध अचल संपत्ति फॉर्म 7 के आंकड़ों के साथ भी मेल खाती है है। चूंकि फॉर्म 7 में उल्लेखित वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत आईजीएपी के अनुसार निवल अचल संपत्तियां चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित हैं, वही पिछली अवधि के लिए मानी जाती हैं। कार्यशील पूंजी को मानदंडों के अनुसार शून्य माना गया है।
- (छ). 2017-18 से 2019-20 की आकलित अवधि के प्राकृतिक विवरण की समीक्षा करते हुए लागत विवरण की एक प्रति **अनुलग्नक- II** के रूप में संलग्न है।
- (ज). वास्तविक और पिछले प्रशुल्क आदेश में विचारित प्राकृतिकों का तुलनात्मक सारांश :

(रु. करोड़ों में)

विवरण	वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक का सकल योग		विचलन %
	प्रशुल्क आदेश के अनुसार प्राकलन	वास्तविक	
वहन/ प्रहस्तन (लाख टन में)	12.40	13.42	8.16%
कुल परिचालन आय	456.94	661.48	44.76%
एफएमई सह एफएमआई, मूल्यहास और ओवरहेड्स सहित कुल व्यय	351.18	377.26	7.43%
प्रत्यागम-पूर्व अधिशेष / घाटा	105.76	284.22	
नियोजित पूंजी (औसत)	220.33	217.28	-1.38%
नियोजित पूंजी पर 16% प्रत्यागम	105.76	104.30	-1.38%
आरओसीई के बाद शुद्ध अधिशेष (पिछले अधिशेष के समायोजन से पहले)	0.00	179.92	

- (झ). 2017-18 से 2019-20 की अवधि से संबंधित पिछली अवधि के संदर्भ में विश्लेषण के निष्कर्ष नीचे दिए गए हैं:
- (i). 2017-18 से 2019-20 की अवधि के दौरान वीसीटीपीएल द्वारा किया गया कुल प्रहस्तन 13.42 लाख टन आकलनों की तुलना में कुल 12.40 लाख टन है। आकलित प्रहस्तन के मुकाबले भौतिक मापदंडों अर्थात वास्तविक प्रहस्तन (ट्रेफिक) में 8.16% विचलन सकारात्मक है।
- (ii). वीसीटीपीएल द्वारा अर्जित की गई परिचालन आय, ₹.661.48 करोड़ है, जो कि ₹.456.94 करोड़ के प्राकलन के विपरीत है। परिणामतः इसी अवधि के लिए 44.76% का विचलन सकारात्मक है।
- (iii). व्यय पक्ष पर, वर्ष 2017-18 से 2019-20 तक के लिए वास्तविक सकल व्यय इस अवधि के पिछले आदेश में विचारित ₹.351.18 की तुलना में ₹.377.26 है। इस प्रकार कुल वास्तविक व्यय पिछले प्रशुल्क आदेश में आकलित व्यय की तुलना में 7.43% का सकारात्मक रूप दिखाता है।
- (iv). 2017-18 से 2019-20 की अवधि के लिए जो औसत नियोजित पूंजी ₹.217.28 करोड़ है जो नियोजित औसत पूंजी ₹.220.33 करोड़ की तुलना में 1.38% नकारात्मक विचलन है।

- (v). वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत पिछली अवधि के लिए लागत विवरण के अनुसार, वीसीटीपीएल ने 2017-18 से 2019-20 तक की अवधि के लिए स्वीकार्य लागत और 16% आरओसीई के बाद रु.179.92 करोड़ का कुल अधिशेष अर्जित किया गया है।
- (vi). नियोजित औसत पूंजी पर अर्जित औसत वार्षिक प्रत्यागम निम्न तालिका में दिखाया गया है:

(रु. करोड़ों में)

विवरण	2017-18	2018-19	2019-20	औसत
वापसी से पहले वास्तविक अधिशेष / घाटा	87.09	91.21	105.90	284.22(कुल) 94.74 (औसत)
वास्तविक कार्यशील पूंजी	232.03	223.04	196.77	217.28(औसत)
नियोजित पूंजी पर अर्जित वास्तविक प्रत्यागम	37.53%	40.89%	53.82%	43.60%

- (vii). प्रशुल्क दिशानिर्देश के खंड 2.13 के अनुसार, यदि पिछले प्रशुल्क चक्र के लिए वास्तविक भौतिक और वित्तीय निष्पादन की समीक्षा + / (-) 20% से अधिक की भिन्नता को दर्शाती है, तो ऐसे अर्जित लाभ / हानि का 50% अगले प्रशुल्क चक्र में समायोजित किया जाना है। एजी की राय के अनुसार भी जैसा एमओएस द्वारा अवगत कराया गया है, खंड 2.13 के प्रयोजन के लिए भौतिक और वित्तीय दोनों मापदंडों में भिन्नता को ध्यान में रखा जाना चाहिए। आगे, एजी की राय के अनुसार, यदि भौतिक और वित्तीय दोनों मापदंडों में भिन्नता 20% से अधिक है, तो अधिशेष के 20% को ऑपरेटर द्वारा बनाए रखने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह केवल 20% से अधिक और इससे अधिक का अधिशेष है जिसे ऑपरेटर और उपयोगकर्ताओं के बीच समान रूप से अर्थात् 50:50 पर साझा किया जाएगा। संक्षेप में, अतिरिक्त अधिशेष के 60% को ऑपरेटर के साथ बनाए रखने की अनुमति है और 40% अतिरिक्त को भविष्य के प्रशुल्क में समायोजन पर विचार करके उपयोगकर्ताओं के साथ साझा किया जाना है। उपरोक्त विवेचन से यह देखा जा सकता है कि नियोजित पूंजी पर प्रत्यागम के मामले में वित्तीय निष्पादन में भिन्नता 20% से अधिक है, (16% के ऊपर 20% भिन्नता 19.20% है) वीसीटीपीएल ने 43.60% नियोजित पूंजी पर औसत वार्षिक प्रत्यागम अर्जित किया है।

यद्यपि, नियोजित पूंजी पर प्रत्यागम के मामले में वित्तीय निष्पादन में विचलन 20% से अधिक है, भौतिक पैरामीटर में भिन्नता, अर्थात्, वास्तविक प्रहस्तन 20% से कम है, अर्थात् 8.16% सकारात्मक है। चूंकि मापदंडों में से एक में भिन्नता + / (-) 20% से कम पाई गई है, इसलिए, वर्तमान प्रशुल्क चक्र में खंड प्रशुल्क दिशानिर्देश 2005 के खंड 2.13 की व्याख्या पर एजी की राय के अनुसार पिछले अधिशेष के समायोजन का कोई मामला नहीं है।

- (ज). जैसा कि पहले कहा गया है, चूंकि इस मामले को अंतिम रूप देते समय वर्ष 2019-20 के लिए लेखा परीक्षित खाते उपलब्ध नहीं थे, वर्ष 2019-20 के आकलनों की तुलना पिछले प्रशुल्क आदेश में वर्तमान प्रशुल्क संशोधन कार्रवाई में वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2019-20 के वास्तविक/अंतिम खातों के साथ की गई थी। और पिछली अवधि के विवेचन में स्वीकार की गई जिसकी है कि अगली समीक्षा के समय वर्ष 2019-20 के लिए लेखा परीक्षित खातों के संदर्भ में फिर से समीक्षा की जाएगी। समायोजन, यदि कोई हो, तो भविष्य में प्रशुल्क में भिन्नता के आधार पर 2005 के प्रशुल्क दिशानिर्देश द्वारा अभिशासित किया जाएगा क्योंकि इस मामले में पिछले अवधि का विवेचन 2005 के प्रशुल्क दिशानिर्देश के खंड 2.13 का अनुपालन करते हुए किया गया है।

- (ख). जैसा कि पूर्ववर्ती पैराग्राफों में सामने आया था, संशोधित सूचकांकित अधिकतम एआरआर रु.183.25 करोड़ परिकलित हुआ था। जैसा कि विवेचन के पूर्ववर्ती पैराग्राफ में कहा गया है कि पूर्ववर्ती पैराग्राफ में दिए गए विवेचन के आधार पर पिछली अवधि के समायोजन का कोई मामला नहीं है।

- (खि). उपरोक्त विवेचन के आधार पर, वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत अधिकतम सूचकांकित और जैसा कि हमारे द्वारा आशोधित लागत विवरण के आधार पर एआरआर का एक सारांश नीचे दिया गया है:

(रु. करोड़ों में)

क्रम सं.	विवरण	वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत एआरआर अभिकलन	हमारे द्वारा आशोधित
1	वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए औसत अनुमत्त व्यय [व 1 + व 2 + व 3] / 3	108.67	108.68
2	31.03.2019 को नियोजित पूंजी है, जिसमें 31.03.2019 को प्रगतिशील कार्य पूंजी है	408.45	398.98

	और मानदंडों के अनुसार कार्यशील पूँजी है		
3	पूँजी पर प्रत्यागम @ 16%	65.35	63.84
4	31 मार्च 2019 तक एआरआर (4 = 2 + 3)	174.03	172.52
5	वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए लागू डब्ल्यूपीआई के @ 100% पर एआरआर सूचकांक (वर्ष 2019-20 के लिए 4.26% और 2020-21 के लिए 1.88%) [वीसीटीपीएल ने वर्ष 2019-20 के लिए केवल 4.26% सूचकांक माना है]	181.44	183.25
6	सूचकांकित वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर)	181.44	183.25
7	प्रस्तावित दर पर वीसीटीपीएल द्वारा प्राक्कलित राजस्व	181.44	183.21
8	राजस्व में अंतर (एआरआर पर प्राक्कलित राजस्व में कमी)	0.00	0.04

जैसा कि पहले कहा गया है, आशोधित आकलित एआरआर मिलान पूरा करने के लिए रु.0.04 के मामूली अंतर को छोड़ दिया गया है।

- (xii). वीसीटीपीएल ने रुपये में निर्धारित मौजूदा प्रशुल्क मदों में से पांच को यूएस डॉलर में बदलने का प्रस्ताव दिया है। वीसीटीपीएल, टीओएस सॉफ्टवेयर के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध शुल्क, तकनीकी शुल्क, महत्वपूर्ण पुर्जों के आयात और क्रेन के आयात के लिए प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण के वापसी भुगतान, विदेशी मुद्रा ऋण के व्याज भुगतान के लिए विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव का ज्ञान है। अगले प्रशुल्क चक्र में वीसीटीपीएल द्वारा प्रत्याशित औसत विदेशी मुद्रा \$ 33,92,346 का बहिर्गमन रु.24 करोड़ प्रतिवर्ष के बराबर है। विदेशी मुद्रा व्यय औसत वार्षिक राजस्व का 14% है। वर्तमान प्रस्ताव में, वीसीटीपीएल ने विदेशी मुद्रा में होने वाले व्यय के 8% को पूरा करने के लिए निम्नलिखित पांच प्रशुल्क मदों को यूएस \$ में परिवर्तित करने का प्रस्ताव किया है ताकि विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव और राष्ट्र के मूल्यवान विदेशी मुद्रा भंडार में बचत को बनाए रखा जा सके।

एसओआर में खंड सं.	प्रशुल्क विवरण
1.4	लैंडिंग के साथ हैच कवर के साथ – विदेशगामी
1.5	पोत के भीतर कंटेनरों का स्थानांतरण (री-स्टोविंग): भरे हुए या खाली कंटेनर को उतार कर और रीशिपिंग द्वारा स्थानांतरित करना
1.7	बिजली की आपूर्ति के लिए शुल्क (कनेक्टिंग और डिस्कनेक्टिंग सहित, रीफर यार्ड पर निगरानी) 4 घंटे या उसके बाद का कोई भाग
1.8	शट आऊट कंटेनरों संबंधी शुल्क
1.10	भंडारण प्रभार

यहां यह बताना प्रासंगिक है कि कुछ प्रशुल्क मदों के मूल्य निर्धारण के लिए एनएसआईसीटी के प्रस्ताव के आधार पर, इस प्राधिकरण ने 15 मार्च 2000 के आदेश संख्या.टीएमपी/1/98-जेएनपीटी के द्वारा और रीफर मॉनिटरिंग और शट आऊट शुल्क के एनएसआईसीटी के प्रस्ताव को डॉलर के मूल्यवर्ग में रुपए के संदर्भ में निर्धारित करने के लिए मंजूरी दे दी। वीसीटीपीएल ने अपने प्रस्ताव को एनएसआईसीटीपीएलके दिनांक 03 मार्च 2020 के एसओआर का हवाला देते हुए सही ठहराया है। में पोतों में जहां हैच कवर (धारा 5 के तहत), धारा 6 - कंटेनरों की पुनःस्टोविंग धारा 7- शटआउट कंटेनर, धारा 8-रीफर निगरानी सेवाएं और धारा 9- ठहराव समय शुल्क को अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अंकित किया गया है। गेटवे टर्मिनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पीएसए सिकल टर्मिनल लिमिटेड और इंडिया गेटवे टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड जैसे अन्य वीओटी ऑपरेटरों के एसओआर में भी, डॉलर के संदर्भ में है। ऐसा होने के कारण, और वीसीटीपीएल द्वारा उद्धृत कारणों से, यह प्राधिकरण इन पाँच प्रशुल्क मदों के मौजूदा रुपये मूल्य को यूएस \$ में बदलने के लिए वीसीटीपीएल के प्रस्ताव को मंजूरी देने की इच्छा है।

विदेशी कंटेनर के लिए रुपये में मौजूदा मूल्य-वर्ग से उपरोक्त पाँच प्रशुल्क मदों को परिवर्तित करने के लिए, वीसीटीपीएल ने 1 यूएस डॉलर = रु.66.42 की विनिमय दर पर विचार किया है। उदाहरण के लिए, स्थानांतरित के लिए मौजूदा एसओआर में निर्धारित दर एक विदेशी कंटेनर के लिए रु.3325/- है। वीसीटीपीएल ने वर्ष 2019-20 के लिए घोषित 60% डब्ल्यूपीआई सूचकांक 4.26% के होते हुए 2.56% का सूचकांक लागू किया है और यह रु.3410.12 बनता है। इसे एक विदेशी कंटेनर के लिए 51.34 की अमेरिकी डॉलर की प्रस्तावित दर निकालने के लिए विनिमय दर रु.66.42 से विभाजित किया गया है।

प्रचलित विनिमय दर के साथ यूएस \$ में प्रस्तावित दर को अद्यतन करने का अनुरोध वीसीटीपीएल से किया गया था। इसके लिए, वीसीटीपीएल ने जवाब दिया है कि हाल ही में कोविड-19 महामारी परिदृश्य के बाद कमजोर मांग के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता के कारण आई तेजी से मूल्य घट रहा है। यह मानते हुए कि मौजूदा परिदृश्य अमेरिकी डॉलर के

भारतीय रुपये में रूपांतरण दर पर विचार करने के लिए इस स्तर पर परिस्थिति सामान्य नहीं है, इसने 2016-17 से 2018-19 की अवधि के लिए स्थिर विनिमय दर पर विचार किया और 1 अमेरिकी \$ = 66.42 माना है। विदेशी कंटेनर से संबद्ध पांच मर्दों की रुपये के रूप में निर्धारित प्रशुल्क दर को अमेरिकी \$ में परिवर्तित किया गया है।

यहां यह बताना प्रासंगिक है कि वीसीटीपीएल द्वारा यूएस \$ में प्रस्तावित दर से अर्जित की जाने वाली आय प्रचलित दर पर होगी। यदि वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित दर पर विचार किया जाता है, तो प्रचलित विनिमय दर पर अर्जित राजस्व से आकलित राजस्व में वृद्धि हो सकती है और यह आकलित एआरआर से अधिक हो सकता है।

इस मामले में जनवरी 2020 से लेकर पिछले रूपांतरण तक की औसत विनिमय दर 1(एक) अमेरिकी \$ = 74.27 है। इसलिए, इन प्रशुल्क मर्दों को यूएस \$ में परिवर्तित करने के लिए 1(एक) अमेरिकी \$ = 74.27 की विनिमय दर को लागू करना उचित पाया गया है। इससे राजस्व आकलनों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि प्रस्तावित दर पर प्रचलित विनिमय दर मान्य है। तटीय कंटेनर के लिए प्रशुल्क मौजूदा स्तर पर निर्धारित किया गया है क्योंकि वीसीटीपीएल ने विदेशगामी कंटेनर के लिए मौजूदा प्रशुल्क में किसी भी वृद्धि की परिकल्पना नहीं की है।

- (xiii) वीसीटीपीएल के प्रस्ताव में कहा गया है कि उसने मौजूदा एसओआर में खाली कंटेनरों के लिए समेकित शुल्कों में 9% की कमी, भंडारण शुल्क में 42% की वृद्धि, पाँच मर्दों के लिए रुपये को डॉलर में रूपांतरित और ट्रांसशिपमेंट कंटेनर के लिए निशुल्क अवधि में वृद्धि को छोड़ कर, प्रस्ताव यथावत रखा है। हालांकि, एसओआर में वीसीटीपीएल द्वारा वर्ष 2020-21 के लिए सूचकांकन फैक्टर 2.56% लागू करने का प्रस्ताव है। फॉर्म 4 में वीसीटीपीएल द्वारा आकलित राजस्व में, एसओआर में प्रस्तावित सूचकांकित दरों का उल्लेख नहीं है। यह विसंगति आवश्यक सुधार करने के लिए वीसीटीपीएल के ध्यान में लायी गयी थी। इसके अलावा, यह भी सामने आया है कि प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के तहत वर्ष 2020-21 के लिए इस प्राधिकरण द्वारा वीओटी ऑपरेटरों के लिए घोषित किए गए प्रशुल्क के 60 % डब्ल्यूपीआई का लागू सूचकांक 1.13% है। एसओआर में वीसीटीपीएल ने आवश्यक सुधार नहीं किया है। इसलिए, इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित वीसीटीपीएल के प्रस्ताव के अनुरूप वीसीटीपीएल के एसओआर को सही किया गया है। कहने का तात्पर्य यह है कि, वर्ष 2020-21 के लिए संशोधित एसओआर के लिए 1.13% के सही सूचकांकन घटक को लागू करना निर्धारित किया गया है, जबकि मौजूदा सभी प्रशुल्क मर्दों के प्रशुल्क के लिए 2.56% के मुकाबले खाली कंटेनरों के लिए समेकित शुल्कों में 9 प्रतिशत की प्रस्तावित कटौती, भंडारण शुल्क में 42% की वृद्धि, को छोड़ कर वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित ट्रांसशिपमेंट कंटेनर के लिए निः शुल्क अवधि में कमी और 1 अमेरिकी \$=रु.74.27 की विनिमय दर पर विदेशी कंटेनर के लिए यूएस \$ में पांच प्रशुल्क मर्दों के रूपांतरण के निर्धारण के अलावा लागू किया गया है।
- (xiv) यहां यह बताना प्रासंगिक है कि प्राधिकरण ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क, राजस्व विभाग, द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 38/2018 कस्टम (एनटी) दिनांक 11 मई 2018 के संदर्भाधीन पोतों और कार्गो के लिए जो श्रीलंका या बांग्लादेश के प्रादेशिक जल के माध्यम से एक भारतीय बंदरगाह से दूसरे भारतीय बंदरगाह तक आता जाता है, रियायती तटीय शुल्क के मद्देनजर, वित्त विभाग के आदेश सं.टीएएमपी/53/2015-वीओसीपीटी दिनांक 25 सितंबर 2015 के अनुकरण के लिए सभी महात्तन न्यासों और वीओटी ऑपरेटरों द्वारा संचालन के लिए दिनांक 26 नवंबर 2015 को एक सामान्य आदेश सं.टीएएमपी/53/2015-वीओसीपीटी पारित किया था। वीसीटीपीएल इसको शामिल करने के लिए सहमत हो गया था, लेकिन 25 सितंबर 2018 के आदेश में निर्धारित प्रावधानों को शामिल नहीं किया गया है। वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तावित प्रावधानों को हाल के आदेश में इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित संशोधित प्रावधानों के साथ अद्यतित किया गया है।
- (xv) अनिवार्य उपयोगकर्ताओं के लिए शुल्क की मूल रूप से इस प्राधिकरण के आदेश क्रमांक टीएएमपी/46/2018-एमयूसी दिनांक 08 जून 2018 द्वारा अनुमोदित दर, बाद में प्रशुल्क को नियंत्रित करने वाले प्रासंगिक नोटों सहित निर्धारित दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा विकास निगम (डीएमआईसीडीसी) के प्रस्ताव के आधार पर इस प्राधिकरण के आदेश सं. टीएएमपी/12/2019-एमयूसी दिनांक 24 जुलाई 2019 के अनुसार संशोधित की गई है। वीसीटीपीएल ने प्रस्तावित दरों को नियंत्रित करने वाले नोट्स का प्रस्ताव किया है। यह देखते हुए कि एमयूसी के लिए निर्धारित दरों की वैधता, आदेश सं.टीएएमपी/53/2015-वीसीटीपीएल के संशोधित एसओआर की वैधता से भिन्न होगी, केवल एक नोट का उल्लेख उचित होगा कि एमयूसी अलग सामान्य पंजीकरण आदेश संख्या टीएएमपी/ 46/2018- एमयूसी दिनांक 24 जुलाई 2019 द्वारा शासित होगा। को सभी प्रमुख पोर्ट ट्रस्टों और वीओटी टर्मिनलों द्वारा सामान्य रूप से अनुकरण करने के लिए टीएएमपी द्वारा अनुमोदित किया गया था।
- (xvi) डॉलर की शर्तों में कुछ मर्दों के रूपांतरण के मद्देनजर, वीसीटीपीएल ने अमेरिकी डॉलर के मूल्य-वर्गित प्रशुल्क को भारतीय रुपए में फिर से रूपांतरित करने से संबंधित एक नए नोट का प्रस्ताव दिया है और यूएस के नए शब्दों में निर्दिष्ट कंटेनर शुल्क के फिर से रूपांतरण के लिए प्रक्रिया का भी उल्लेख किया है। प्रस्तावित उक्त नोट प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के खंड 5.5.1 के अनुसार है। इसलिए, कथित आशोधन मान्य है।

- (xvii). वीसीटीपीएल से अनुरोध किया गया था कि विलंबित भुगतानों पर व्याज दर से संबंधित प्रस्तावित एसओआर के खंड 1.2 के तहत सामान्य नोट नं(v) (ख), प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के क्लॉज 5.4.1 के अनुरूप प्रस्तावित 16.75% की तुलना में कम करके 15% तक संशोधित किया जा सकता है। वीसीटीपीएल ने ऐसा करने के लिए सहमति व्यक्त की है, लेकिन यह देखा गया है कि वीसीटीपीएल ने प्रस्तावित एसओआर में कोई सुधार नहीं किया है। इसलिए, प्रस्तावित एसओआर को उस सीमा तक संशोधित किया गया है।
- (xviii). वीसीटीपीएल ने प्रस्तावित एसओआर में ट्रांसशिपमेंट कंटेनरों की मौजूदा निशुल्क अवधि को 30 दिनों से घटाकर 15 दिन करने का प्रस्ताव दिया है। हालाँकि, संशोधित कम किए गए स्लैब, फॉर्म 4 में उल्लेखित राजस्व अनुमान में परिलक्षित नहीं होते हैं। वीसीटीपीएल को उसे फॉर्म 4 में सही करने का अनुरोध किया गया था। हालाँकि, यह देखा गया है कि वीसीटीपीएल ने फॉर्म -4 में इस संबंध में कोई सुधार नहीं किया है। इसलिए, हमारे द्वारा संशोधित फॉर्म -4 में कथित संशोधनों को शामिल किया गया है। इसके अलावा, वीसीटीपीएल को यह पुष्टि करनी थी कि ट्रांसशिपमेंट कंटेनर के लिए निशुल्क अवधि कम होने के कारण संभावित अतिरिक्त राजस्व को राजस्व अनुमान में उल्लेखित किया गया है। इस संबंध में, वीसीटीपीएल ने पुष्टि की है कि वर्तमान में ट्रांसशिपमेंट के भंडारण से कोई राजस्व प्राप्त नहीं हुआ है। यदि निशुल्क अवधि कम हो जाती है तो भी इससे कोई राजस्व प्राप्त नहीं होगा और इसलिए किसी भी राजस्व का अनुमान नहीं किया जा सकता है।
- (xix). प्रशुल्क दिशानिर्देशों, 2019 के खंड 2.12 के अनुसार, भारत सरकार द्वारा प्रासंगिक वर्ष की 1 जनवरी से 31 दिसंबर के बीच होने वाले थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भिन्नता के 60% की सीमा तक मुद्रास्फीति को वार्षिक रूप से सूचकांकित किया जाएगा। इस तरह के समायोजित एसओआर प्रासंगिक वर्ष के 1 मई से अगले वर्ष के 30 अप्रैल तक लागू होंगे। वीसीटीपीएल ने इस संबंध में किसी भी नोट प्रस्ताव नहीं किया है। वर्तमान संशोधन में, वर्ष 2020-21 के प्रशुल्क में 1.13% का वार्षिक सूचकांक पहले से ही उल्लेखित किया गया है। ऐसा होने के कारण, वे 1 मई 2021 से शुरू होने वाले वर्ष 2021-22 के लिए प्रशुल्क में वार्षिक सूचकांकन के हकदार हैं। इसलिए, इस आशय का एक उपयुक्त नोट शामिल किया गया है कि एसओआर प्रासंगिक वर्ष की 1 जनवरी से 31 दिसंबर के बीच होने वाले इस प्राधिकरण द्वारा थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में भिन्नता के 60% की सीमा तक मुद्रास्फीति के लिए स्वसंचालित वार्षिक सूचकांकन के अध्याधीन है। इस तरह के समायोजित एसओआर प्रासंगिक वर्ष के 1 मई से अगले वर्ष के 30 अप्रैल तक लागू होंगे। पहला वार्षिक सूचकांकन 1 मई 2021 से होगा। सूचकांकित एसओआर को वीपीटीएलएल द्वारा वीपीटी, संबंधित उपयोगकर्ताओं और इस प्राधिकरण को सूचित किया जाना चाहिए।
- (xx). प्रशुल्क दिशानिर्देश का 2019 के खंड 4.9 में, तीन साल की प्रशुल्क वैधता चक्र निर्धारित करता है जो खंड 2 में उल्लिखित वार्षिक सूचकांकन के अध्याधीन है। इसलिए, संशोधित एसओआर की वैधता एसओआर में निर्धारित वार्षिक सूचकांकन खंड के अध्याधीन संशोधित एसओआर के प्रभाव की तारीख से 3 वर्ष की अवधि तक के लिए निर्धारित है।
- (xxi). प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 4.8, में कहा गया है कि इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित आदेश राजपत्र में अधिसूचित किए जाने की तिथि से 30 दिनों की समाप्ति के बाद प्रभावी रूप से लागू होंगे। तदनुसार, राजपत्र में अधिसूचना की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के बाद संशोधित एसओआर लागू हो जाएगा। वीसीटीपीएल की मौजूदा एसओआर 6 महीने की अवधि की समाप्ति की तारीख अर्थात् 30 सितंबर 2020 तक या वीसीटीपीएल के संशोधित एसओआर लागू होने तक, या कि मौजूदा एसओआर की वैधता जब तक अधिमानतः बढ़ा नहीं दी जाती या जब तक संशोधित एसओआर लागू नहीं हो जाता, जो भी पहले हो, मान्य है।
- (xxii). (क). प्रशुल्क दिशानिर्देशों के अनुसार, 2019, दरों में निर्धारित दर अधिकतम स्तर के हैं; इसी तरह, रियायतें और छूट निम्नतम स्तर के हैं। वीसीटीपीएल कम दरों और/ या अधिक रियायत और छूट की अनुमति देने के लिए लचीलेपन का प्रयोग कर सकता है।
 (ख). यदि रिकॉर्ड में प्रविष्ट या किसी अन्य औचित्यपूर्ण कारण से कोई स्पष्ट त्रुटि है, तो वीएएसपीएल निर्धारित शुल्क की समीक्षा के लिए आदेश के भारत का राजपत्र में अधिसूचना की तारीख से 30 दिनों के भीतर पर्याप्त औचित्य/ तर्क देता है तो इस प्राधिकरण से संपर्क कर सकता है।

13.1. परिणामतः और ऊपर दिए गए कारणों और सामूहिक सोच विचार के आधार पर, वीसीटीपीएल की दरों के संशोधित दरमान को मंजूरी दी जाती है जिन्हें अलग से अधिसूचित किया जा चुका है।

13.2. भारत के राजपत्र में संशोधित एसओआर को अधिसूचित करने वाले आदेश की अधिसूचना की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के बाद वीसीटीपीएल की शर्तें और संशोधित दरमान स्केल लागू हो जाएंगे और संशोधित एसओआर इस प्रभावी होने की तारीख से तीन साल की अवधि के लिए लागू होंगे और इस प्राधिकरण द्वारा विशेष रूप से विस्तारित न किये जाने पर यह अनुमोदन स्वतः समाप्त हो जाएगा।

13.3. प्रशुल्क दिशानिर्देश, 2019 के क्लॉज़ 7 के अनुसार, वीसीटीपीएल, टीएएमपी को कार्गो प्रहस्तन और शिप वर्थ डे आउटपुट पर निरंतर वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। वर्ष के अंत में 90 दिनों के भीतर वीसीटीपीएल द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। अन्य कोई भी अपेक्षित जानकारी जो टीएएमपीपी द्वारा आवश्यक है, उन्हें समय-समय पर प्रस्तुत की जाएगी।

13.4. वीसीटीपीएल की दरों की अगली समीक्षा के दौरान, वास्तविक राजस्व और वास्तविक ट्रेफिक की तुलना एआरआर और ठीक पिछले प्रशुल्क चक्र में निर्भर प्रहस्तन मात्रा के साथ की जाएगी। अगर, इस तरह की समीक्षा पर, भौतिक और वित्तीय दोनों मापदंडों में भिन्नता $\pm 20\%$ से अधिक है, तो अधिशेष / घाटे को प्रशुल्क दिशानिर्देश 2019 के खंड 3.2.1 के अनुसार अगले प्रशुल्क चक्र की वार्षिक राजस्व मांग में समायोजित किया जाएगा।

टी. एस. बालसुब्रमनियन, सदस्य (वित्त)

[विज्ञापन III/4/असा./329/2020-21]

अनुलग्नक - I (क)

फार्म 1

वीसीटीपीएल द्वारा संचालित महापत्तन न्यासों में कार्यरत बीओटी ऑपरेटरों के लिए प्रशुल्क का निर्धारण करने के लिए प्रशुल्क नीति, 2019 के तहत वार्षिक राजस्व मांग का अभिकलन □				
रूपये लाखों में				
क्रम सं.	विवरण	व1	व2	व3
		2016-17	2017-18	2018-19
(1).	कुल व्यय (लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा के अनुसार)			
(i).	परिचालन व्यय (मूल्यहास सहित)	9,601.22	10,507.73	14,897.01
(ii).	वित्त और विविध व्यय (एफएमई)	1,558.21	1,391.43	1,959.36
	कुल व्यय 1 = (i) + (ii)	11,159.43	11,899.16	16,856.37
(2).	उन मदों के संबंध में समायोजन जहां आईएनडीएस और आईजीएपी के अनुसार आंकड़ों में भिन्नता है (लेखा परीक्षित खातों के अनुसार)			
(i).	मूल्यहास	-260.81	-252.23	-297.66
(ii).	अन्य व्यय आइटम, यदि कोई हो, सूचीबद्ध होना चाहिए			
	कर्मचारी लाभ व्यय	22.70	-3.84	17.94
	सुरक्षा जमा पर अनवाइंडिंग लागत	-0.72	-0.59	-0.46
	रॉयल्टी पर अनवाइंडिंग लागत	-561.99	-623.81	-242.43
	समायोजन का कुल योग 2 = (i) + (ii) + —	-800.81	-880.48	-522.60
(3).	घटाएं समायोजन:			
(i).	पोर्ट को भुगतान की गई वास्तविक रॉयल्टी / राजस्व का अंश	-1,833.42	-1,941.45	-3,119.09
(ii).	ऋण पर व्याज	-415.88	-338.22	-832.48
(iii).	खराब और संदिग्ध ऋणों का प्रावधान	-	-6.68	
(iv).	धीमी गति से गतिशील इन्वेंट्री के लिए प्रावधान		-	
(v).	अन्य प्रावधान, यदि कोई हो			
	कुल 3 = [3 (i) + 3 (ii) + 3 (iii) + 3 (iv) + 3 (v)]	-2,249.29	-2,286.34	-3,951.57

(4).	जोड़ें: टैरिफ गाइडलाइंस, 2019 के खंड 2.2 के अनुसार स्वीकार्य रॉयल्टी / राजस्व शेयर।	898.37	951.31	1,528.36
(5).	कुल समायोजन के बाद कुल व्यय (5 = 1 + 2 + 3 + 4)	9,007.70	9,683.65	13,910.55
(6).	क्रम सं.5 का औसत व्यय = $[व1 + व2 + व3] / 3$			10,867.30
(7).	नियोजित पूंजी			
	(i) सकल स्थायी संपत्ति (संपत्ति, संयंत्र और उपकरण) 31 मार्च को व3 या व3 के 31 दिसंबर को बीओटी ऑपरेटर के अनुसार (आईजीएपी) के अनुसार)			38,338.03
	(ii) जोड़ें: बीओटी ऑपरेटर के अनुसार 31 मार्च वाई 3 या 31 दिसंबर को प्रगति के रूप में प्रगति में पूंजीगत कार्य (लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के अनुसार)			28.08
	(iii) जोड़ें: टैरिफ दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.6 में निर्धारित मानदंडों के अनुसार कार्यशील पूंजी			
	(क) इन्वेंटरी			132.39
	(ख) विविध देनदार			1,354.12
	(ग) नकद			992.62
	(घ) सम (क) + (ख) + (ग)			2,479.13
	(iv) कुल पूंजी कार्यरत [(i) + (ii) - (iii)]			40,845.25
(8).	क्रम सं..7 (iv) पर नियोजित पूंजी पर 16% पर प्रत्यागमा			6,535.24
(9).	वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) 31 मार्च को Y3 या 31 दिसंबर को Y3 के रूप में लागू होती है [(6) + (8)]			17,402.54
(10).	एआरआर में वर्ष व4 के लिए लागू डब्ल्यूपीआई के @ 100% सूचकांकन यदि उदाहरण के लिए व4 2019-20 है, तो लागू डब्ल्यूपीआई 4.26% और वर्ष व4 के लिए सूचकांकित एआरआर (9) 1.0426 होगा			4.26%
(11).	ऊपर सूचीबद्ध क्रम संख्या 10 में दिये गये वार्षिक राजस्व मांग अधिकतम सीमा तक सूचकांकित हैं।			18,143.89
(12).	ऊपर क्रम सं 1 1 में सूचकांकित आंकलित एआरआर अधिकतम सीमा के भीतर प्रस्तावित सूचकांकित राजस्व।			18,143.89

अनुलग्नक - I (ख)**फॉर्म 1**

बीसीटीपीएल द्वारा संचालित मेजर पोर्ट ट्रस्टों में कार्यरत बीओटी ऑपरेटरों के लिए टैरिफ का निर्धारण करने के लिए टैरिफ नीति, 2019 के तहत वार्षिक राजस्व आवश्यकता की गणना और टीएएमपी द्वारा संशोधित।				
रूपये लाखों में				
क्रम सं.	विवरण	व1	व2	व3
		2016-17	2017-18	2018-19

(1).	कुल व्यय (लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा के अनुसार)			
(i).	परिचालन व्यय (मूल्यहास सहित)	9,601.22	0,507.73	14,897.01
(ii).	वित्त और विविध व्यय (एफएमई)	1,558.21	1,391.43	1,959.36
	कुल व्यय 1 = (i) + (ii)	11,159.43	11,899.16	16,856.37
(2).	उन मदों के संबंध में समायोजन जहां आईएनडीएस और आईजीएपी के अनुसार आंकड़ों में भिन्नता है (लेखा परीक्षित खातों के अनुसार)			
(i).	मूल्यहास	-260.81	-252.23	-297.66
(ii).	अन्य व्यय आइटम, यदि कोई हो, सूचीबद्ध होता चाहिए			
	कर्मचारी लाभ व्यय	22.70	-3.84	17.94
	सुरक्षा जमा पर अनवाइडिंग लागत	-0.72	-0.59	-0.46
	रॉयल्टी पर अनवाइडिंग लागत	-561.99	-623.81	-242.43
	समायोजन का कुल योग 2 = (i) + (ii) + —	-800.81	-880.48	-522.60
(3).	घटाएं समायोजन:			
(i).	पोर्ट को भुगतान की गई वास्तविक रॉयल्टी / राजस्व का अंश	-1,833.42	-1,941.45	-3,119.09
(ii).	ऋण पर व्याज	-415.58	-338.14	-831.30
(iii).	खराब और संदिग्ध ऋणों का प्रावधान	-	-6.68	
(iv).	धीमी गति से गतिशील इन्वेंट्री के लिए प्रावधान		-	
(v).	अन्य प्रावधान, यदि कोई हो			
	कुल 3 = [3 (i) + 3 (ii) + 3 (iii) + 3 (iv) + 3 (v)]	-2,248.99	-2,286.26	-3,950.39
(4).	जोड़ें: टेरिफ गाइडलाइंस, 2019 के खंड 2.2 के अनुसार स्वीकार्य रॉयल्टी / राजस्व शेयर।	898.37	951.31	1,528.36
(5).	कुल समायोजन के बाद कुल व्यय (5 = 1 + 2 + 3 + 4)	9,008.00	9,683.73	13,911.73
(6).	क्रम सं.5 का औसत व्यय = $[व1 + व2 + व3] / 3$			10,867.82
(7).	नियोजित पूंजी			
	(i) सकल स्थायी संपत्ति (संपत्ति, संयंत्र और उपकरण) 31 मार्च को व3 या व3 के 31 दिसंबर को बीओटी ऑपरेटर के अनुसार (आईजीएपी) के अनुसार			38,338.03
	(ii) जोड़ें: बीओटी ऑपरेटर के अनुसार 31 मार्च वाई 3 या 31 दिसंबर को प्रगति के रूप में प्रगति में पूंजीगत कार्य (लेखा परीक्षित वार्षिक खातों के अनुसार)			28.08
	(iii) जोड़ें: टेरिफ दिशानिर्देश, 2019 के खंड 2.6 में निर्धारित मानदंडों के अनुसार कार्यशील पूंजी			
	(क) इन्वेंटरी			132.39
	(ख) विविध देनदार			464.27
	(ग) नकद			935.32
	(घ) सम (क) + (ख) + (ग)			1,531.99
	(iv) कुल पूंजी कार्यरत [(i) + (ii) - (iii)]			39,898.10
(8).	क्रम सं.7 (iv) पर नियोजित पूंजी पर 16% पर प्रत्यागमा			6,383.70
(9).	वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) 31 मार्च को Y3 या 31 दिसंबर को Y3			17,251.52

	के रूप में लागू होती है [(6) + (8)]	
(10).	एआरआर में वर्ष व4 के लिए लागू डब्ल्यूपीआई के @ 100% सूचकांकन यदि उदाहरण के लिए व4 2019-20 है, तो लागू डब्ल्यूपीआई 4.26% और वर्ष व4 के लिए सूचकांकित एआरआर (9) 1.0426 होगा	4.26%
(11).	वर्ष 2020-21 के लिए एआरआर में @ 100% डब्ल्यूपीआई के लिए @ 1.88% लागू सूचकांकन।	1.88%
(12).	ऊपर सूचीबद्ध क्रम संख्या 10 और 11 में दिये गये सूचकांकन घटक लागू करने के पश्चात वार्षिक राजस्व मांग अधिकतम सीमा तक सूचकांकित	18,324.57
(13).	ऊपर क्रम सं 11 में सूचकांकित आंकलित एआरआर अधिकतम सीमा के भीतर प्रस्तावित सूचकांकित राजस्व।	18,320.73
नोट: वीसीटीपीएल ने वार्षिक लेखा परीक्षित खातों में दर्ज किए गए कुल व्यय और सीएफएस से संबंधित व्यय जिसे शामिल नहीं किया गया है मिलान विवरण प्रस्तुत किया है।		

अनुलग्नक - II

विशाखा कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड

(रूपये लाखों में)

वीसीटीपीएल की 2017-18 से 2019-20 की पिछली अवधि के निष्पादन का वीसीटीपीएल द्वारा प्रस्तुत और टीएएमपी द्वारा संशोधित विश्लेषण

क्रम सं.	विवरण	दिनांक 31.07.2018 के टैरिफ समीक्षा आदेश में भरोसा किया				वास्तविक				प्रतिशतता में विचलन (%)
		2017-18	2018-19	2019-20	Total	2017-18	2018-19	2019-20 (अस्थायी)	कुल	
	यातायात (टीईयू में)	388,289	416,000	436,000	1,240,289	388,289	450,427	502,750	1,341,466	8.16%
	इष्टतम क्षमता	474,500	474,500	474,500	1,423,500.00	474,500	474,500	474,500	1,423,500.00	
I	कुल परिचालन आय									
	कंटेनर संभाल आय	11708.19	13120.38	14181.66	39,010.23	13,953.10	16,675.24	18,902.27	49,530.61	
	अन्य	2170.19	2214.58	2298.53	6,683.29	4415.88	6114.21	6087.45	16,617.54	
	कुल	13878.38	15334.96	16480.19	45,693.53	18,368.97	22,789.46	24,989.72	66,148.15	44.76%
II	परिचालन लागत (मूल्यहास को छोड़कर)									
	संचालन और प्रत्यक्ष श्रम	461.88	480.54	490.16	1,432.58	483.80	531.52	579.95	1,595.27	
	रखरखाव श्रम	490.68	543.09	553.99	1,587.76	486.15	532.93	581.50	1,600.58	
	उपकरण चलाने की लागत	1620.39	2137.54	2281.98	6,039.91	1,372.83	1,768.05	1,759.47	4,900.34	
	रॉयल्टी / राजस्व हिस्सेदारी	951.31	1401.40	1602.30	3,955.01	951.31	1,528.36	1,847.61	4,327.27	
	उपकरण किराया	1277.99	1358.47	1429.95	4,066.40	1,319.82	1,454.19	1,554.81	4,328.82	
	किराया देय	468.14	477.50	487.05	1,432.70	85.26	928.54	551.26	1,565.06	

	बीमा	112.44	283.97	331.54	727.96	114.01	138.84	162.16	415.01	
	अन्य खर्च	564.19	593.33	611.45	1,768.96	788.50	872.79	951.63	2,612.92	
	तकनीकी सेवा शुल्क	61.77	61.77	61.77	185.32	113.24	123.02	164.58	400.84	
	कुल	6,008.80	7,337.61	7,850.20	21,196.61	5,714.91	7,878.24	8,152.96	21,746.11	2.59%
III	मूल्यहास	1,666.10	3,196.23	3,383.07	8,245.40	1,522.50	2,687.84	2,710.75	6,921.09	-16.06%
IV	ओवरहेड्स									
	प्रबंधन और प्रशासन ओवरहेड्स	1680.68	1714.29	1748.58	5,143.55	1905.44	2343.26	2863.91	7,112.60	
	प्रारंभिक व्यय और अग्रिम भुगतान राइट-ऑफ	12.53	12.53	12.53	37.58	0	0	0	0	
	योग	1,693.21	1,726.82	1,761.10	5,181.13	1,905.44	2,343.26	2,863.91	7,112.60	37.28%
V	परिचालन अधिशेष / (घाटा) (I) - (II) - (III) - (IV)	4,510.27	3,074.30	3,485.82	11,070.39	9,226.12	9,880.12	11,262.11	30,368.35	
VI	वित्त और विविध आय (एफएमआई)									
	अन्य	15.00	15.00	15.00	45.00	30.52	242.05	17.65	290.22	
	कुल	15.00	15.00	15.00	45.00	30.52	242.05	17.65	290.22	
	वित्त और विविध व्यय (एफएमई)									
VII	भविष्य निधि में योगदान									
	संपत्ति और अन्य की विक्री पर नुकसान	151.19	154.22	157.30	462.72	117.77	115.16	122.74	355.67	
	बीसीटीपीएल द्वारा समीक्षा आवेदन के आधार पर विदेशी मुद्रा ऋणों के पुनर्भुगतान पर विदेशी मुद्रा का नुकसान					-0.08	0.87	1.54	2.33	
	बीसीटीपीएल द्वारा समीक्षा आवेदन के आधार पर विदेशी मुद्रा ऋणों के पुनर्भुगतान पर विदेशी मुद्रा का नुकसान					429.70	884.00	564.80	1,878.50	
	योग	163.05	179.36	197.30	539.71	547.40	1,000.03	689.07	2,236.50	
VIII	एफएमआई कम एफएमई (VI) - (VII)	(148.05)	(164.36)	(182.30)	(494.71)	(516.87)	(757.98)	(671.42)	(1,946.28)	
IX	ब्याज और कर से पहले अधिशेष (V) + (VIII)	4,362.22	2,909.94	3,303.52	10,575.68	8,709.25	9,122.13	10,590.69	28,422.07	
X	नियोजित पूंजी	23091.81	21103.73	21902.78	22,032.77	23203.30	22303.74	19677.14	21,728.06	-1.38%
XI	16% की पूंजी नियोजित पर लौटे	3694.69	3376.60	3504.44	10,575.73	3712.53	3568.60	3148.34	10,429.47	-1.38%

XII	निवल अधिशेष	667.53	(466.66)	(200.92)	(0.05)	4996.72	5553.54	7442.35	17,992.61	
XIII	वर्ष 2017- 18 का अनुमानित अधिशेष वर्ष 2018-19 और 2019- 20 के लिए प्रोराटा आधार पर समायोजित किया गया	556.27	278.14	278.14		-	-	-	-	
XIV	शुद्ध अधिशेष / (घाटा) (XIII) - (XIII)	111.25	-188.52	77.21	(0.05)	4996.72	5553.54	7442.35	17,992.61	
XV	ऑपरेटिंग आय के % के रूप में शुद्ध अधिशेष / (कमी) (XIV / I% में)	0.80%	-1.23%	0.47%		27.20%	24.37%	29.78%		
XVI	परिचालन आय का % के रूप में औसत शुद्ध अधिशेष / (घाटा)	0.01%				27.12%				

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

Mumbai, the, 20th October, 2020

No. TAMP/17/2020-VCTPL.—This Authority, in exercise of the powers conferred on it under Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), had disposed of the proposal received from the Visakha Container Terminal Private Limited (VCTPL) for General revision of its Scale of Rates under Tariff Guidelines, 2019, in the Meeting of this Authority held on 08 September 2020. However, considering the time involved for notifying (Speaking) Order along with the Scale of Rates, approved by this Authority, this Authority decided to notify only the revised Scale of Rates immediately. Accordingly, the revised Scale of Rates approved by this Authority on 08 September 2020 was notified in the Gazette of India on 6 October 2020 vide Gazette No.415. It was stated in the said Notification that this Authority will notify the Speaking Order, in due course of time. Accordingly, this Authority hereby notifies the Speaking Order connected with disposal of the proposal of the VCTPL for general revision of its Scale of Rates as in the Order appended hereto.

Tariff Authority for Major Ports

Case No.TAMP/17/2020-VCTPL

Visakha Container Terminal Private Limited

- - -

Applicant

QUORUM:

- (i). Shri. T.S. Balasubramanian, Member (Finance)
- (ii). Shri. Rajat Sachar, Member (Economic)

ORDER(Passed on this 8th day of September 2020)

The Visakha Container Terminal Private Limited (VCTPL) vide its e-mail dated 02 April 2020 has forwarded a proposal dated 01 April 2020 for general revision of its Scale of Rates (SOR).

2. The existing SOR of VCTPL was last approved by this Authority vide Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017 which was notified in the Gazette of India on 21 December 2017 vide Gazette No.480. In the said Order, status quo was maintained as against 23.30% increased sought by VCTPL in the composite handling rate for import and export containers. Subsequently, this Authority has passed an Order No.TAMP/7/2018-VCTPL dated 31 July 2018 disposing of the Review Application filed by VCTPL which was notified vide Gazette No.331 dated 29 August 2018. Based on review application filed by VCTPL, in the Order dated 31 July 2018, this Authority has granted 10.44% increase in the composite handling rate for import and export container based on the cost position reflected on processing the review application filed by VCTPL. Both the Orders prescribe the validity of the SOR till 31 March 2020.

3. The Ministry of Shipping (MOS) vide its letter No.PR-14019/20/2009-PG (Pt.IV) dated 05 March 2019 has issued a Tariff Guidelines for BOT operators operating in all Major Port Trusts and previously governed by 2005 Tariff Guidelines in exercise of powers conferred on it by Section 111 of the Major Port Trusts Act, 1963, and directed this Authority to act accordingly with immediate effect. The Tariff Guidelines for BOT operators operating in Major Port Trust and previously governed by 2005 Tariff Guidelines has been notified in the Gazette of India Extraordinary (Part III Section 4) on 07 March 2019 vide Gazette No.92 and communicated to all the concerned BOT operators vide our letter No.TAMP/61/2018-Misc. dated 08 March 2019. Thereafter, as per Clause 1.7 of the Tariff Policy, 2019, Working Guidelines to operationalize the Tariff Policy is notified in the Gazette of India vide Gazette No.244 dated 11 July 2019 after consultation with Major Port Trusts and the BOT operators governed under the erstwhile 2005 Tariff Guidelines which is also hosted on the website of TAMP and communicated to all the concerned BOT operators including VCTPL.

4. The VCTPL vide its e-mails dated 20 March 2020 and 31 March 2020 stated that due to COVID-19 lock down condition prevailing in the country, VCTPL was unable to finalise the proposal. However, VCTPL agreed to send the requisite information as early as possible. In the meanwhile, VCTPL requested to extend the validity of the existing SOR of VCTPL which was valid up to 31 March 2020 till the revised SOR comes into force. This was followed by reminder e-mail dated 06 May 2020. On the request made by the VCTPL, the validity of the existing SOR of the VCTPL was extended for a period of six months from the date of its expiry till 30 September 2020 or till the revised SOR comes into effect and communicated to the VCTPL vide our letter No.TAMP/7/2018-VCTPL dated 13 May 2020.

5.1. In this backdrop, the VCTPL has filed its proposal dated 01 April 2020 for general revision of its SOR, following Tariff Guidelines, 2019 for fixation of tariff for a period of three years. The submission made by VCTPL are as follows:

- (i). The tariff proposal has been prepared in the prescribed formats furnishing information based in the financial years 2016-17 to 2018-19. Actual expenditures as per Audited financials for 2016-17, 2017-18 and 2018-19 have been provided in the proposal.
- (ii). The audited financials of VCTPL are prepared as per IND AS. Hence, Form 6A and 6B have been provided with detailed reconciliation between Audited Accounts and Cost Statement.
- (iii). Capital employed for FY 2018-19 has been calculated as per clause 2.5 of the Tariff Guidelines, 2019.
- (iv). ARR has been estimated in Form 1.
- (v). Revenue has been estimated in Form 4 at the proposed SOR within the ceiling indexed ARR. The following increase/ decrease is proposed in the SOR:
 - (a). VCTPL is an export driven gateway terminal. Shipping lines have to reposition empty containers to cater to the export volume. Since there is additional cost to the shipping lines for repositioning these empties, VCTPL extend its support to its customers to meet the demand gap by repositioning empties with reduces cost and offer better freight rates to the Exports. Reduction of 9% in the existing SOR in composite rate of empty container handling charges under clause 1.1 (b) is proposed. This small step would cater to increase in exports from VCTPL which would benefit to the exporters, shipping lines and the VPT.
 - (b). Proposed an increase in charges for storage of containers under clause 1.10 of existing SOR by 42% and reduction in free period under clause 1.10 (f).

VCTPL anticipates increased share of Transhipments and ICD bound containers in coming

years. Currently, ICD bound containers handled by Rake inside VCTPL are enjoying 15 days free period, which VCTPL would like to continue. Therefore, in order to decongest the terminal and optimize the yard, VCTPL proposes to increase the storage charges by 42% to deter keeping containers lying at VCTPL beyond the prescribed free period. EXIM containers are bound either factory or CFS. Moreover, since Vizag has already 8 CFSs at present, the Containers can be evacuated faster. Transshipment containers are having free period of 30 days. VCTPL also proposes to reduce the free period of Transshipment containers from 30 days to 15 days for effective yard utilization and increase in capacity.

- (c). No change is proposed in other Tariff items:

The proposal for Tariff has been un-changed under clause nos.1.1 (a), 1.1 (c), 1.2, 1.3, 1.4, 1.5, 1.6, 1.7, 1.8, 1.9, 1.11 to 1.12 and other services under clause 2.

- (d). To apply for WPI on the base Tariff of 2019-20.

As per the Working Guidelines, the base tariff for 2019-20 has been arrived after incorporating the proposal under (a) & (b) in the aforesaid para. VCTPL requests this Authority to apply the applicable WPI for 2020-21, the first year of the next tariff cycle to the base tariff arrived for 2019-20 as per Form-1 and Form-4.

The proposed tariff after incorporating the existing WPI of 2.56% (60% of 4.26%) for FY 2020-21, 2021-22 and 2022-23 are kept in Form-5.

[The WPI indexation announced by this Authority is 1.88% for indexation of SOR and 1.13% i.e. 60% for indexation of tariff for the year 2020-21 effective from 1 May 2020.]

- (e). Proposal to convert in USD for tariff items under clause 1.4, 1.5, 1.7, 1.8 and 1.10:

Currently, VCTPL is exposed to foreign currency fluctuations on account of expenditure incurred for annual maintenance contract fee for the TOS software, technical fee, import of critical spares and repayment of foreign currency loan availed for the imports of cranes, interest payments of the foreign currency loan. The average foreign currency outflow in the next tariff cycle would be USD 33,92,346. The equivalent INR exposure would be ₹24 crores p.a. ARR as per Form-1 is ₹174.03 crores p.a. Therefore, the forex expenditure constitutes 14% of the average revenue p.a. VCTPL proposes to convert 8% of its INR based tariff into US Dollar based tariff to overcome the impact of foreign currency fluctuations and savings in the valuable forex reserves of our nation.

- (i). Following is VCTPL proposal to convert the relevant tariff items in the SOR to US Dollar based tariff:

Clause in SOR	Tariff description	Average revenue INR in crores as per Form 4
1.4	With landing Hatch cover on the quay –Foreign going	1.55
1.5	Shifting of containers within vessel (Re-stows):	
	Loaded or empty container shifted by landing and reshipping	0.29
1.7	Charges for supply of electricity (including connecting and disconnecting, monitoring at reefer yard) 4 hours or part thereof.	6.23
1.8	Charges for shut out containers	0.57
1.10	Storage charges	5.18
	Average revenue	₹13.82 crores
	Total of ARR as per Form-1	₹174.03 crores
	% of revenue to convert to US dollar based tariff	8%

- (ii). Details of expenditures in foreign currency in next tariff cycle:

USD outflow in next 3 years:	FY20	FY21	FY22	FY23
Management fee	1,75,000	1,75,000	1,75,000	1,75,000
AMC	66,792	92,000	92,000	92,000
Import of spares	25,600	25,600	25,600	25,600
Interest on FCNR	7,12,292	13,69,014	11,97,887	10,26,761
Re-payment of FCNR loan	9,50,704	19,01,408	19,01,408	19,01,408
Membership fee	429	450	450	450
Total USD outflow	19,30,817	35,63,473	33,92,346	32,21,219
Average USD outflow in next tariff cycle	33,92,346			
INR outflow	₹24.09 crores			
Total ARR as per Form-1	₹174.03 crores			
% of Forex expenditure of ARR	14%			

Therefore, out of 14% forex expenditure, VCTPL proposes to cover 8% of revenue in terms of US dollar based tariff.

In this regard, SOR of NSICTPL dated 03 March 2020 under Tariff Guidelines, 2019 may kindly be referred to Section 5 (Hatch covers for vessels), Section 6 (Re-stow of containers), Section 7 (Shut out of containers), Section 8 (Reefer monitoring services) and Section 9 (Dwell time charges) which are denominated in US dollar terms.

- (f). Data confidentiality clause 4.3 of Tariff Guidelines:

In accordance with clause 4.3 of the Tariff Guidelines, VCTPL requests this Authority not to circulate the information furnished in Forms 1, 2, 3 and 4 and other supporting workings which are commercially sensitive and confidential in nature.

- (g). Separate Agreement with the VPT vide clause 1.9 of Tariff Guidelines, 2019:

As per clause 1.9 of Tariff Guidelines, 2019, “the BOT operator shall continue to abide by the provisions contained in the existing Concession Agreement entered into with the concerned Major Port Trust. Simultaneously, the BOT operator shall agree to abide by these guidelines, by way of a separate agreement with the concerned Major Port Trust.”

VCTPL is separately approaching the VPT for compliance of the above.

- (h). Submission of documents:

VCTPL has furnished herewith the following documents/ information along with the proposal as per Tariff Guidelines, 2019 and Working Guidelines issued by TAMP to operationalise the Tariff Guidelines, 2019:

- (i). Copies of each of Audited Annual Accounts for FYs 2016-17 to 2018-19.
- (ii). Prescribed Forms – as per Working Guidelines, 2019 – Form-1, Form-2, Form-3, Form-4, Form-5, Form-6A, Form-6B and Form-7 are furnished.
- (iii). Soft copies of the proposal furnished by email and CD (PDF documents).

- (i). Extension project and change in volume composition:

Last 3 years average volume is 4,01,800 TEUs as stated in Form-4. Vizag volume is purely dependent on its hinterland volume. The growth of the volume in the next tariff cycle will be extremely low considering the fact that owing to COVID 19 and its impact on the economy. The severity of the impact can be assessed from the facts that:

- (i). International Monetary Funds (IMF) indicated that Global economy has already entered a severe recessionary phase.

- (ii). Reserve Bank of India as well as International Rating Agency's projection regarding sharp reduction in GDP forecast for FY 2020-2021 to as low as 2% to 2.5%.

Considering the above, achieving an average volume of 4,01,800 p.a. in the next tariff cycle will be an extremely difficult task.

- (j). In addition to above, as per the Concession Agreement between VPT and VCTPL, an extension project of 395 meters of quay length with back up area of 17 hectares will be functional by 1st quarter of FY 2021-22. As this facility will have advanced infrastructure and modern equipment, it is expected that 50% to 60% of the existing volume level may be diverted, as majority of shipping lines with larger vessels will berth their vessels at VCTPL II.
- (k). Impact of COVID 19 and expansion of VCTPL II, will make it extremely difficult for VCTPL to achieve the volume level of 4,01,800 TEUs.

However, VCTPL shall be trying its best to achieve these targeted numbers through Coastal Containers and Transhipments. In the next tariff cycle period, VCTPL is expecting that the volume split will be as follows:

- (i). OD (Origin Destination) - 70%
- (ii). Transhipment - 25%
- (iii). Coastal - 5%

Basis the above assumption, VCTPL has furnished self-certified Form-1 and Form-4 with this proposal for perusal of TAMP.

5.2. The VCTPL has furnished detailed computation of ARR under Form-1 and Revenue estimation at the proposed rate in Form-4.

- (i). A summary position of ARR computation furnished by VCTPL is tabulated below:

(₹ in lakhs)

Sl. No.	Description	Y1	Y2	Y3
		2016-17	2017-18	2018-19
(1).	Total Expenditure (As per Audited Annual Accounts)			
(i).	Operating expenses (including depreciation) [excludes CFS]	9,601.22	10,508	14,897
(ii).	Finance and Miscellaneous expenses (FME) [excludes CFS]	1,558.21	1,391	1,959
	Total Expenditure 1=(i)+(ii)	11,159.43	11,899	16,856
(2).	Adjustments in respect of items where there is variation in figures reported as per INDAS (as per Audited Accounts) and IGAAP			
(i).	Depreciation	(260.81)	(252)	(298)
(ii).	Other expenditure items, if any, to be listed			
	Employee benefits expense	22.70	(4)	18
	Unwinding cost on security deposit	(0.72)	(1)	0
	Unwinding cost on Royalty	(561.99)	(624)	(242)
	Total of Adjustments 2=(i)+(ii)+ -----	(801)	(880)	(523)
(3).	Less Adjustments:			
(i).	Actual Royalty/ Revenue share paid to the port	(1,833)	(1,941)	(3,119)
(ii).	Interest on loans	(416)	(338)	(832)

(iii).	Provision for bad and doubtful debts	-	(7)	-
(iv).	Provision for slow moving inventory	-	-	-
(v).	Other provisions, if any	-	-	-
	Total of 3=[3(i)+3(ii)+3(iii)+3(iv)+3(v)]	(2,249)	(2,286)	(3,952)
(4).	Add: Admissible Royalty/ Revenue Share as per Clause 2.2. of the Tariff Guidelines, 2019	898	951	1,528
(5).	Total Expenditure after Total Adjustments (5 = 1+2+3+4)	9,008	9,684	13,911
(6).	Average Expenses of Sl. No.5 = [Y1 + Y2 + Y3] / 3	10,867		
(7).	Capital Employed			
	(i). Gross Fixed Assets (Property, Plant & Equipment) as on 31st March Y3 or 31 December of Y3 followed by the BOT operator (As per IGAAP)	38,338		
	(ii). Add: Capital Work in Progress as on 31st March Y3 or 31 December of Y3 followed by the BOT operator (As per Audited Annual Accounts)	28		
	(iii). Add: Working Capital as per norms prescribed in clause 2.6 of the Tariff Guidelines, 2019			
	(a). Inventory	132		
	(b). Sundry Debtors	1,354		
	(c). Cash	993		
	(d). Sum of (a)+(b)+(c)	2,479		
	(iv). Total Capital Employed [(i)+(ii)-(iii)]	40,845		
(8).	Return on Capital Employed 16% on Sl. No.7(iv)	6,535		
(9).	Annual Revenue Requirement (ARR) as on 31 March 2019 [(6)+ (8)]	17,403		
(10).	Indexation in the ARR @ 100% of the WPI applicable for the year Y4 i.e. 2019-20 [indexed ARR for the year Y4 will be (9) x 1.0426]	4.26%		
(11).	Ceiling Indexed ARR as given in Sr. No.10 above.	18,144		
(12).	Revenue Estimation at the Proposed indexed SOR within the Ceiling indexed ARR estimated at Sl. No.11 above	18,144		

- (ii). The VCTPL has furnished the working of revenue estimation for the existing tariff as well as for the proposed tariff in Form 4 for the average of the actual traffic handled by the BOT operator during the years Y1, Y2 and Y3. As per the said form, the total revenue estimated at the proposed level of tariff is ₹18,143.89/- lakhs.

5.3. The VCTPL has also furnished Form Nos.1, 4, 6A and 7 duly certified by the practicing Chartered Accountant.

5.4. The VCTPL has proposed increase/ (decrease) to meet the estimated ARR as given below:

Descriptions	% Increase / Decrease	
	Foreign	Coastal
Container operations		
Composite rate for handling import and export containers	-9% to 0%	-9% to 0%
Hazardous / OOG containers	0%	0%
Handling of Transhipment containers	0%	0%
Lift on or off	0%	0%
Hatch cover handling for one operation (both opening and closing) (with/without landing hatch cover on the quay)	0%	0%
Shifting of containers within vessel	0%	0%
Internal transportation	0%	0%
Reefer related and other general services	0%	0%
Charges for a shut out container	0%	0%
Additional container charges	0%	0%
Charges for storage of containers	42%	42%
Charges for removal of garbage	0%	0%
Charges for supply of fresh water	0%	0%
Other services	0%	0%

6. As brought out earlier, the VCTPL has requested not to circulate Form Nos.1, 2, 3 and 4 and other supporting workings reported to be commercially sensitive and confidential in nature. It was brought to the notice of VCTPL while acknowledging the proposal vide our letter dated 15 May 2020 that since Form-1 is a basic ARR computation based on the Audited Annual Accounts, it is circulated. Form-2 is with regard to allowability of royalty/ revenue share as a pass through as per norms and hence the same is circulated. Since Form-3 deals with only computation of working capital as per norms, the same is circulated. Draft Scale of Rates and Form-5 reflecting the comparative position between the existing and proposed rates are also circulated. Form-4 relating to revenue estimation is forwarded only to VPT and not to the Users. This is in line with the approach followed by this Authority in case of general revision of SOR of Nhava Sheva International Container Terminal Private Limited (NSICTPL) who also had requested not to circulate the forms and various documents as they are commercially sensitive.

7.1. In accordance with the consultative procedure prescribed, the proposal of VCTPL dated 1 April 2020 was forwarded to the VPT and concerned users/ user organisations [except Form 4 and the Audited Annual Accounts] seeking their comments vide our letter dated 15 May 2020. The comments received from the VPT and users/ user organisations were forwarded to VCTPL for feedback information. The VCTPL vide its e-mails dated 6 July 2020 has furnished its reply.

7.2. While submitting comments, the VPT has stated that the VCTPL has not forwarded any Audited Annual Accounts till date and hence could not comment on entire proposal. In view of the said point made by VPT and since VPT is the licensor port, the soft copy of Audited Annual Accounts of the VCTPL for the years 2016-17, 2017-18 and 2018-19 was forwarded to VPT vide our e-mail dated 11 June 2020. The VPT was requested to furnish its additional comments, if any, at the earliest not later than 22 June 2020.

7.3. Further, while furnishing reply on the comments of VPT, the VCTPL has stated that they are furnishing every year Audited Accounts as per requirement by VPT officials from time to time on oral communication. VCTPL will send copies of the same again to VPT.

8. Based on the preliminary scrutiny of the, the VCTPL was requested vide our letter dated 15 July 2020 to furnish additional information/ clarifications on a few points. The VCTPL vide its e-mails dated 27 July 2020, 07 August 2020, 17 August 2020 and 20 August 2020 has furnished its reply. A summary of the additional information/ clarifications sought by us and the reply furnished by the VCTPL is tabulated below:

Sl. No.	Information/ clarifications sought by us	Reply furnished by VCTPL
1.	<p>General:</p> <p>As per clause 1.9 of the Tariff Guidelines 2019, the BOT operator shall continue to abide by the provisions contained in the existing Concession Agreement entered into with the concerned Major Port Trust. Simultaneously, the BOT operator shall agree to abide by this guideline, by way of a separate Agreement with the concerned Major Port Trust. The VCTPL in response to the comments of the VPT has vide email dated 06 July 2020 stated that VCTPL has already submitted the draft agreement to the VPT vide its letter No.VCT/VPT/DYCOO 378/2020 dated 17 June 2020. The VCTPL is requested to expedite to furnish a copy of the separate Agreement as per the prescribed format forwarded by the MOS vide letter No.PR-14019/20/2009-PG (PTIV) dated 08 March 2019 to all the Major Port Trusts including the VPT duly signed by the VCTPL and the VPT.</p>	<p>VCTPL has sent the revised draft to VPT for execution. A copy of the draft agreement is attached for reference.</p>
2.	Annual Revenue Requirement (ARR) (Form-1):	
(i).	<p>As per Clause 2.3.2 of Tariff Guidelines, 2019, in case there is variation in the expenditure reported under IND AS and IGAAP, then necessary adjustments need to be done in ARR computation by excluding IND AS figure and considering figures as per IGAAP. In this regard, Form 6A, furnished by the VCTPL shows adjustments under the head “Depreciation and Amortization” and “Other Expenses” (towards Employee Benefit Expenses, Unwinding cost on security deposit and unwinding cost on Royalty) from IND AS to IGAAP for the years 2016-17 to 2018-19 respectively by way of showing as exclusion from the ARR computation. In this regard, the VCTPL is requested to clarify the following:</p>	
	<p>(a). The nature of expenses reported in the Audited Annual Accounts towards unwinding cost on security deposit and unwinding cost on Royalty and treatment given under IND AS for these two items which are considered for exclusion while drawing the statement under IGAAP.</p>	<p>(a). Unwinding cost on Security deposit:</p> <p>VCTPL had paid security deposit to VPT as per the land allotment letter towards lease rent for its terminal land in 2003 and for CFS land in 2015.</p> <p>Under Indian GAAP, security deposit given is being carried at the transaction value as long term as the amount is refundable after 12 months. However, according to requirement of Ind AS 109, Security deposit given is to be discounted at present value using the prevailing market discounting rate on the date of transition to Ind AS and excess of principal amount over its fair value will have to be expenses out on straight line method over the remaining terms of the security deposit.</p> <p>Accordingly in FY 2016-17, an amount of ₹9,01,146 consisting of ₹71,556 for Terminal rent security deposit and ₹8,29,590/- for CFS rent security deposit were the unwinding cost debited to finance cost and credited to Pre-paid exp- noncurrent a/c.</p> <p>Since these are in the nature of finance cost have been excluded from cost statement.</p>

		<p>(b). Unwinding cost on Royalty:</p> <p>Under Ind AS 11, VCTPL needs to recognize the annual fixed royalty payments to Port (royalty on MGT) of future years discounted at present value using the prevailing market discounting rate on the date of transition to Ind AS. The total discounted royalty cost is debited to Intangible assets and credited to Financial liability.</p> <p>For every financial year, the remaining asset value is discounted at Present value and over and above the actual royalty paid on MGT TEUs is debited to unwinding cost of Royalty and credited to financial liability.</p> <p>The actual royalty paid to Port applicable on TEUs handled for the financial year is always debited to Royalty cost above EBITDA line. It is only the future MGT royalty cost present value is debited to finance cost.</p> <p>The overall impact over the remaining project period in Balance sheet and P & L are kept as Annexure 1 for clear understanding.</p> <p>Since there is no impact on actual royalty payment to port, as per IGAAP, which needs to be considered as the cost and the unwinding cost of royalty being only a finance cost in nature, has been ignored (i.e. excluded) from cost statement.</p>																				
	<p>(b). Further, the figure of unwinding of Security deposit as per IND AS in form 6A does not match with the figure reported in the Audited Annual Accounts for each of the years 2016-17 to 2018-19 for this item under the head “Finance cost”. The VCTPL may, therefore, furnish the figures as per IGAAP, IND AS figures duly matching with the Audited Accounts and the differential as per the format prescribed. The differential need to be captured as adjustment in Form 1.</p>	<p>As explained above, the audited accounts unwinding cost of security deposit consist of both for terminal and CFS land lease deposit and forms part of Finance cost in the Annual Accounts. In Form 6B, in FY16-17, 2017-18 and 2018-19, from the total expenditure (includes unwinding cost of security deposit lying in CFS finance cost) as per Annual accounts, first entire expenses of CFS accounts have been excluded under (a), then unwinding cost of Security Deposit and unwinding cost of Royalty of terminal have been excluded under (3) to report the actual expenditure for ARR purpose for the terminal.</p> <p>Unwinding cost of SD break up:</p> <table><tr><td></td><td>FY17</td><td>FY18</td><td>FY19</td></tr><tr><td>Un-winding cost of SD</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>Terminal</td><td>71556</td><td>59266</td><td>45625</td></tr><tr><td>CFS</td><td>829590</td><td>763463</td><td>687902</td></tr><tr><td>Total</td><td>901146</td><td>822730</td><td>733526</td></tr></table>		FY17	FY18	FY19	Un-winding cost of SD				Terminal	71556	59266	45625	CFS	829590	763463	687902	Total	901146	822730	733526
	FY17	FY18	FY19																			
Un-winding cost of SD																						
Terminal	71556	59266	45625																			
CFS	829590	763463	687902																			
Total	901146	822730	733526																			
(ii).	<p>The Annual Accounts of VCTPL reports net foreign exchange loss of ₹0.42 lakhs for the year 2016-17 and ₹ 0.50 lakhs for the year 2017-18. The VCTPL to confirm whether this net foreign exchange loss is on account of actual payment of foreign currency or arising due to restatement of assets to meet the accounting standards. The VCTPL is requested to capture only net foreign exchange loss (after adjusting foreign exchange gain) in respect of actual repayment of foreign exchange. Foreign exchange gain or loss arising on account of restatement of</p>	<p>The detailed break-up of forex loss incurred are furnished vide its e-mail dated 07 August 2020. Summary of the statement is tabulated below:</p> <p style="text-align: right;">(₹ in lakhs)</p> <table><tr><td></td><td>2016-17</td><td>2017-18</td></tr><tr><td>Exchange Gain</td><td>0.33</td><td>0.47</td></tr><tr><td>Exchange Loss</td><td>0.93</td><td>0.89</td></tr><tr><td>Net Loss</td><td>0.60</td><td>0.42</td></tr></table>		2016-17	2017-18	Exchange Gain	0.33	0.47	Exchange Loss	0.93	0.89	Net Loss	0.60	0.42								
	2016-17	2017-18																				
Exchange Gain	0.33	0.47																				
Exchange Loss	0.93	0.89																				
Net Loss	0.60	0.42																				

	loan/ assets/ expenses are not considered while determining the tariff. The same approach was followed uniformly across all the BOT operators governed under the erstwhile Tariff Guidelines and also under the Tariff Guidelines, 2019 for other BOT operator like the IGTPPL.																																																	
(iii).	<p>The figure considered by the VCTPL for exclusion under the head “interest on loan” in Form-1 for the years 2016-17 to 2018-19 do not match with the figures reported in Audited Annual Accounts for the years 2016-17 to 2018-19. This item of exclusion may be corrected and considered as reported in the Audited Annual Accounts.</p>	<p>(a). Interest on loan as per Audited Annual Accounts includes interest cost of Loan of CFS also, which has been excluded by VCTPL in Form 1.</p> <p>(b). Subsequently, the VCTPL vide its e-mail dated 07 August 2020 has furnished reconciliation and break up FME considered for tariff calculation as tabulated below:</p> <table><tr><th>FME break up considered for Tariff</th><th>Y1</th><th>Y2</th><th>Y3</th></tr><tr><td></td><th>2016-17</th><th>2017-18</th><th>2018-19</th></tr><tr><td>A. Finance Cost as per Audited financials</td><td>1,951.63</td><td>2,000.93</td><td>2,545.15</td></tr><tr><td>Less: Finance Cost for CFS</td><td>393.42</td><td>609.49</td><td>585.79</td></tr><tr><td>Finance Cost for Container Terminal</td><td>1,558.21</td><td>1,391.43</td><td>1,959.36</td></tr><tr><td>Less: Ind AS adjustments</td><td>562.70</td><td>624.40</td><td>242.88</td></tr><tr><td>Less: Interest in Loan</td><td>415.88</td><td>338.22</td><td>832.48</td></tr><tr><td>B. FME considered by VCTPL for Tariff purpose</td><td>579.63</td><td>428.81</td><td>884.00</td></tr><tr><td>Hedging Cost</td><td>570.49</td><td>419.23</td><td>875.51</td></tr><tr><td>Interest On OD</td><td>0.30</td><td>0.08</td><td>1.18</td></tr><tr><td>Bg Commission</td><td>8.84</td><td>9.51</td><td>7.31</td></tr><tr><td>FME for Tariff purpose</td><td>579.63</td><td>428.81</td><td>884.00</td></tr></table> <p>Note: Hedge cost is paid on Foreign currency loan taken for Purchase of RMQC (2 nos.) and RTGCs (4 nos.) in March 2018.</p> <p>Since these are actual expenditures are to be considered for Tariff determinations.</p> <p>(c). Further, the VCTPL vide its e-mail dated 17 August 2020 has made following submissions with regard to hedge cost:</p> <p>(i). VCTPL had been taken foreign currency loan for procurement of cranes. During 2016-17 there was an outstanding foreign currency loan of USD 12,533,514 as on 31-3-17 which were fully hedged to mitigate upswing in foreign currency fluctuations. This loan instalments were paid as per agreed rate and the net outstanding loan as on 31-3-2018 was USD 11,059,239.</p> <p>(ii). In addition to that there was additional buyer’s credit/ FCNR loan taken in 2018-19 for USD 17,684,000 (consisting of 2 derivative contract with ICICI – USD 15915600 + USD 1768400) fully hedged to mitigate upswing in foreign currency fluctuations.</p>	FME break up considered for Tariff	Y1	Y2	Y3		2016-17	2017-18	2018-19	A. Finance Cost as per Audited financials	1,951.63	2,000.93	2,545.15	Less: Finance Cost for CFS	393.42	609.49	585.79	Finance Cost for Container Terminal	1,558.21	1,391.43	1,959.36	Less: Ind AS adjustments	562.70	624.40	242.88	Less: Interest in Loan	415.88	338.22	832.48	B. FME considered by VCTPL for Tariff purpose	579.63	428.81	884.00	Hedging Cost	570.49	419.23	875.51	Interest On OD	0.30	0.08	1.18	Bg Commission	8.84	9.51	7.31	FME for Tariff purpose	579.63	428.81	884.00
FME break up considered for Tariff	Y1	Y2	Y3																																															
	2016-17	2017-18	2018-19																																															
A. Finance Cost as per Audited financials	1,951.63	2,000.93	2,545.15																																															
Less: Finance Cost for CFS	393.42	609.49	585.79																																															
Finance Cost for Container Terminal	1,558.21	1,391.43	1,959.36																																															
Less: Ind AS adjustments	562.70	624.40	242.88																																															
Less: Interest in Loan	415.88	338.22	832.48																																															
B. FME considered by VCTPL for Tariff purpose	579.63	428.81	884.00																																															
Hedging Cost	570.49	419.23	875.51																																															
Interest On OD	0.30	0.08	1.18																																															
Bg Commission	8.84	9.51	7.31																																															
FME for Tariff purpose	579.63	428.81	884.00																																															

		<p>(iii). Hedging of the loan is done upfront so that at the time of payment, when the USD rate appreciates over INR, instead of incurring a huge foreign currency loss on the date of settlement, the company settles the loan amount as per agreed rate in the hedge contract. The hedge cost is the amount paid to Bank for absorbing the risk element in foreign currency fluctuations.</p> <p>For example - in the latest contract of 2018-19, if we refer USD 15915600 derivative contract, the spot rate at the time of entering the contract was ₹67.36 and Strike rate (Agreed rate) was ₹68.36. The due date of foreign currency loan repayment is 10 December 2020. On the date of maturity if the USD to INR rate is more than ₹68.36 (assume it is @ ₹76), VCTPL will pay only @ ₹68.36. And if it is less than ₹67.36, it will pay the converted rate which is prevailing on that date. The Hedge cost paid is the premium to cover the risk of foreign currency fluctuations above ₹68.36. Had it not taken the hedging, if the USD to INR rate is ₹76 on 10 December 2020, it will settle the loan at ₹76 and book the additional foreign currency loss of ₹8.64 per USD (₹76-₹67.36) i.e. approx. ₹13.75 crores for total loan amount of USD 15.91 Mn.</p> <p>(iv). VCTPL has incurred actual hedge cost ₹5.70 crores in 2016-17, ₹4.19 crores in 2017-18 and ₹8.76 crores in 2018-19 as per audited financials. VCTPL requests the TAMP to consider same as claimed under FME in our application.</p>
(iv).	<p>(a). The VCTPL has excluded the provision for bad and doubtful debts of ₹7 lakhs in the year 2017-18 from the total expenses as per clause 2.3 (ii) of the Tariff Guidelines, 2019. This figure could not be cross checked with the Audited Annual Accounts which shows ₹12.96 lakhs in the year 2017-18. The VCTPL to clarify the reasons for mismatch from the figures reported in the Audited Annual Accounts or this item of exclusion may be corrected and considered as reported in the Audited Annual Accounts.</p>	Total bad debts of ₹12.96 lakhs in Annual report includes bad debt pertaining to CFS of ₹6.28 lakhs which is already excluded from the operating expenditure in Form 6B [reconciliation statement].
	<p>(b). The VCTPL has considered an amount of ₹12.96 lakhs in the ARR computation towards "Bad debts written off" in the year 2017-18. The VCTPL to justify why the debt that cannot be recovered or collected from a debtor should be loaded on to the tariff payable by the user only for the services rendered by VCTPL.</p>	Bad debts are part of normal operating expenditure which could not be collected from the trade. This is required to be expensed out which is an allowable expenditure as per Companies act and Income Tax Act.
(v).	<p>Form 3 - Computation of Working Capital:</p> <p>As per Clause 2.6 of Tariff Guidelines, 2019 the norm for computation of working capital is limited to one year's average consumption of inventory for capital spares and other items of inventory at six months' average consumption of stores excluding fuels. Limit on cash balance will be one month's cash expenses. Advance payment of Revenue Share/royalty and advance payment of lease rental/ license fee to the landlord port flowing from the contractual obligations will be recognised as a part of sundry</p>	

	<p>debtors.</p> <p>In the light of the above provision in the TG 2019 and in the light of the observation given below, the VCTPL to make the necessary modification/ correction in Form 3:</p>	
	<p>(a). On perusing the linkage given in Form 3 for estimation of Inventory of capital spares to the tune of ₹0.36 lakhs it is seen that they pertain to closing inventory for consumables, oil & lubricant, Tyres, Stores & spares and not capital spares. The six months consumption of the same items are captured by VCTPL in Form 3 Sr. No.(i) (b) under the head Other Inventory excluding fuel and customized spares. The VCTPL may, therefore, make necessary correction in this Form in the light of the above observation.</p>	<p>₹0.36 lakhs is the inventory balance of capital spares separately classified and shown as one year WC requirement. Average capital spares consumptions are not captured separately in financials. Since the amount is insignificant, it may kindly be considered for WC purpose. However, the consumptions of other inventory items i.e. consumables, oil & lubricant, Tyres, Stores & spares are calculated based on consumption expenditure shown in Form 6B which is reconciled in WC calculations sheet accordingly ₹132.03 lacs i.e. 6 months average consumptions is considered for WC calculations.</p>
	<p>(b). In the Form 3 relating to computation of working capital (as per norms), the VCTPL has considered an amount of ₹889.85 lakhs at Sr. No.II (a) towards trade receivables. The linkage provided to the said item to the Trial Balance of 2018-19 shows that it pertains to Accounts Receivable – External, Internal companies and Others. Capturing of this item is not found as per the norms prescribed under Clause 2.6 of Tariff Guidelines, 2019 for computation of working capital and hence may be deleted.</p>	<p>According Clause 2.6 Working capital will comprise of inventory, sundry debtors and cash balances. Advance payment of Revenue Share/ royalty to the landlord port flowing from the contractual obligations will be recognised as a part of sundry debtors. Advance payment of lease rental/ license fee to landlord port flowing from the contractual obligations will be recognized as part of sundry debtors.</p> <p>₹889.85 lakhs is towards trade receivable and an essential part of Working Capital (WC) requirement in any prudent business. Therefore, it is considered in Form 3. Nowhere in the TG 2019, Trade receivable is excluded from WC calculations.</p>
	<p>(c). As per the clause 2.6 of the Tariff Guidelines, 2019 read with clause 2.2 of the Working guidelines to operationalise the Tariff Guidelines, 2019 and as per note prescribed under Form-3, advance payment of Revenue Share/ royalty and lease rental/ license fee to landlord port flowing from the contractual obligation will be recognized as part of sundry debtors. As observed in para 15(viii) (b) of the last tariff revision Order dated 14 November 2017 the License Agreement entered by the VCTPL with the VPT, does not prescribe any advance payment of lease rentals. As per Article 5.1 of the LA entered between VCTPL and VPT, the royalty is payable on 7th day of the immediately subsequent month. Thus, as per LA, the VCTPL is not required to make any advance payment to VPT. That being so, ₹464.27 lakhs considered by VCTPL towards advance payment of lease rent and royalty in Form-3 in the computation of Working capital is not in line with Tariff Guidelines, 2019. The VCTPL to make necessary corrections in the computation of Working Capital in this item to comply with the guidelines position.</p>	<p>Lease rent to VPT is always paid in advance and flows from the lease agreement dated 10 March 2016 (Ref Page no.4 of the lease agreement under clause "Rent") as well as from the allotment letter of 2003. Lease agreement and allotment letter of 2003 are attached.</p>
	<p>(d). The VCTPL has considered cash balance at ₹992.62 lakhs in computation of working capital where cash expenses is considered at sum of Cost of material consumed at ₹1,115.71 lakhs, Employee benefit expenses at ₹2,099.64 lakhs and Other</p>	<p>The VCTPL has considered cash balance at ₹992.62 lakhs in computation of working capital where cash expenses is considered at sum of Cost of material consumed at ₹1,115.71 lakhs, Employee benefit expenses at ₹2,099.64 lakhs and Other expenses at</p>

	<p>expenses at ₹8,696.16 lakhs which is not found as per the prescribed norm. Cash expense for working capital computation may be corrected and considered as one month cash expense of the year 2018-19 as per clause 2.6 of the Tariff Guidelines, 2019. To explain, as per the cost statement furnished by the VCTPL in the original proposal dated 02 April 2020 cash expense works out to ₹935.26 lakhs (i.e. admissible expenses ₹13,911 lakhs for the year 2018-19 – ₹2,687.84 lakhs. depreciation as per IGAAP / 12 = ₹935.23 lakhs). The VCTPL is to make necessary modification to comply with the Tariff Guidelines.</p>	<p>₹8,696.16 lakhs after excluding the CFS related expenditures from the annual report – Please refer Form 6 B.</p>
(vi).	<p>Fixed Asset Statement as per IGAAP considered in ARR (Form-7):</p> <p>The figures of Gross Fixed Assets as per IGAAP and Capital Work in Progress as on 31 March 2019 as considered in Form no.1 is seen to be based on Form no.7 furnished by VCTPL, with regard to Form no.7, the VCTPL is requested to furnish workings in support of the following:</p>	
	<p>(a). As per the Notes forming part of financial statements for the year 2016-17, note no.2 under the head “Statement of Compliance” states that the year 2016-17 is the first year the Company has prepared the financial Statement under IND AS. Further note 3.17 states the VCTPL has elected to continue with the carrying value of all tangible and intangible assets as of 01 April 2015 under previous IGAAP and used carrying value as the value of fixed assets on the transition date. Note 5 of Audited Annual Account 2016-17 gives the carrying amount as on 1 April 2015, 31 March 2016 and 31 March 2017.</p> <p>The carrying value of assets i.e. net fixed assets for the year ending on 2014-15 i.e. as on 31 March 2015 reported in the Audited Annual Accounts under IGAAP for the year 2014-15 is ₹10,616.01 lakhs and ₹9,283.84 lakhs for the year 2015-16. As against that, the Gross Fixed Assets opening balance considered in the year 2016-17 is ₹19,721 lakhs as per Form no.7 which could not be linked. The VCTPL is requested to reconcile the Gross Fixed Assets under IGAAP considered by VCTPL and ensure that it matches with gross block of 2014-15/ 2015-16 whichever is taken as the base year for transition from IGAAP to INDAS.</p>	<p>It may be noted that as on the date of transition from to Ind AS, assets which are to be handed over to Concessing Authority at the end of the project period have been classified under Intangible assets. The net block value as on the date of transition is considered as the opening asset value for Ind AS is concerned.</p> <p>In our working in Form 6B, we have first considered depreciation as per Ind AS i.e. as per Annual Accounts. We have deducted from there the depreciation of CFS assets and arrived depreciation as per Ind AS for terminal assets. For ARR computation, depreciation as per IGAAP is taken under row no.41 of Form 6B.</p> <p>A detailed reconciliation of gross asset value of each block of assets, depreciation and net book value both as per Ind AS and IGAAP are kept under Annexure 3 pertaining to FY 2015-16 (pure IGAAP), 2016-17 (both Ind AS & IGAAP), 2017-18 (both Ind AS & IGAAP) and 2018-19 (both Ind AS & IGAAP). These statement includes detailed calculations of unit wise – VCTPL and CFS separately.</p> <p>Subsequently, VCTPL vide its email dated 17 August 2020 has also made additional submissions with regard to Computer - closing balance of 2015-16 is not matching with opening of 2016-17 as per Annexure 3 as given below:</p> <p>Reply:</p> <p>As per Audited financials:</p> <p>a) Closing balance of Computer as on 31-3-2016 (FY2015-16): ₹2,46,16,343</p> <p>b) Closing balance of Computer software as on 31-3-2016 (FY2015-16): ₹5,89,66,902</p> <p>As per Annexure-3</p> <p>a) Opening balance of Computer as on 01-4-2016</p>

		<p>(FY2016-17): ₹2,38,17,343</p> <p>b) Closing balance of Computer software as on 01-4-2016 (FY2016-17): ₹5,97,65,902</p> <p>The difference of ₹7,99,000 in individual asset block are interchanged in Annexure 3. However, in total assets value it has no impact.</p> <p>Further, with regard to Annexure-3 deletions in Financial year 2016-17 does not match with Audited Annual Accounts of the 2016-17, the VCTPL vide its email dated 17 August 2020 has clarified that there is deletion in Plant & Machinery of ₹1,19,79,725 during FY 2016-17. As per Financials it is shown under Disposals in Gross block in 2016-17. Same amount is appearing in Annexure 3 deletion column in Gross block during 2016-17.</p>
	(b). As per note 7, a reconciliation statement between opening Balance of the Gross Fixed Assets for each of the asset category viz., Plant and Machinery, Furniture and Fixtures, Office equipment, Computers-Software, Computers-Hardware, Vehicles, Buildings including Jetty and any other Fixed Assets for the years 2016-17, 2017-18 and 2018-19 as per IGAAP and INDAS to be furnished.	Annexure 3 gives detailed explanation.
	(c). Workings in support of Depreciation in respect of each of the asset category viz., Plant and Machinery, Furniture and Fixtures, Office equipment, Computers-Software, Computers-Hardware, Vehicles, Buildings including Jetty and any other Fixed Assets, for each of the years 2016-17 to 2018-19.	Annexure 3 gives detailed explanation.
	(d). The figure of additions and disposal shown under gross fixed assets schedule in Form no.7 for the years 2016-17, 2017-18 and 2018-19 do not match with the net additions reported in Audited Annual Accounts of the respective years. The VCTPL is requested consider the net additions for each of the years 2016-17 to 2018-19 as per the figures reported in the Audited Accounts of the respective years. While doing so, any additions/disposal pertaining to CFS may be excluded.	Annexure 3 gives detailed explanation.
	(e). The capital work in progress reported in the Annual Accounts for the year 2018-19 is ₹672.43 lakhs under schedule 5. As against that the VCTPL has considered it at ₹28.00 lakhs which does not match with the figures reported in the Audited Annual Accounts. The reason for considering a lower amount of capital work-in-progress may be explained.	Annexure 3 gives detailed explanation.
3.	Revenue estimation (Form-4):	
(i).	The VCTPL has indexed the ARR by 4.26% for the year 2019-20. The VCTPL has stated that the proposed SOR is indexed for the year 2020-21 by 2.56% i.e. 60% of WPI of 4.26%. It is relevant to state here that annual indexation in the SOR at 60% of the WPI announced by the Authority for the year 2020-21 is 1.13% (i.e. 1.88% * 60%) for the BOT	We have indexed 1.13% for 2020-21 Tariff in Form 5 instead of 2.56%.

	<p>operators under TG 2019.</p> <p>The revenue estimation now furnished by the VCTPL in Form 4 does not match with the rate proposed in the SOR after the 60% WPI indexation. Since the year 2020-21 has commenced and the SOR proposed by the VCTPL is after applying annual indexation, the VCTPL may correct the rates proposed in the SOR by applying the correct indexation factor at 60% of WPI variation i.e. 1.13% instead of 2.56%. Consequently, the revenue estimation in Form 4 may also be modified to capture the rates proposed in the SOR after indexation (after applying correct indexation factor of 1.13%). The VCTPL to ensure that the revenue estimated at the proposed SOR is well within the ceiling indexed ARR.</p> <p>Further, since the ARR estimated by the VCTPL is after applying indexation factor for the year 2019-20, and recognizing that the year 2020-21 has commenced and the rate to be notified by the Authority shall be in the current financial year 2020-21, the estimated ARR may be indexed for the year 2020-21 as well.</p>													
(ii).	<p>The VCTPL has proposed to convert the following existing tariff items prescribed in rupee terms in US\$ for foreign container to meet 8% expenditure incurred in foreign currency so as to overcome the impact of foreign currency fluctuations and savings in the valuable forex reserves of the nation and has cited the SOR of NSICTPL dated 03 March 2020 where Hatch covers for vessels under Section 5, Section 6 -Re-stow of containers, Section 7 - Shut out of containers, Section 8 - Reefer monitoring services and Section 9 - Dwell time charges are denominated in US dollar terms.</p> <table border="1"><thead><tr><th>Clause in SOR</th><th>Tariff description</th></tr></thead><tbody><tr><td>1.4</td><td>With landing Hatch cover on the quay –Foreign going</td></tr><tr><td>1.5</td><td>Shifting of containers within vessel (Re-stows): Loaded or empty container shifted by landing and reshipping</td></tr><tr><td>1.7</td><td>Charges for supply of electricity (including connecting and disconnecting, monitoring at reefer yard) 4 hours or part thereof.</td></tr><tr><td>1.8</td><td>Charges for shut out containers</td></tr><tr><td>1.10</td><td>Storage charges</td></tr></tbody></table> <p>On perusing the proposed SOR, it is seen that the VCTPL has considered exchange rate in the range of 1 US\$ = 66.42 (say for example shifting charge = existing rate ₹3,325*1.0256 indexation applied by VCTPL/ proposed US \$ rate 51.34). Whereas the current foreign exchange rate is around 1US\$ = ₹74.67. The VCTPL to update the proposed rate in</p>	Clause in SOR	Tariff description	1.4	With landing Hatch cover on the quay –Foreign going	1.5	Shifting of containers within vessel (Re-stows): Loaded or empty container shifted by landing and reshipping	1.7	Charges for supply of electricity (including connecting and disconnecting, monitoring at reefer yard) 4 hours or part thereof.	1.8	Charges for shut out containers	1.10	Storage charges	<p>The INR is depreciating at a rapid space recently due to uncertainty in the global economy at present on account of weak demand followed by the Covid19 pandemic scenario. Therefore, current scenario is not a usual circumstance to consider the USD INR conversion rate. In order to save outflow of foreign currency expenses, VCT has proposed a small % of its tariff item to convert to USD and not of any intention to earn additional forex. Therefore, in order to have level playing, it has compared the USD to INR trend of more stable period i.e. comparable expenditures considered for FY 2016-17 to 2018-19 and hence taken 66.42 as the conversion rate. Anyway, if any surplus arises, the Authorities can always adjust it in the next tariff cycle. Therefore, we have not made any changes to our existing proposal and request the authorities to kindly consider.</p>
Clause in SOR	Tariff description													
1.4	With landing Hatch cover on the quay –Foreign going													
1.5	Shifting of containers within vessel (Re-stows): Loaded or empty container shifted by landing and reshipping													
1.7	Charges for supply of electricity (including connecting and disconnecting, monitoring at reefer yard) 4 hours or part thereof.													
1.8	Charges for shut out containers													
1.10	Storage charges													

	US\$ with the prevailing exchange rate and furnish the workings in support of the proposed Dollar denominated tariff as against the rupee denominated rate considered proposed draft SOR. The VCTPL may also confirm that the revenue estimate is also modified accordingly and the overall revenue estimate is within the ceiling indexed ARR.	
4.	Scale of Rates:	
(i).	<p>General Terms and Conditions:</p> <p>The Authority has passed common adoption Orders for all Major Port Trusts and BOT operators operating thereat including VCTPL from time to time and all the Major Port Trusts and BOT operators operating thereat including VCTPL were requested to include suitable notes in the SOR. However, the VCTPL has not included suitable notes in the proposed SOR in line with following common adoption Order:</p> <p>Amendment Order No.TAMP/53/2015-VOCPT dated 25 September 2018 in common adoption Order No.TAMP/53/2015-VOCPT dated 26 November 2015 relating to provision prescribed for concessional coastal tariff for ships and cargo that move from one Indian Port to another Indian Port through the territorial waters of Sri Lanka or Bangladesh in terms of Notification No.38/2018-Customs (N.T.) dated 11 May 2018 issued by the Central Board of Indirect Taxes and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance.</p> <p>The VCTPL is requested to incorporate the provisions in the SOR stipulated in these common Orders.</p>	Noted and may be incorporated.
(ii).	The general note no.(v) (b) under Section 1.2 of the proposed SOR relating to rate of interest on delayed payments, may be revised at 15% as against proposed 16.75% to fall in line with Clause 5.4.1 of the Tariff Guidelines, 2019.	Noted and may be incorporated.
(iii).	The VCTPL has proposed to reduce the existing free period for transshipment containers from 30 days to 15 days in the proposed SOR. However, the revised reduced slabs are not reflected in the revenue estimation in Form 4. This may be corrected in Form 4. The VCTPL to confirm that the additional revenue likely to accrue due to reduced free period for transshipment container is captured in the revenue estimation.	Currently there is no revenue from Transshipment storage. Even if the free period is reduced it will not have any revenue out of it and hence no revenue can be estimated.
(iv).	It is seen that though the VCTPL has proposed tariff it has not estimated revenue in Form 4 for a few tariff items as listed below:	
	(i). Handling of Transshipment container (Coastal)	(i). No revenue is earned from this category. There is no coastal transshipment handled by VCTPL. In order to accommodate customers, the tariff item has been continued in case of future requirement if any.
	(ii). Lift on / off (Empty)	(ii). No revenue is earned from this category. It is an optional service. Lift on and lift off income is generally earned from laden containers for the purpose of either any customs examination of

		survey. Empty lift on/off is not earned. However, to facilitate trade this tariff item is being continued.
	(iii). Hatch cover handling for one operation (without landing hatch cover on quay)	(iii), (iv) and (v). No revenue is earned from this category. However, to facilitate trade this tariff item is being continued.
	(iv). Shifting container within vessel [Restows] (Coastal)	
	(v). Internal transportations	
	(vi). Reefer related and other general service (Pre-trip inspection excluding electricity charges)	(vi). No revenue is earned from this category. However, to facilitate trade this tariff item is being continued. Normally Run test is carried out and all revenue is captured in Run test category.
	(vii). Additional charges: (a). Container cleaning charges – high pressure water wash (b). Cancellation of document – per EIR (c). One door open charges (per container) (d). Fixing/ removal of hazardous sticker (e). Plugging/ unplugging of reefer container (f). Insurance of documents (g). VIA cancellation (h). Delay of submission of documents beyond the prescribed time (i). Non-declaration/ mis-declaration of OOG container (j). Charges of providing of gateway to vessel per calendar day	(vii). No revenue is earned from these categories. However, to facilitate trade this tariff item is being continued.
	(viii). Storage charges (Hazardous containers)	(viii). No additional storage is captured for Haz containers. Currently the storage revenue from hazardous categories are captured in normal storage of either Import or export containers. Due to safety reasons, most of the hazardous containers move out within free period and negligible storage income is included under normal storage income.
	(ix). Charges for supply of fresh water	(ix). No revenue is earned from these categories. However, to facilitate trade this tariff item is being continued.
	(x). Other services: (a). Vehicle entry pass (b). Photography (c). Charges for use of terminal facility by vessels. The VCTPL to confirm that no traffic is handled during the last three years in respect of each of these tariff items. The VCTPL may consider to include probable revenue likely to arise from these items on estimate basis.	(x). It cannot be estimated and revenue may be captured and have no impact on tariff. To facilitate trade this tariff items are being continued. Anyway, if any surplus arises, the Authorities can always adjust it in the next tariff cycle. Therefore, we have not made any changes to our existing proposal and request the authorities to kindly consider our proposed revenue estimate.
5.	Past Period Surplus:	
(i).	Clause 3.1.2 of the Tariff Guidelines, 2019 stipulates that in case of operators who have not approached	Actual performance as per 2005 GL and comparison with projections made in the last Tariff order is kept

	<p>Courts, the surplus/deficit upto the period of first tariff fixation under this Guidelines shall be dealt with as per Clause 2.13 of the 2005 Tariff Guidelines as reproduced below:</p> <p><i>"The actual physical and financial performance will be reviewed at the end of the prescribed tariff validity period with reference to the projections relied upon at time of fixing the prevailing tariff. If performance variation of more than + or - 20% is observed as compared to the projections, tariff will be adjusted prospectively. While doing so 50% of the benefit/ loss already accrued will be set off while revising the tariff."</i></p> <p>The VCTPL is, therefore, requested to furnish the statement showing the actual physical and financial performance vis-à-vis the estimates relied upon in the previous tariff cycle as done in earlier tariff revision exercises under erstwhile Tariff Guidelines, 2005 and make necessary adjustments from the estimated ARR in case there is variation in both physical and financial parameters by +/-20%.</p>	<p>as separate sheet in the Tariff filing Form. As can be seen since the physical parameter does not vary +/- 20%, no surplus required to be adjusted as per previous Tariff Order followed by AG opinion on the interpretation of clause 2.13 of TG, 2005.</p>
(ii).	<p>During the last tariff revision Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017 in para 16 (xxii), the Authority had, for reasons stated in the Order, allowed Technical Service Fee (TSF) as part of operating costs subject to the condition that the VCTPL will produce copies of the IT Assessment Orders at the time of next tariff review. It is relevant here to mention that the above mentioned contracts entered by the VCTPL are with an organization involving one of its promoters. As per Clause 2.8.1 of the tariff guidelines of March 2005, TSF payable by the private terminals to their promoters or to their associate entity can be admitted as an item of cost for tariff fixation purposes if yardstick of 'arm's length relationship' is established as defined under Income Tax Act, 1961. Para (xxii) of the 21 March 2015 Order requires VCTPL to furnish at the time of next tariff revision furnish the relevant Income Tax Assessment.</p> <p>The VCTPL, is, therefore, to furnish the relevant Income tax Assessment Order allowing the TSF as an item of cost for income tax purpose and also furnish documentary evidence to support the actual payment of TSF arising out of the second and third contracts for the years 2014-15 to 2016-17 or else the TSF expense with reference admitted as expense in the concerned exercise will be adjusted i.e. nullified in the current tariff revision.</p>	<p>TSF paid by VCTPL is under arm's length as per Sec 92E of the Income Tax Act' 1961. VCTPL has been complying with the Transfer pricing provision and filing relevant Auditors' certificate vide Form 3CEB.</p> <p>Besides, Income tax assessment order for FY 2014-15 to 2016-17 is attached as Annexure-4, wherein it can be seen there is no disallowance of TSF expenditure and are allowed as per the assessment. [For FY 2014-15 no formal assessment order was received and directly we got the refund amount (attached refund chq and ITR for reference)]</p> <p>Actual payment made for FY 2014-15 to 2016-17 based on contract are attached as Annexure 5.</p>

9. The Licensor Port, the VPT was also requested vide our letter dated 15 July 2020 to furnish additional information on a few points. In response, the VPT vide its letter dated 20 July 2020 has furnished its reply. A summary of the additional information sought by us and the corresponding replies furnished by the VPT is tabulated below:

Sl. No.	Information sought by us	Reply furnished by VPT
---------	--------------------------	------------------------

(i).	The VPT has furnished comments on the proposal of the VCTPL vide its e-mail dated 03 June 2020. While furnishing the comments, one of the points made by the VPT was that VCTPL has not forwarded any Audited annual accounts and hence the port could not comment on entire proposal. In this regard, TAMP has already vide email dated 11 June 2020 forwarded soft copy of the Audited Annual Accounts of the VCTPL for the years 2016-17 to 2018-19 to VPT for furnish its further comments, if any, by 22 June 2020. We have not received further comments from the VPT. The VPT is requested to furnish further comments, if any, based on Audited Annual Accounts of the VCTPL immediately.	[VPT has not furnished any additional comments based on Audited Accounts of VCTPL forwarded to the port.]
(ii).	The Operating Expenses (including depreciation) as well as Finance and Misc. expenses reported in the Audited Accounts of the VCTPL for the years 2016-17 to 2018-19 is ₹12,710.84 lakhs, ₹15,132.28 lakhs and ₹20,527.38 lakhs respectively. As against that, the VCTPL in Form 1 at Sr. No.1 has considered total expenditure as per Audited Accounts at ₹11,159.43 lakhs, ₹11,899 lakhs and ₹16,856.37 lakhs for the corresponding years. On perusing Form 6B which is Reconciliation statement of Total expenses considered in the cost statement and total expenses reflected in the Audited Annual Accounts for each of the years 2016-17 to 2018-19, it is seen that the VCTPL has excluded the expenses relating to the CFS from the total Expenses while computing the ARR. This is in line with the approach adopted by the VCTPL in the last tariff revision approved by the Authority vide Order No.TAMP28/2017-VCTPL dated 14 November 2017. In this regard, reference is drawn to para 16 (iii) of the said Order where the Authority held that the CFS operations carried out by the VCTPL at the existing terminal does not flow from the License Agreement dated 11 September 2002 entered by VCTPL with VPT which is for development, operation and maintenance of full-fledged container terminal at outer harbor of VPT. It is for the landlord port trust to satisfy itself on the question whether the CFS services rendered by VCTPL are covered by the Licence Agreement. The same point is reiterated.	At page 18 of the License Agreement read with Appendix-12, CFS operations are covered under License Agreement. Accordingly, at the request of BOT operator, VPT had allotted land to VCTPL vide VPT's letter No.Estate/VCTPL/BOT/SA/1449A dated 12.12.2014 and the possession was taken on 13.05.2015 for the purpose of setting up of container freight station. The allotment of land for CFS seems to be in line with the License Agreement. In the context mentioned above, TAMP may decide the admissibility of expenditure on CFS and tariff for the services rendered at CFS by VCTPL. Copies of land allotment order and page 18 of the License Agreement and Appendix 12 is furnished.
(iii).	Furnish comments on the estimation of revenue at the proposed level of tariff as furnished by VCTPL in its Form-4.	For Containers exceeding 40 feet in length and upto 45 feet length the rate in the SOR for Import Laden, Import Empty, Export Empty, 4 to 15 days and Shut out containers – Laden and Empty one to 15 days is ₹392 per container per day or part thereof was considered in Form 4 under existing tariff as ₹393.
(iv).	The VCTPL has proposed to convert the following existing tariff items prescribed in rupee terms in US\$ for foreign container to meet 8% expenditure incurred in foreign currency so as to overcome the impact of foreign currency fluctuations and savings in the valuable forex reserves of the nation and has cited the SOR of NSICTPL dated 03 March 2020 where Hatch covers for vessels under Section 5, Section 6 - Re-stow of containers, Section 7 - Shut out of containers, Section 8 - Reefer monitoring services and Section 9 - Dwell time charges are denominated in US dollar terms.	On the proposed change from rupee tariff to US\$ tariff for foreign containers by VCTPL, TAMP may decide based on the earlier years US\$ revenue and expenses.

Clause in SOR	Tariff description	
1.4	With landing Hatch cover on the quay – Foreign going	
1.5	Shifting of containers within vessel (Re-stows):	
	Loaded or empty container shifted by landing and reshipping	
1.7	Charges for supply of electricity (including connecting and disconnecting, monitoring at reefer yard) 4 hours or part thereof.	
1.8	Charges for shut out containers	
1.10	Storage charges	
The VPT is requested to furnish its specific comments, if any, on the proposed change from rupee tariff to US\$ tariff for foreign containers.		
(v).	As per clause 1.9 of the Tariff Guidelines 2019, the BOT operator shall continue to abide by the provisions contained in the existing Concession Agreement entered into with the concerned Major Port Trust. Simultaneously, the BOT operator shall agree to abide by this guideline, by way of a <i>separate</i> Agreement with the concerned Major Port Trust. The VPT in its comments dated 03 June 2020 had stated that the VCTPL has not entered into separate agreement till to date under Tariff guidelines 2019. The VCTPL in response has vide email dated 06 July 2020 stated that VCTPL has already submitted the draft agreement to the VPT authorities vide its letter No.VCT/VPT/DYCOO 378/2020 dated 17 th June 2020. The VPT to, therefore, expedite furnishing a copy of the separate Agreement as per the prescribed format forwarded by the MOS vide letter No.PR-14019/20/2009-PG (PTIV) dated 08 March 2019 to all the Major Port Trusts including the VPT duly signed by the VCTPL and the VPT.	

10. A joint hearing in this case was held on 7 July 2020 through Video Conferencing. The VCTPL made a power point presentation of its proposal. At the joint hearing, the VCTPL and the concerned users/ organisation bodies have made their submissions.

11. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the comments received and arguments made by the concerned parties will be sent separately to the relevant parties. These details will also be made available at our website <http://tariffauthority.gov.in>.

12. With reference to totality of information collected during the processing of this case, the following position emerges:

(i). The Scale of Rates (SOR) of Visakha Container Terminal Private Limited (VCTPL) was last approved by this Authority vide Order No.TAMP/28/2017-VCTPL dated 14 November 2017, following the Tariff Guidelines of 2005, which stipulated cost plus pricing model and the revised SOR was notified in the Gazette of India on 21 December 2017 vide Gazette No.480. Subsequently, this Authority has passed an Order No.TAMP/7/2018-VCTPL dated 31 July 2018 disposing of the Review Application filed by VCTPL which was notified vide Gazette No.331 dated 29 August 2018. Both the Orders prescribe the validity of the SOR till 31 March 2020.

(ii). The Ministry of Shipping (MOS), as a policy direction under Section 111 of the Major Port Trusts

Act, 1963, has issued Tariff Guidelines, 2019, for BOT operators who were previously governed by 2005 Tariff Guidelines. Consequent to the issue of the Tariff Guidelines, 2019, by the MOS, the tariff fixation exercise in respect of the VCTPL is to be governed by the stipulations contained in the Tariff Guidelines, 2019 and the Working Guidelines issued to operationalize the Tariff Guidelines, 2019.

The VCTPL has filed its entire proposal dated 01 April 2020 for general revision of its SOR under the Tariff Guidelines, 2019 and Working Guidelines 2019. The VCTPL has furnished the requisite information/ clarification sought by us along with modified workings vide its emails dated 27 July 2020, 07 August 2020, 17 August 2020 and 20 August 2020. The same along with submissions made by the Port and users during the processing of the case are considered in this analysis. The cost statements and revenue estimates furnished by VCTPL are duly certified by a practicing Chartered Accountant.

- (iii). (a). Clause 2.1 of the Tariff Guidelines, 2019, requires each BOT Operator to assess the ARR which is the average of the sum of Actual Expenditure as per the final Audited Annual Accounts of the immediate preceding three years (Y1), (Y2) and (Y3) at the time of submitting the proposal subject to certain exclusions as prescribed in Clause 2.2, 2.3.1 and 2.3.2 of the Tariff Guidelines, 2019 and the Working Guidelines issued by this Authority plus Return at 16% on Capital Employed obtaining as on 31st March Y3, duly certified by a practicing Chartered Accountant/ Cost Accountant.
- (b). The VCTPL has stated that for the year 2019-20, accounts are not audited. So, the VCTPL has considered Audited Annual Accounts of 2016-17 to 2018-19 for ARR computation. The VCTPL has assessed the ARR based on Audited Annual Accounts for three years i.e. 2016-17 (Y1), 2017-18 (Y2) and 2018-19 (Y3) duly certified by a practicing Chartered Accountant. While assessing the ARR, the VCTPL has made exclusions of the expenses not admissible in ARR computation for arriving at the Average annual expenses for the year 2016-17, 2017-18 and 2018-19, as prescribed in Clause 2.2, 2.3.1 and 2.3.2 of the Tariff Guidelines, 2019. The ARR estimated by the VCTPL is found to be in order and hence considered based on clarification furnished during the processing of the case except for few modifications for the reasons explained in the following paragraphs.
 - (i). The Operating Expenses (including depreciation) as well as Finance and Misc. expenses reported in the Audited Accounts of the VCTPL for the years 2016-17 to 2018-19 is ₹12,710.84 lakhs, ₹15,132.28 lakhs and ₹20,527.38 lakhs respectively. As against that, the VCTPL in Form 1 at Sr. No.1 has considered total expenditure as per Audited Accounts at ₹11,159.43 lakhs, ₹11,899.16 lakhs and ₹16,856.37 lakhs for the corresponding years. On perusing Form 6B which is a Reconciliation statement of total expenses considered in the cost statement and total expenses reflected in the Audited Annual Accounts for each of the years 2016-17 to 2018-19, it is seen that the VCTPL has excluded the expenses relating to the CFS from the total Expenses while computing the ARR. This is in line with the approach adopted by the VCTPL in the last tariff revision approved by this Authority vide Order No.TAMP28/2017-VCTPL dated 14 November 2017. During the consultation process of the last tariff revision where VPT was also consulted, VPT then did not make any observation of land allotted to VCTPL for CFS and that VCTPL was entitled to provide CFS services as per the License Agreement. In this regard, reference is drawn to para 16(iii) of the said Order where this Authority held that the CFS operations carried out by the VCTPL at the existing terminal does not flow from the License Agreement dated 11 September 2002 entered by VCTPL with VPT which is for development, operation and maintenance of full-fledged container terminal at outer harbor of VPT. It is for the landlord port trust to satisfy itself on the question whether the CFS services rendered by VCTPL are covered by the Licence Agreement. That being so, this Authority goes ahead with the proposal of the VCTPL in the current tariff revision exercise of terminal of the VCTPL which excludes the expenses, revenue and gross fixed assets of CFS as it is in line with the decision of this Authority in the last tariff Order.

During the processing of this case, the proposal of the VCTPL of excluding the CFS activity and reference to para 16(iii) of the last revision Order of the VCTPL approved by this Authority was brought again to the attention the VPT. In that regard, VPT has clarified that at page 18 of the License Agreement read with Appendix-12, CFS operations are covered under License Agreement.

Accordingly at the request of BOT operator, VPT had allotted land to VCTPL vide VPT's letter No.Estate/VCTPL/BOT/SA/1449A dated 12 December 2014 and the possession was taken on 13 May 2015 for the purpose of setting up of CFS. The allotment of land for CFS seems to be in line with the License Agreement. The VCTPL has commenced the operations at the CFS from the year 2016-17 as seen from the cost statement. The VPT has left for this Authority to decide the admissibility of expenditure on CFS and tariff for the services rendered at CFS by VCTPL.

In view of the position now brought out by the VPT that the CFS services rendered by the VCTPL is as per the License Agreement entered between the port and the VCTPL and the port has allotted land to VCTPL for CFS service, and since the current proposal excludes, expenses and return on gross block of assets relating to the CFS in the computation of ARR, the VCTPL is advised to formulate a separate well analysed proposal seeking tariff for CFS services rendered by VCTPL following the Tariff Guideline, 2019, within three months of date of notification of the Order in the Gazette of India.

- (ii). Clause 2.2 of the Tariff Guidelines, 2019, *inter alia*, stipulates that Royalty/Revenue share payable to the landlord port by the BOT operator in those cases where the bidding process was finalized before 29 July 2003 tariff computation will be taken into account to the extent of the next highest bidder in the ARR computation.

Accordingly, during the years 2016-17 to 2018-19, Revenue share as reflected in the Audited Annual Accounts of corresponding period to the tune of ₹1,833.42 lakhs, ₹1,941.45 lakhs ₹3,119.09 lakhs respectively are excluded. Since the bidding process in respect of VCTPL was finalised before 29 July 2003, revenue share to the extent of the next highest bidder i.e. 49% has been considered in the computation of ARR i.e. ₹898.37 lakhs, ₹951.31 lakhs and ₹1,528.36 lakhs during the years 2016-17 to 2018-19 respectively. 49% of royalty payment being the level quoted by the second highest bidder is allowed on the actual traffic handled by it as pass through in line with the approach followed in the last tariff Order of VCTPL. This is in line with the clause 2.2 of the tariff guidelines of 2019.

- (iii). As per Clause 2.3.1 (ii) of the Tariff Guidelines, 2019, Interest on loans, provision for bad and doubtful debts, provision for slow moving inventory etc., are to be excluded.

Accordingly, the VCTPL has excluded the Interest on loans to the tune of ₹415.88 lakhs, ₹338.22 lakhs and ₹832.48 lakhs during the years 2016-17 to 2018-19 respectively and ₹6.68 lakhs towards provision for bad and doubtful debts for the year 2017-18 pertaining to the terminal. Interest on Over Draft (OD) to the tune of ₹0.30 lakhs, ₹0.08 lakhs and ₹1.18 lakhs for the years 2016-17 to 2018-19 respectively which is not excluded by VCTPL is excluded. As stated earlier, the VCTPL has already excluded the expenses relating to CFS operations from the operating expenses taken as the base for the computation of ARR from the expenses reported in Audited Annual Accounts for each of the years 2016-17 to 2018-19.

- (iv). Clause 2.3.2 stipulates that in case there is variation in the expenditure reported under IND AS and IGAAP (like depreciation), then necessary adjustments to be done in ARR computation by excluding IND AS figure and considering figures as per IGAAP. The Audited Accounts of VCTPL are IND AS compliant. The VCTPL has made necessary adjustment in the "Depreciation and Amortization" and "Other Expenses" (towards Employee Benefit Expenses, Unwinding cost on security deposit and unwinding cost on Royalty) from IND AS to IGAAP for the years 2016-17 to 2018-19 respectively by way of showing as exclusion from the ARR computation to capture these items as per IGAAP to comply with the Guideline position. Further, the VCTPL has explained the adjustments done by it from the audited figures reported under IND AS to IGAAP for the purpose of ARR computation which is brought out in the earlier paragraphs. The VCTPL has furnished the requisite working in Form 6A which is duly certified by practicing Chartered Accountant and the same is relied upon.

For the purpose of the analysis, these items for the years 2016-17 to 2018-19 as furnished by the VCTPL duly certified by the practicing Chartered Accountant are relied upon and considered.

- (c). Following the provisions prescribed at Clause 2.2, 2.3.1 and 2.3.2 of the Tariff Guidelines, 2019 and the Working Guidelines and based on the adjustments as discussed above, the VCTPL has arrived at average expenses for the years 2016-17 to 2018-19 at ₹108.67 crores which is considered by us.
- (iv). (a). As per clause 2.5 of the Tariff Guidelines, 2019 Capital Employed will comprise of Gross Fixed assets (Property, Plant & Equipment) [as arrived as per the Indian Generally Accepted Accounting Principles (IGAAP)] plus capital work in progress as on 31 March/ 31 December of the year Y3 to be restated from the figures reported under IND AS in the Audited Annual Accounts and working capital as per norms prescribed. The Audited Annual Accounts for the year 2018-19 under IND AS reports total Gross fixed Assets at 579.79 cores for the year 2018-19. Of this the VCTPL, after excluding the gross block of the CFS, has reported the Gross value of Fixed Assets for the terminal at ₹495.46 crores under the IND AS. For the computation of ARR, the VCTPL has considered gross fixed assets as per IGAAP at ₹383.38 crores in respect of the terminal after excluding ₹84.33 crores pertaining to the CFS in line with provision prescribed in Clause 2.5 of the Tariff Guidelines, 2019. The VCTPL has furnished the prescribed Form 7 giving computation of gross fixed assets as per IGAAP duly certified by practicing Chartered Accountant. The Gross Fixed Assets as on 2018-19 considered by the VCTPL as per IGAAP duly certified by the Chartered Accountant is relied upon and considered.

The work-in-progress reported in the Audited Annual Accounts for the year 2018-19 is ₹6.72 crores. The VCTPL has considered Work in progress at ₹0.28 crores excluding Capital work-in-progress relating to CFS. The same is relied upon and considered.

- (b). Working capital comprises of Inventory, Sundry debtors and Cash balances, as per Clause 2.6 of the Tariff Guidelines, 2019. The norm prescribed for the computation of working capital is limited to one year's average consumption of inventory for capital spares and other items of inventory at six months' average consumption of stores excluding fuels. The VCTPL has considered annual consumption of capital spares at ₹0.36 lakhs being the inventory balance of capital spares stating that average capital spares consumptions are not captured separately in financials. The consumptions of other inventory items i.e. consumables, oil & lubricant, Tyres, Stores & spares are based on six months average consumptions. In view of the clarification furnished by the VCTPL and the figures duly certified by the Chartered Accountant, the same is relied upon and considered.

The VCTPL has considered cash balance at ₹992.62 lakhs in computation of working capital where cash expenses is considered at one month of sum of Cost of material consumed at ₹1,115.71 lakhs, Employee benefit expenses at ₹2,099.64 lakhs and Other expenses at ₹8,696.16 lakhs.

It is relevant here to state that the admissible expenses computed by the VCTPL for the year 2018-19 is ₹13,910.55 lakhs. The cash expenses after excluding depreciation of ₹2,688.00 lakhs under IGAAP for the year 2018-19 as furnished by VCTPL works out to ₹11,222.56 lakhs and one month cash expense thereon as per norms works out to ₹935.32 lakhs which is considered. This is in line with the approach followed in the case of all the BOT operators and Major Port Trusts whose tariff is determined under the Tariff Guidelines of 2019 and Tariff Policy, 2018 respectively.

The VCTPL has captured an amount of ₹1354.12 lakhs under Sundry Debtors towards trade receivables. The VCTPL has stated that it is towards trade receivables and is an essential part of Working capital requirement in any prudent business. As per Section 58 of the MPT Act, the payment for services rendered is to be collected in advance before the goods are removed or shipped. Trade Receivable arising out of discretion exercised by VCTPL cannot be considered for working capital computation. In the case of tariff revision of CITPL vide Order No.TAMP/36/2019-CITPL dated 29 November 2019 fixed under Tariff Guidelines, 2019, the request of the operator to include Trade Receivable as part of Sundry Debtors was not considered.

As per the clause 2.6 of the Tariff Guidelines, 2019 read with clause 2.2 of the Working guidelines to operationalise the Tariff Guidelines, 2019, advance payment of lease rental/ license fee to landlord port flowing from the contractual obligations will be recognised as

sundry debtor for computation of working capital.

The License Agreement entered by the VCTPL with the VPT, does not prescribe any advance payment of lease rentals. In the last tariff revision Order also, this point was made out and lease rentals was not considered in computation of working capital. During processing of the current case, the VCTPL has furnished copy of allotment letter dated 07.01.2003 which provide for advance payment of lease rental for every year. Thus, in the current revision, 50% of lease rent is captured in the computation of working capital at ₹464.27 lakhs as considered by VCTPL.

As per Article 5.1 of the LA entered between VCTPL and VPT, the royalty is payable on 7th day of the immediately subsequent month. VPT has also stated that royalty is not paid in advance. Hence, this item does not warrant inclusion in the working capital computation.

Subject to modifications as explained above, the modified Working Capital works out to ₹15.32 crores as against total Working Capital arrived by VCTPL at ₹24.79 crores.

- (c). Subject to modifications as explained above, the modified capital employed works out to ₹398.98 crores as against total capital employed arrived by VCTPL at ₹408.45 crores. Return on Capital Employed (ROCE) considered by VCTPL at 16% is ₹65.35 crores. The modified ROCE works out to ₹63.84 crores based on the modified Capital Employed.
- (v). The ARR comprises of the average of the expenditure for the three financial years 2016-17 to 2018-19 plus 16% ROCE. The ARR arrived by VCTPL is ₹174.02 crores (₹108.67 crores + ₹65.35 crores). The modified ARR arrived by us works out to ₹172.52 crores (₹108.68 crores + ₹63.84 crores). Further, as per Clause 2.8 of Tariff Guidelines, 2019, the said ARR needs to be indexed @ 100% of the WPI applicable for the year 2019-20 which is 4.26%. The indexed ceiled ARR assessed by the VCTPL is ₹181.44 crores applying 4.26% indexation.

The VCTPL has proposed indexed SOR for the year 2020-21 applying indexation factor of 2.56% but has not applied indexation for the year 2020-21 in the ARR computation. The current year is 2020-21 and the indexation announced by this Authority for the year 2020-21 is 1.88% for arriving at the indexed ARR and 1.13% for indexation of tariff. That being so, the VCTPL is entitled for indexed ARR for the year 2020-21.

As per the modified ARR computation done by us the modified indexed ceiling ARR applying indexation factor of 4.26% for the year 2019-20 and 1.88% for the year 2020-21, it works out to ₹183.25 crores for the year 2019-20. This does not include of past period adjustment. The analysis relating to the past period is brought out in subsequent paragraphs.

The final detailed working of ARR calculation furnished by the VCTPL which has been duly certified by Chartered Accountant is relied upon. This is subject to minor modification as explained above. The detailed ARR calculation furnished by the VCTPL and modified ARR calculation by us are attached as **Annex - I (a) and (b)** respectively.

- (vi). (a). As per Clause 2.10 of Tariff Guidelines, 2019, for drawing the SOR, the traffic to be considered would be the average of the actual traffic handled by the BOT operator during the years Y1, Y2 and Y3, duly certified by the concerned port. The average traffic considered by the VCTPL for the years 2016-17 to 2018-19 is 4,01,800 TEUs. The VPT has furnished the traffic handled by the VCTPL at 3,67,199, 3,88,624 and 4,50,460 TEUs and the average of three years traffic works out to 4,02,094 TEUs. There is slight variation in the average traffic furnished by the VPT. The reason for variation remains unexplained by VPT. However, VCTPL has clarified that the Traffic shown by VPT is based on shift cut off. However, actual traffic calculation by the VCTPL is based on sailing of vessel which it has reported to VPT after end of the month. Therefore, for the purpose of this analysis, the average actual traffic for the years 2016-17 to 2018-19 at 4,01,800 TEUs considered by the VCTPL for revenue estimation is relied upon.

As regards the point made by the VPT that the traffic handled during 2019-20 is 5,03,630 TEUs and considering Y3 as 2019-20, the average traffic comes to 4,47,571 TEUs, the VCTPL has clarified that the audited accounts of 2016-17, 2017-18 and 2018-19 available at the time of submitting the proposal is considered as Y1, Y2 and Y3 respectively. Therefore, the average traffic for the corresponding three years at 4,01,800 TEUs is considered. The average traffic considered by the VCTPL is in line with the Tariff Guidelines 2019 and the approach followed in the case of tariff fixation of other BOT operators under the ibid guidelines and hence is considered at the level considered by the VCTPL.

- (b). Clause 2.11.1 of Tariff Guidelines, 2019, gives flexibility to the BOT Operators to determine the rates within the estimated ARR to respond to the market forces based on commercial judgment. The said clause further states that the BOT Operator shall have option to draw SOR to achieve revenue lower than the ceiling ARR.

The VCTPL has proposed to maintain status quo in the existing SOR subject to indexation factors for the year 2020-21, 9% reduction in composite handling charges for empty containers and 42% increase in storage charges. Further, the VCTPL has proposed to reduce free period for transshipment containers from existing 30 days to 15 days to deter container from staying long in the terminal.

As regards reduction proposed in the empty container handling charges, the VCTPL has justified that it is an export driven gateway terminal. Shipping lines have to reposition empty containers to cater to the export volume. Since there is additional cost to the shipping lines for repositioning the empties, VCTPL has proposed reduction in the handling charges of empty containers by 9%. This small step, VCTPL feels, would cater to increase in exports from VCTPL and would benefit to the exporters, shipping lines and the VPT. The Visakhapatnam Container Lines Association (VCLA) has appreciated this proposal of the port. The proposed reduction in the composite handling charges for empty containers is approved.

The VCTPL has stated that current yard utilization is almost 80%. Most of the containers are DPD and about 30% are not evacuated within free days. This impacts yard capacity and congests the yard. Hence, VCTPL has proposed 42% increase in the storage charge to improve the evacuation. Container Shipping Lines Association (India) [CSLA] and Visakhapatnam Container Lines Association (VCLA) have opposed to proposed increase. However, since Vizag has already 8 CFSs at present and that the Containers can be evacuated faster, VCTPL has proposed to reduce the free period for Transshipment containers from 30 days to 15 days for effective yard utilization and increase in capacity, which is considered.

At the proposed tariff, VCTPL envisages revenue of ₹181.44 crores. It is relevant here to state that the revenue estimated by the VCTPL captures existing rates approved by this Authority in the last tariff revision Order of 14 November 2017 read with the review Order dated 31 July 2018 for all the tariff items except for proposed tariff decrease of 9% in container handling charges for empty containers and 42% increase in the storage charges.

Whereas, in the proposed SOR, the VCTPL has applied the indexation for the year 2020-21 for all the other tariff items. That being so, the revenue estimate is modified to capture the indexation factor for the year 2020-21 as proposed by the VCTPL in its SOR subject to applying the correct indexation factor for the year 2020-21 at 1.13% in the existing tariff i.e. the tariff approved by this Authority in the last tariff revision Order of 2017 as against indexation factor of 2.56% considered by the VCTPL.

The revenue estimated by the VCTPL is ₹181.44 crores. As explained above, the modified ceiling indexed ARR estimated by us is ₹183.25 crores. At the proposed rates, i.e. 9% reduction proposed in empty container handling charges, 42% increase in storage charges and indexed rates applying indexation factor of 1.13% for the year 2020-21 in all the other tariff items as proposed by the VCTPL in its SOR, the modified revenue works out to ₹183.21 crores. Applying 1.13% indexation factor on the rate proposed by VCTPL for empty container and storage charges shall result in revenue estimation exceeding the estimated ARR by ₹0.26 crores. As per clause 2.11.1 of the TG 2019, the revenue estimation at the prescribed rates should be within the estimated ARR. Hence, the proposed rate by VCTPL for empty container handling charges with 9% reduction and 42% increase in storage charges is presumed to subsume the indexation factor of 1.13% for the year 2020-21. The modified revenue estimates is found to be within the modified ARR estimated by us at ₹183.25 crores leaving a marginal gap of ₹0.04 crores left uncovered (₹183.25 crores - modified ARR - ₹183.21 crores - modified revenue estimates). As per clause 2.11 of the Tariff Guidelines, the revenue estimates at the proposed SOR should be within the ceiling indexed ARR. The proposal of the VCTPL is in line with the Guideline position and hence is approved.

The VCTPL has given detailed working of revenue estimation indicating each of the tariff items in the proposed SOR for corresponding average traffic for the years 2016-17 to 2018-19, as required as per Clause 2.11.1 of the Tariff Guidelines, 2019. It is seen that for a few

tariff items prevailing in the existing SOR as well as in the proposed SOR, the VCTPL has not estimated revenue in Form 4 as listed in the earlier paragraphs and hence not reiterated for the sake of brevity. The VCTPL was required to confirm that no traffic is handled during the last three years in respect of each of these tariff items and was also requested to consider to include probable revenue likely to arise from these items on estimate basis. In this regard, the VCTPL has categorically stated that no revenue is earned from these categories. However, to facilitate trade these tariff items are proposed to be continued. For the reasons explained by the VCTPL, this will not have any revenue impact as no traffic for these items is reported to have been handled during the last three years 2016-17 to 2018-19.

The revenue estimation statement has been duly certified by a Chartered Accountant. The revenue estimation furnished by the VCTPL is relied upon subject to modification done as brought out in the earlier paragraphs.

Further, for the reasons stated in the subsequent paras, the rates proposed by the VCTPL for five tariff items by converting the existing rate into dollar terms applying the exchange rate of 1US\$ = ₹66.42 is corrected. This will not have any impact on the revenue as such.

- (vii). As per clause 1.9 of the Tariff Guidelines 2019, the BOT operator shall continue to abide by the provisions contained in the existing Concession Agreement entered into with the concerned Major Port Trust. Simultaneously, the BOT operator shall agree to abide by this guidelines, by way of a separate Agreement with the concerned Major Port Trust. The VCTPL has stated that it has requested the VPT in this regard and shall submit the same in due course of time. The VPT has also confirmed that the VCTPL has submitted the draft agreement to VPT and the issue is under finalization. The VCTPL, is advised to furnish a copy of the separate Agreement soon as per the prescribed format forwarded by the MOS vide its letter dated 08 March 2019 to all the Major Port Trusts including the VPT duly signed by the VCTPL and the VPT for our records.
- (viii). Clause 3.1.2 of the Tariff Guidelines, 2019 stipulates that in case of the BOT operators who have not gone to the Court against the previous Order of this Authority, the surplus/ deficit for the past period till the period of tariff fixation during the first fixation of Tariff under the Tariff Guidelines of 2019 is to be done as per clause 2.13 of the Tariff Guidelines, 2005.

The VCTPL has furnished review of the estimates vis-à-vis the actuals for the past period of 2016-17 to 2018-19 based on Audited Annual Accounts. Review of past period of 2016-17 was done during the last tariff revision and the estimates considered in the last tariff Order is for the years 2017-18 to 2019-20. Hence, review of the estimates vis-à-vis the actuals need to be done for the three years i.e. 2017-18 to 2019-20. Therefore, subsequently, based on our request, the VCTPL has furnished Cost Statement for the past period 2017-18 and 2018-19 based on Audited Annual Accounts. The VCTPL has reconciled the expenditure reported in the Audited Annual Accounts for the years 2017-18 and 2018-19 and that considered in the cost statement. As regards the year 2019-20, the VCTPL has stated that the accounts are not Audited. Therefore, for the year 2019-20, the VCTPL considered provisional figures for comparison purpose of actuals with estimates considered in the last tariff Order for the year 2019-20. Since the year 2019-20 is over but the Audited Accounts for this year is not available, this Authority, for the purpose of past period analysis, goes ahead based on the approach followed by the VCTPL as done in case of VSPL, subject to review during the fixation of tariff for next tariff cycle based on actuals for 2019-20 based on Audited Annual Accounts.

Based on the reconciliation statement furnished by the VCTPL, the figures considered by the VCTPL in the past period statement are considered in the analysis. The actuals for the year 2019-20 shall, however, be reviewed based on the actuals as per the Audited Annual Accounts for the year 2019-20 during the next tariff revision of the VCTPL.

- (ix). The analysis is as given below:
 - (a). The income estimates considered in the last tariff Order for the years 2018-19 and 2019-20 are adjusted to capture the effect of tariff increase granted in the review Order dated 31 July 2018 for a like to like comparison with the actual income from the date of implementation of the Order.

The opinion of Attorney General for India conveyed by Ministry of Shipping vide its letter dated 12 June 2015 is that the actual income earned by the operator based on their Audited Accounts should be considered and not any notional income. Therefore, for the purpose of analysis of the past period, the actual income as reported in the Audited Annual Accounts for the years 2017-18 and 2018-19 and for the year 2019-20 actuals/ provisional as furnished by the VCTPL and supported with reconciliation statements are considered.

- (b). On perusing Reconciliation statement of Total expenses/ income considered in the cost statement and total expenses/ income reflected in the Audited Annual Accounts for each of the years 2017-18 to 2019-20, it is seen that the VCTPL has excluded the expenses/ income relating to the CFS from the total expenses/ income for past period analysis as done for ARR computation. This is in line with the approach adopted by the VCTPL in the last tariff revision approved by this Authority vide Order No.TAMP28/2017-VCTPL dated 14 November 2017.

It is seen that VCTPL has also excluded income from sale of scrip pertaining to the terminal to the tune of ₹1110 lakhs, ₹2095 lakhs and ₹1614 lakhs in the years 2017-18, 2018-19 and 2019-20. Since the sale of scrip is related to and/ or relevant for VCTPL terminal and the VCTPL could have obtained exemption in the Custom duty on the strength of scrips on their imports, this item is captured in the income for these three years. This will not have any impact on the final decision making as such.

- (c). The estimates of depreciation in the cost statement prepared during the last revision was based on IGAAP. From the year 2016-17, the VCTPL has followed IND AS method of accounting. For a like to like comparison, the VCTPL has considered the depreciation figure under IGAAP and has reconciled the same with the IND AS figures. The depreciation figures as considered by the VCTPL are relied upon and considered.
- (d). The VCTPL has considered admissible Revenue share paid to VPT for each of the years 2017-18 to 2019-20 in line with the Tariff Guidelines, 2005 and Tariff Guidelines, 2019.
- (e). The interest on loans has also been excluded by VCTPL for each of the years 2017-18 to 2019-20 in line with the general approach followed by this Authority. The VCTPL has not excluded interest on OD for each of the said years which is excluded from the cost statement for the past period.
- (f). The Capital employed considered during the last tariff revision under the then applicable Tariff Guidelines of 2005 is Net Fixed Assets + working capital as per the prescribed norms. The Net Fixed Assets reported in the Audited Annual Accounts is based on IND AS. The VCTPL has considered capital employed as the net fixed assets as per IGGAP at ₹23,203.30 lakhs, ₹22,303.74 lakhs and ₹19,677.14 lakhs for the years 2017-18 to 2019-20 respectively for the purpose of computing ROCE.

The net fixed assets considered by the VCTPL in the computation of capital employed for the past period do match with the Form 7 figures which is duly certified by the Chartered Accountant for the years 2017-18 and 2018-19 for ARR computation. Since the net fixed assets under the IGAAP furnished by the VCTPL in Form 7 are duly certified by the practicing Chartered Accountant, the same are considered for the past period.

The working capital is considered as Nil as per norms.

- (g). A copy of the cost statement reviewing estimates of 2017-18 to 2019-20 vis-à-vis actuals of the corresponding period is attached as **Annex - II**.
- (h). A summary of the comparison of the actuals vis-à-vis the estimates considered in the last tariff Order is tabulated below:

(₹ in crores)

Particulars	Aggregate for the years 2017-18 to 2019-20 in absolute terms		Variation in %
	Estimates as per tariff Order	Actuals	
Traffic (in lakh tonnes)	12.40	13.42	8.16%
Total Operating Income	456.94	661.48	44.76%
Total Expenditure including FME less FMI, Depreciation and overheads	351.18	377.26	7.43%
Surplus/ deficit before Return	105.76	284.22	
Capital Employed (Average)	220.33	217.28	-1.38%
16% Return on Capital Employed	105.76	104.30	-1.38%

Particulars	Aggregate for the years 2017-18 to 2019-20 in absolute terms		Variation in %
	Estimates as per tariff Order	Actuals	
Net Surplus after ROCE (before adjustment of past surplus)	0.00	179.92	

- (i). The findings of the analysis with reference to the past period relating to the period from 2017-18 to 2019-20 are given below:
- (i). The actual aggregate traffic handled by the VCTPL is 13.42 lakh tonnes as against the estimated traffic of 12.40 lakh tonnes during the period from 2017-18 to 2019-20. The variation in the physical parameters i.e. actual traffic handled is 8.16% positive in comparison to the estimates.
 - (ii). The operating income earned by the VCTPL is ₹661.48 crores as against estimation of ₹456.94 crores for the corresponding period resulting in positive variance of 44.76%.
 - (iii). On the expenditure side, the actual aggregate expenditure for the years 2017-18 to 2019-20 is ₹377.26 crores as against the estimated expenditure of ₹351.18 crores considered in the last Order for the corresponding period. The total actual expenditure thus shows positive variance of 7.43% in comparison to the expenditure estimated in the last tariff Order.
 - (iv). The average capital employed for the period from 2017-18 to 2019-20 is ₹217.28 crores as against average estimated capital employed of ₹220.33 crores. The variation in the average capital employed comes to 1.38% negative.
 - (v). As per the cost statement for the past period furnished by VCTPL, the VCTPL has earned aggregate surplus of ₹179.92 crores after admissible cost and 16% ROCE for the period from 2017-18 to 2019-20.
 - (vi). The average annual return earned on the average capital employed is as shown in the following table:

(₹ in crores)

Particulars	2017-18	2018-19	2019-20	AVG.
Actual Surplus/ deficit before return	87.09	91.21	105.90	284.22(Total) 94.74 (Avg.)
Actual Capital Employed	232.03	223.04	196.77	217.28 (Avg.)
Actual Return earned on capital employed	37.53%	40.89%	53.82%	43.60%

- (vii). As per clause 2.13 of the tariff guidelines, if review of actual physical and financial performance for the previous tariff cycle shows the variation of more than +/ (–) 20%, then 50% of such accrued benefit/ loss has to be adjusted in the next tariff cycle. As per the opinion of AG also as conveyed by the MOS, variation in both physical and financial parameters should be taken into account for the purpose of clause 2.13. Further, as per the opinion of the AG, if the variation in both the physical and financial parameters is more than 20%, then 20% of the surplus is to be allowed to be retained by the operator. It is only the surplus over and above the 20% that shall be shared equally i.e. 50:50 between the operator and the users. In nutshell, 60% of additional surplus is allowed to be retained with the operator and 40% additional is to be shared with users by considering adjustment in future tariff.

It can be seen from the above analysis that the variation in financial performance in terms of return on capital employed is more than 20%, (20% variation over 16% comes to 19.20%). The VCTPL has earned average annual return on capital employed at 43.60%.

Though the variation in financial performance in terms of return on capital employed is more than 20%, the variation in the physical parameter i.e., actual traffic handled is less than 20% i.e. 8.16% positive. Since the variation in one of the parameters is found to be less than +/- 20%, there is no case for adjustment of past period surplus in the current tariff cycle as per the opinion of the AG on the interpretation of clause 2.13 of the Tariff Guidelines of 2005.

- (j). As stated earlier, since the Audited Accounts for the year 2019-20 is not available at the time of finalizing this case, the comparison of estimates for the year 2019-20 considered in the last tariff Order along with the actuals/ provisional Accounts for the year 2019-20 furnished by the VCTPL in the current tariff revision exercise and considered in the past period analysis shall be again reviewed with reference to the Audited Accounts for the year 2019-20 at the time of next review. Adjustment, if any, to be done in the future tariff on account of variation shall be governed by the Tariff Guidelines of 2005 since the past period analysis in this case is done following the clause 2.13 of 2005 Tariff Guidelines.
- (x). As brought out in the preceding paragraphs, the modified indexed ceiling ARR was arrived at ₹183.25 crores. As stated in the analysis in the preceding paragraphs there is no case for past period adjustment based on the analysis given in the preceding paragraphs.
- (xi). Based on the above analysis, a summary of the ceiling indexation ARR furnished by the VCTPL and as considered by us based on the modified cost statement is given below:

(₹ in crores)

Sr. No.	Particulars	ARR computation furnished by the VCTPL	ARR computation modified by us
1	Average admissible Expenses for the years 2016-17, 2017-18 and 2018-19 $[Y1+Y2+Y3]/3$	108.67	108.68
2	Capital employed as on 31.03.2019 including capital work in progress as on 31.03.2019 and working capital as per norms	408.45	398.98
3	Return on capital employed @ 16%	65.35	63.84
4	ARR as on 31 March 2019 (4=2+3)	174.03	172.52
5	Indexation in the ARR @ 100% of the WPI applicable for the year 2019-20 and 2020-21 (4.26% for the year 2019-20 and 1.88% for 2020-21) [VCTPL has only considered 4.26% indexation for the year 2019-20]	181.44	183.25
6	Ceiling Indexed Annual Revenue Requirement (ARR)	181.44	183.25
7	Revenue estimated by the VCTPL at proposed rate	181.44	183.21
8	Revenue gap (short fall in Estimated Revenue over ARR)	0.00	0.04

As stated earlier, marginal gap of ₹0.04 crores to meet the modified estimated ARR is left uncovered.

- (xii). The VCTPL has proposed to convert the five of the following existing tariff items prescribed in rupee terms into US\$. The VCTPL is exposed to foreign currency fluctuations on account of expenditures incurred for annual maintenance contract fee for the TOS software, technical fee, import of critical spares and repayment of foreign currency loan availed for the imports of cranes, interest payments of the foreign currency loan. The average foreign currency outflow anticipated by the VCTPL in the next tariff cycle is US\$ 33,92,346 equivalent to ₹24 crores p.a. in rupee terms. The forex expenditure constitutes 14% of the average annual revenue. In the current proposal, the VCTPL proposes to convert the following five tariff items into US\$ to meet 8% of the expenditure incurred in foreign currency so as to overcome the impact of foreign currency fluctuations and savings in the valuable forex reserves of the nation.

Clause in SOR	Tariff description
1.4	With landing Hatch cover on the quay –Foreign going
1.5	Shifting of containers within vessel (Re-stows): Loaded or empty container shifted by landing and reshipping
1.7	Charges for supply of electricity (including connecting and disconnecting, monitoring at reefer yard) 4 hours or part thereof
1.8	Charges for shut out containers
1.10	Storage charges

It is relevant to state here that based on the proposal of the NSICT for denomination of few tariff items, this Authority has vide Order No.TAMP/1/98-JNPT dated 15 March 2000 approved the proposal of NSCIT for denominating reefer monitoring charges and shut out charges then prescribed in rupee terms into dollar denomination. The VCTPL has justified its proposal citing the SOR of NSICTPL dated 03 March 2020 where Hatch covers for vessels (under Section 5), Section 6-Re-stow of containers, Section 7-Shut out of containers, Section 8-Reefer monitoring services and Section 9-Dwell time charges are denominated in US dollar terms. The prescription of the above tariff items is in dollar terms even in the SOR of other BOT operators like the Gateway Terminal India Private Ltd, PSA SICAL Terminals Ltd. and India Gateway Terminal Pvt. Ltd. That being so, and for the reasons cited by the VCTPL, this Authority is inclined to approve the proposal of the VCTPL for conversion of the existing rupee denomination of these five tariff items into US\$.

For converting the above five tariff items from existing denomination in rupee terms for foreign container, the VCTPL has considered exchange rate of 1 US\$ = 66.42. For example, the rate prescribed in the existing SOR for shifting is ₹3325/- for a foreign container. The VCTPL has applied indexation of 2.56% being 60% of WPI indexation of 4.26% announced for the year 2019-20 and arrived at ₹3410.12. This is divided by exchange rate 66.42 to arrive at the proposed US\$ rate of 51.34 for a foreign container.

The VCTPL was requested to update the proposed rate in US\$ with the prevailing exchange rate. To this, the VCTPL has responded that the INR is depreciating at a rapid space recently due to uncertainty in the global economy at present on account of weak demand followed by the Covid-19 pandemic scenario. Citing that the current scenario is not a usual circumstance to consider the USD INR conversion rate, in order to have level playing, it has considered exchange rate for the stable period for the years 2016-17 to 2018-19 and taken 1US\$ = 66.42 as the conversion rate for converting rupee denominated tariff for the five items into US\$ for foreign container.

It is relevant here to state that the revenue to be earned by the VCTPL at the proposed rate in US\$ will be at the prevailing rate. If the rate proposed by the VCTPL is considered, the revenue to be earned at the prevailing exchange rate may lead to increase in estimated revenue and exceed the estimated ARR.

The average exchange rate since January 2020 till finalization of the case is 1US\$=74.27. Hence, it is found appropriate to apply the exchange rate of 1US\$=74.27 for converting these tariff items into US\$. This will not have any impact on revenue estimates as the prevailing exchange rate is considered to arrive at the proposed rate. The tariff for coastal container is prescribed at the existing level as the VCTPL has not envisaged any increase in the existing tariff for foreign container.

- (xiii). The proposal of the VCTPL states that it has proposed status quo in the existing SOR except for reduction of 9% in the consolidated charges for empty containers, 42% increase in storage charge, conversion of five items from rupee into dollar and increase in free period for transshipment container. The SOR, however, is proposed by the VCTPL after applying indexation factor for the year 2020-21 by 2.56%. The revenue estimated by the VCTPL in Form 4 do not capture the indexed rates proposed in the SOR. This mismatch was brought to the attention of the VCTPL to make necessary correction. Further, it was also brought out that the indexation in the tariff at 60% of the WPI announced by this Authority for the BOT operators governed under the Tariff Guidelines 2019 for the year 2020-21 is 1.13%. The VCTPL has not made necessary correction in the SOR. Hence, the SOR of the VCTPL is corrected in line with proposal of the VCTPL approved by this Authority. That is to say that, the revised SOR is prescribed applying correct indexation factor of 1.13% for the year 2020-21 over the existing rate as against 2.56% applied by the VCTPL for all the tariff items apart from prescription of the proposed reduction of 9% in the consolidated charges for

empty containers, 42% increase in storage charges, reduction in free period for transshipment container as proposed by the VCTPL and conversion of the five tariff items in US\$ for foreign container at the exchange rate of 1US\$ =74.27.

- (xiv). It is relevant to state here that this Authority in view of the concessional coastal tariff for ships and cargo that move from one Indian Port to another Indian Port through the territorial waters of Sri Lanka or Bangladesh in terms of Notification No.38/2018- Customs (N.T.) dated 11 May 2018 issued by the Central Board of Indirect Taxes and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance has passed an amendment Order No.TAMP/53/2015-VOCPT dated 25 September 2018 in common adoption Order No.TAMP/53/2015-VOCPT dated 26 November 2015. The said Order passed is for common adoption by all the Major Port Trusts and BOT operators operating thereat. The VCTPL has agreed to incorporate but has not incorporated the provisions prescribed in the Order dated 25 September 2018. The provisions proposed by the VCTPL are updated with the amended provisions approved by this Authority in the recent Order.
- (xv). The rate originally approved by this Authority vide Order No.TAMP/46/2018-MUC dated 08 June 2018 for mandatory users charge has been subsequently revised by this Authority vide Order No.TAMP/12/2019-MUC dated 24 July 2019 based on the proposal of Delhi-Mumbai Industrial Corridor Development Corporation (DMICDC) alongwith relevant notes governing the tariff prescribed. The VCTPL has proposed said notes governing the approved rates. Considering that the validity of the rates prescribed for MUC will be different from the validity of the revised SOR of the VCTPL, it is appropriate to prescribe only a note stating that MUC will be governed by separate common adoption Order No.TAMP/46/2018-MUC dated 24 July 2019 approved by TAMP for common adoption by all Major Port Trusts and BOT terminals.
- (xvi). In view of conversion of few items in dollar terms, the VCTPL has proposed a new note relating to re-conversion of US dollar denominated tariffs into Indian rupees and also prescription of the procedure for re-conversion of container charges denominated in US dollar terms. The said note proposed is in line with clause 5.5.1 of Tariff Guidelines, 2019. Hence, said modification is considered.
- (xvii). The VCTPL was requested that the general note no.(v) (b) under Section 1.2 of the proposed SOR relating to rate of interest on delayed payments, may be revised at 15% as against proposed 16.75% to fall in line with Clause 5.4.1 of the Tariff Guidelines, 2019. The VCTPL has agreed to do the same, but it is seen that the VCTPL has not made any correction in the proposed SOR. Therefore, the proposed SOR is modified to that extent.
- (xviii). The VCTPL has proposed to reduce the existing free period for transshipment containers from 30 days to 15 days in the proposed SOR. However, the revised reduced slabs are not reflected in the revenue estimation in Form 4. The VCTPL was requested to correct the same in Form 4. However, it is seen that the VCTPL has not made any correction in this regard in Form-4. Therefore, in the Form-4 modified by us, said modifications are incorporated. Further, the VCTPL was to confirm that the additional revenue likely to accrue due to reduced free period for transshipment container is captured in the revenue estimation. In this regard, the VCTPL has confirmed that currently there is no revenue from Transshipment storage. Even if the free period is reduced it will not have any revenue out of it and hence no revenue can be estimated.
- (xix). As per Clause 2.12 of the Tariff Guidelines, 2019, the SOR will be indexed annually to inflation to the extent of 60% of the variation in Wholesale Price Index (WPI) announced by the Government of India occurring between 1st January to 31st December of the relevant year. Such adjusted SOR will come into force from 1st May of the relevant year to 30th April of the following year. The VCTPL has not proposed any note in this regard. In the current revision, the annual indexation of 1.13% in the tariff for the year 2020-21 is already captured. That being so, they are entitled for annual indexation in the tariff for the year 2021-22 commencing from 1 May 2021. Hence, a suitable note is added to that effect to state that the SOR is subject to automatic annual indexation to inflation to the extent of 60% of the variation in Wholesale Price Index (WPI) announced by this Authority occurring between 1st January to 31st December of the relevant year. Such adjusted SOR will come into force from 1st May of the relevant year to 30th April of following year. The first annual indexation will be from 1 May 2021. The indexed SOR should be intimated by the VCTPL to the VPT, concerned users and to this Authority.
- (xx). Clause 4.9 of the Tariff Guidelines, 2019 prescribes tariff validity cycle of three years subject to annual indexation as mentioned in clause 2.12. Therefore, the validity of the revised SOR is prescribed for a period of 3 years from the date of effect of revised SOR subject to annual indexation clause prescribed in the SOR.

- (xxi). Clause 4.8 of the Tariff Guidelines, 2019 stipulates that ordinarily the Order approved by this Authority shall come into effect after expiry of 30 days from the date the Order is notified in the Gazette. Accordingly, the revised SOR will come into effect after expiry of 30 days from the date of notification of the Order in the Gazette. The existing SOR of VCTPL is valid from the date of expiry for a period of 6 months i.e. till 30 September 2020 or till the revised SOR of VCTPL comes into effect, whichever is earlier. The validity of the existing SOR is deemed to have been extended till the revised SOR comes into force.
- (xxii). (a). As per the Tariff Guidelines, 2019, the rates prescribed in the Scale of Rates are ceiling levels; likewise, rebates and discounts are floor levels. The VCTPL may exercise the flexibility to charge lower rates and/or allow higher rebates and discounts.
- (b). If there is any error apparent on the face of record considered or for any other justifiable reasons, the VCTPL may approach this Authority for review of the tariff fixed, giving adequate justification/ reasoning within 30 days from the date of notification of the Order passed in the Gazette of India.

13.1. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, the revised Scale of Rates of the VCTPL is approved which has been notified separately.

13.2. The revised Scale of Rates and conditionalities of the VCTPL will come into effect after expiry of 30 days from the date of notification of the Order notifying the revised SOR in the Gazette of India and shall be in force for a period of three years from the date the revised SOR came into effect. The approval accorded shall automatically lapse thereafter unless specifically extended by this Authority.

13.3. As per clause 7 of the Tariff Guidelines, 2019, the VCTPL shall furnish to TAMP without fail annual reports on cargo traffic handled and ship berth day output. The annual reports shall be submitted by the VCTPL within 90 days following the end of each of the year. Any other information which is required by TAMP shall also be furnished to them from time to time.

13.4. During the next review of Scale of Rates of VCTPL, the actual revenue and actual traffic will be compared with the ARR and the traffic relied upon in the immediate previous tariff cycle. If, on such review, variation in both physical and financial parameters is more than +/- 20%, then the surplus/ deficit shall be adjusted in the Annual Revenue Requirement of the next tariff cycle as per clause 3.2.1 of the Tariff Guidelines, 2019.

T.S. BALASUBRAMANIAN, Member (Finance)

[ADVT.-III/4/Exty./329/2020-21]

Annex - I(a)
Form - 1

Computation of Annual Revenue Requirement under Tariff Policy, 2019 for Determination of Tariff for BOT operators operating at Major Port Trusts furnished by VCTPL.				
Rs. in lakhs				
Sl. No.	Description	Y1	Y2	Y3
		2016-17	2017-18	2018-19
(1).	Total Expenditure (As per Audited Annual Accounts)			
(i).	Operating expenses (including depreciation)	9,601.22	10,507.73	14,897.01
(ii).	Finance and Miscellaneous expenses (FME)	1,558.21	1,391.43	1,959.36
	Total Expenditure 1=(i)+(ii)	11,159.43	11,899.16	16,856.37
(2).	Adjustments in respect of items where there is variation in figures reported as per INDAS (as per Audited Accounts) and IGAAP			
(i).	Depreciation	-260.81	-252.23	-297.66
(ii).	Other expenditure items, if any, to be listed			
	Employee benefits expense	22.70	-3.84	17.94
	Unwinding cost on security deposit	-0.72	-0.59	-0.46
	Unwinding cost on Royalty	-561.99	-623.81	-242.43
	Total of Adjustments 2=(i)+(ii)+ ----	-800.81	-880.48	-522.60
(3).	Less Adjustments:			
(i).	Actual Royalty / Revenue share paid to the port	-1,833.42	-1,941.45	-3,119.09
(ii).	Interest on loans	-415.88	-338.22	-832.48
(iii).	Provision for bad and doubtful debts	-	-6.68	
(iv).	Provision for slow moving inventory		-	
(v).	Other provisions, if any			
	Total of 3 = [3(i)+3(ii)+3(iii)+3(iv)+3(v)]	-2,249.29	-2,286.34	-3,951.57
(4).	Add: Admissible Royalty/ Revenue Share as per Clause 2.2. of the Tariff	898.37	951.31	1,528.36

	Guidelines, 2019			
(5).	Total Expenditure after Total Adjustments (5 = 1+2+3+4)	9,007.70	9,683.65	13,910.55
(6).	Average Expenses of Sl. No.5 = [Y1 + Y2 + Y3] / 3			10,867.30
(7).	Capital Employed			
	(i). Gross Fixed Assets (Property, Plant & Equipment) as on 31st March Y3 or 31 December of Y3 followed by the BOT operator (As per IGAAP)			38,338.03
	(ii). Add: Capital Work in Progress as on 31st March Y3 or 31 December of Y3 followed by the BOT operator (As per Audited Annual Accounts)			28.08
	(iii). Add: Working Capital as per norms prescribed in clause 2.6 of the Tariff Guidelines, 2019			
	(a). Inventory			132.39
	(b). Sundry Debtors			1,354.12
	(c). Cash			992.62
	(d). Sum of (a)+(b)+(c)			2,479.13
	(iv). Total Capital Employed [(i)+(ii)-(iii)]			40,845.25
(8).	Return on Capital Employed 16% on Sl. No.7(iv)			6,535.24
(9).	Annual Revenue Requirement (ARR) as on 31 March Y3 or 31 December of Y3 as applicable [(6)+ (8)]			17,402.54
(10).	Indexation in the ARR @ 100% of the WPI applicable for the year Y4 for example, if Y4 is 2019-20, then the applicable WPI is 4.26% and the indexed ARR for the year Y4 will be (9) x 1.0426)			4.26%
(11).	Ceiling Indexed Annual Revenue Requirement (ARR) as given in Sr. No.10 above.			18,143.89
(12).	Revenue Estimation at the Proposed indexed SOR within the Ceiling indexed ARR estimated at Sl. No.11 above			18,143.89

Annex - I(b)
Form - 1

Computation of Annual Revenue Requirement under Tariff Policy, 2019 for Determination of Tariff for BOT operators operating at Major Port Trusts furnished by VCTPL and modified by TAMP.				
Rs. in lakhs				
Sl. No.	Description	Y1	Y2	Y3
		2016-17	2017-18	2018-19
(1).	Total Expenditure * (As per Audited Annual Accounts excluding CFS)			
(i).	Operating expenses (including depreciation)	9,601.22	10,507.73	14,897.01
(ii).	Finance and Miscellaneous expenses (FME)	1,558.21	1,391.43	1,959.36
	Total Expenditure 1=(i)+(ii)	11,159.43	11,899.16	16,856.37
(2).	Adjustments in respect of items where there is variation in figures reported as per INDAS (as per Audited Accounts) and IGAAP			
(i).	Depreciation	-260.81	-252.23	-297.66
(ii).	Other expenditure items, if any, to be listed			
	Employee benefits expense	22.70	-3.84	17.94
	Unwinding cost on security deposit	-0.72	-0.59	-0.46
	Unwinding cost on Royalty	-561.99	-623.81	-242.43
	Total of Adjustments 2=(i)+(ii)+ ----	-800.81	-880.48	-522.60
(3).	Less Adjustments:			
(i).	Actual Royalty / Revenue share paid to the port	-1,833.42	-1,941.45	-3,119.09
(ii).	Interest on loans	-415.58	-338.14	-831.30
(iii).	Provision for bad and doubtful debts	-	-6.68	
(iv).	Provision for slow moving inventory		-	
(v).	Other provisions, if any			
	Total of 3 = [3(i)+3(ii)+3(iii)+3(iv)+3(v)]	-2,248.99	-2,286.26	-3,950.39
(4).	Add: Admissible Royalty/ Revenue Share as per Clause 2.2. of the Tariff Guidelines, 2019	898.37	951.31	1,528.36
(5).	Total Expenditure after Total Adjustments (5 = 1+2+3+4)	9,008.00	9,683.73	13,911.73
(6).	Average Expenses of Sl. No.5 = [Y1 + Y2 + Y3] / 3			10,867.82
(7).	Capital Employed			

	Management & Administration overheads	1680.68	1714.29	1748.58	5,143.55	1905.44	2343.26	2863.91	7,112.60	
	Preliminary expenses & Upfront Payment write-off	12.53	12.53	12.53	37.58	0	0	0	0	
	Total	1,693.21	1,726.82	1,761.10	5,181.13	1,905.44	2,343.26	2,863.91	7,112.60	37.28%
V	Operating Surplus / (Deficit) (I) – (II) – (III) - (IV)	4,510.27	3,074.30	3,485.82	11,070.39	9,226.12	9,880.12	11,262.11	30,368.35	
VI	Finance & Miscellaneous Income (FMI)									
	Others	15.00	15.00	15.00	45.00	30.52	242.05	17.65	290.22	
	Total	15.00	15.00	15.00	45.00	30.52	242.05	17.65	290.22	
VII	Finance & Miscellaneous Expenses (FME)									
	Contribution to Provident Fund	151.19	154.22	157.30	462.72	117.77	115.16	122.74	355.67	
	Loss on sale of assets and others					-0.08	0.87	1.54	2.33	
	Foreign Exchange loss on repayment of foreign currency loans based on review application by VCTPL					429.70	884.00	564.80	1,878.50	
	Total	163.05	179.36	197.30	539.71	547.40	1,000.03	689.07	2,236.50	
VIII	FMI Less FME (VI) - (VII)	(148.05)	(164.36)	(182.30)	(494.71)	(516.87)	(757.98)	(671.42)	(1,946.28)	
IX	Surplus Before Interest and Tax (V) + (VIII)	4,362.22	2,909.94	3,303.52	10,575.68	8,709.25	9,122.13	10,590.69	28,422.07	
X	Capital Employed	23091.81	21103.73	21902.78	22,032.77	23203.30	22303.74	19677.14	21,728.06	-1.38%
XI	Return on Capital Employed @ 16%	3694.69	3376.60	3504.44	10,575.73	3712.53	3568.60	3148.34	10,429.47	-1.38%
XII	Net Surplus / (Deficit) (IX) - (XI)	667.53	(466.66)	(200.92)	(0.05)	4996.72	5553.54	7442.35	17,992.61	
XIII	Estimated surplus of 2017-18 adjusted on pro-rata basis for 12 months over the years 2018-19 and 2019-20	556.27	278.14	278.14		-	-	-	-	
XIV	Net Surplus / (Deficit) (XIII) - (XIII)	111.25	-188.52	77.21	(0.05)	4996.72	5553.54	7442.35	17,992.61	
XV	Net Surplus / (Deficit) as a % of operating income (XIV/I in %)	0.80%	-1.23%	0.47%		27.20%	24.37%	29.78%		
XVI	Average Net Surplus / (Deficit) as a % of operating income		0.01%				27.12%			